शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हरियाणा प्रदेश में भाजपा की हैट्रिक
उपलब्धि: विजयेन्द्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । बुधवार, 09 अक्टूबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।❊। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-280

हरियाणा और जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनावों के परिणाम घोषित

हरियाणा में भाजपा की सरकार तीसरी बार

भाजपा ने जीतीं 48 सीटें, कांग्रेस 37 पर सिमटी

यह विकास और सुशासन की जीत है: पीएम मोदी

चंडीगढ़, 08 अक्टूबर (एजेंसिया)।

हरियाणा में भाजपा तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। भाजपा के खाते में यह नायाब रिकॉर्ड दर्ज हुआ है। एग्जिट पोल्स के आकलनों को गलत साबित करते हुए भाजपा ने हरियाणा विधानसभा में बहुमत से जीत हासिल की है। हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा 48 सीटों के साथ सरकार बनाने जा रही है। इसे लेकर भाजपा में जश्न का माहौल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हरियाणा की जनता और कार्यकर्ताओं को जीत की बधाई दी है। हरियाणा में कांग्रेस को 37 सीटें मिली हैं। हरियाणा चुनाव

परिणाम पर पीएम मोदी ने कहा, हरियाणा का हृदय से आभार। भारतीय जनता पार्टी को एक बार फिर स्पष्ट बहुमत देने के लिए मैं हरियाणा की जनशक्ति को नमन करता हूं। यह विकास और सुशासन की राजनीति की जीत है। मैं यहां के लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि उनकी आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। पीएम मोदी ने कहा, इस महाविजय के लिए अथक परिश्रम और पूरे समर्पण भाव से काम करने वाले अपने सभी कार्यकर्ता साथियों को भी मेरी बहुत-बहुत बधाई! आपने न केवल राज्य की जनता-जनार्दन की भरपूर सेवा की है, बल्कि विकास के हमारे एजेंडे को भी उन तक पहुंचाया है। इसी का नतीजा है कि भाजपा को हरियाणा में यह ऐतिहासिक जीत हासिल हुई है। वाकई, हरियाणा चुनाव में भाजपा की अप्रत्याशित जीत हुई है। जिस नतीजे की उम्मीद किसी ने नहीं की थी,

▶10पर

जम्मू-कश्मीर में फिर रिश्तेदारों की सरकार

नेशनल कॉन्फ्रेंस को 42 कांग्रेस को मिली 6 सीटें

29 सीटों पर भाजपा जीती 2014 का रिकॉर्ड तोड़ा

जम्मू, 08 अक्टूबर (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर में एक बार फिर रिश्तेदारों की सरकार बनने जा रही है। राज्य में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद कांग्रेस नेता राहुल नेता जब पहली बार कश्मीर गए थे तब उन्होंने फारूक अब्दुल्ला और उमर अब्दुल्ला को रिश्तेदार बताया था। अब रिश्तेदारों का गठबंधन यानी नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) और कांग्रेस गठबंधन की जम्मू कश्मीर में सरकार बनने जा रही है। गठबंधन को 48 सीटें मिली हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस को 42 और कांग्रेस को 6 सीटें मिली हैं। जम्मू संभाग में भाजपा ने 29 सीटों पर जीत

हासिल कर 2014 के अपने रिकार्ड को तोड़ने में कामयाबी हासिल की है। कश्मीर में भाजपा का खाता नहीं खुल पाया।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, जम्मू-कश्मीर के चुनाव बेहद खास रहे। अनुच्छेद 370 और आर्टिकल 35ए हटने के बाद पहली बार चुनाव हुए थे। इसमें लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इससे साफ है कि लोगों का लोकतंत्र में विश्वास कायम है। मैं इसके लिए जम्मू-कश्मीर के प्रत्येक व्यक्ति को बधाई देता हूं। मुझे जम्मू-कश्मीर में भाजपा के प्रदर्शन पर गर्व है। मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने हमारी पार्टी को वोट दिया और हम पर भरोसा जताया। मैं लोगों को आश्वस्त करता हूं कि हम जम्मू-कश्मीर के कल्याण के लिए काम करते रहेंगे। मैं हमारे कार्यकर्ताओं के मेहनती प्रयासों की भी सराहना करता हूं।

▶10पर

● चढ़ कर बोलते थे चढ़ूनी, जमानत भी नहीं बची

चंडीगढ़, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

कृषि कानून पर बढ़ चढ़ कर बोलने वाले बातबहादुर किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी बुरी तरह से चुनाव हार गए हैं। उन्होंने पिहोवा सीट से चुनाव लड़ा था। चढ़ूनी अपनी जमानत तक नहीं बचा पाए। संयुक्त संघर्ष पार्टी के बैनर चले चुनाव मैदान में उरते गुरनाम सिंह चढ़ूनी को सिर्फ 1170 वोट ही मिले और उनकी जमानत जब्त हो गई। गुरनाम सिंह चढ़ूनी पांचवें नंबर पर रहे। गुरनाम सिंह चढ़ूनी हरियाणा में भारतीय किसान यूनियन के प्रमुख भी हैं। वह 2020-21 के किसान आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे, जब किसानों ने तीन कृषि कानूनों के विरोध में दिल्ली की सीमाओं को बंद कर दिया था।

● भाजपा ने कांग्रेस को बगलडूब दांव से पटका

चंडीगढ़, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजों ने हरियाणा में भाजपा की मजबूत नींव की पुष्टि कर दी। कांग्रेस इस बार जीत को लेकर आश्वस्त थी। एग्जिट पोल्स से लेकर सियासी बयानों तक यही संकेत मिल रहे थे कि भाजपा इस बार मुकाबले में कमजोर है। कांग्रेस में यह मंथन भी होने लगा था कि 65 से ज्यादा सीटें आती हैं तो कमान किसे सौंपी जाएगी। भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुमारी सैलजा और रणदीप सुरजेवाला, तीनों नेता सीएम पद पर अपनी दावेदारी को लेकर ताल ठोंक रहे थे। युवाओं में बेराजगारी और किसानों-पहलवानों की नाराजगी जैसे मुद्दे को कांग्रेस जोरशोर से उठा रही थी। इस सबके बावजूद भाजपा कांग्रेस की बगल से जीत को निकालकर ले गई। यह कुछ ऐसा ही है, जैसे कुश्ती में बगलडूब दांव होता है, जब एक पहलवान सामने वाले पहलवान की बगल और पकड़ से बाहर निकलकर उसे परास्त कर देता है।

यहां तक कि भाजपा के आंतरिक सर्वेक्षण में भी 35 से 38 सीटों का अंदाजा लगाया गया था। इसके बाद भाजपा ने ऐसी 18 सीटों पर अपना ध्यान केंद्रित किया, जहां पर मुकाबला बहुकोणीय था।

▶10पर

● विचित्र कश्मीर : एक वंशवाद मंजूर, दूसरा वंशवाद नामंजूर

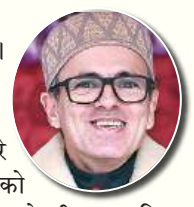

जम्मू, 08 अक्टूबर (ब्यूरो)।

कश्मीर के मतदाताओं के भी अजीब रंग हैं। कश्मीरी अवाम एक वंशवाद को मंजूर कर लेती है और दूसके वंशवाद को नामंजूर कर देती है। विधानसभा चुनाव में कश्मीरी मतदाताओं ने दूसरे वंशवाद की पोषक महबूबा मुफ्ती की पार्टी को धूल चटा दी। महबूबा की बेटी इल्तिजा मुफ्ती को भी नकार दिया। जिस बिजबिहाड़ा से इल्तिजा चुनाव हारी हैं वह पीडीपी का गढ़ समझा जाता रहा है

जम्मू कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) ने बडगाम में अपना खाता खोला है, उमर अब्दुल्ला ने बडगाम सीट जीती है और सैफुद्दीन ने पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के आगा सैयद मुंतजिर को हराकर जीत हासिल की है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, अब्दुल्ला 36,010 वोटों के साथ इस सीट से विजयी हुए, जबकि मुंतजिर को 17,525 वोट मिले। 2014 के विधानसभा चुनावों में, बडगाम सीट पर नेकां के आगा रूहुल्लाह ने 2,787 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी, उन्हें 30,090 वोट मिले थे, जबकि पीडीपी के मोहिउद्दीन भट को 27,303 वोट मिले थे। ▶10पर

● बलिदानी परिवार की शगुन किश्तवाड़ से जीतीं

जम्मू, 08 अक्टूबर (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनावों में भाजपा उम्मीदवार शगुन परिहार ने जोरदार जीत दर्ज की है। शगुन परिहार जम्मू कश्मीर की किश्तवाड़ सीट से उम्मीदवार से चुनाव लड़ रहीं थी। शगुन परिहार के पिता और चाचा की इस्लामिक आतंकियों ने हत्या कर दी थी। शगुन परिहार को 29053 वोट मिले जबकि उनके प्रतिद्वंदी नेशनल कॉन्फ्रेंस उम्मीदवार सज्जाद अहमद किचलू को 28532 वोट ही मिले। शगुन परिहार ने इस तरह 500 वोटों के अंतर से चुनाव जीत लिया।

चुनाव जीतने के बाद शगुन परिहार ने कहा, सबसे पहले मैं यहां सुरक्षा का मुद्दा सुलझाऊंगी, क्योंकि हमने बहुत से जवानों को और अपने लोगों को खोया है। मैंने अपने पिता को खोया है। किसी ने यहां अपने बेटे, किसी ने अपने भाई को खोया है। मेरी कोशिश रहेगी कि यहां के हर बच्चे के सिर पर पिता का साया हो।शगुन परिहार मात्र 29 वर्ष की हैं और उन्हें पार्टी ने पहली बार किश्तवाड़ से मौक़ा दिया था। शगुन परिहार ने टिकट मिलने के बाद कहा था, वह काला दिन आज भी मेरी आंखों में बसा है, ▶10पर

माले से चीन पर नजर रखेगी भारतीय नौसेना की पनडुब्बियां

मालदीव में भारतीय रडार-तंत्र की तैनाती को हरी झंडी

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत मालदीव में डिफेंस प्लेटफॉर्म और सम्पत्ति स्थापित करेगा। मुइज्जू सरकार ने अब इस बात को भी हरी झंडी दिखा दी है कि माले में भारत का रडार तंत्र स्थापित होगा और सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को दूर से देख लेगा। इस समझौते से अब मालदीव की नेशनल डिफेंस फोर्स की निगाहें चौकन्नी करने में भी भारत की बड़ी भूमिका रहने वाली है। नवम्बर 2023 में मालदीव में राष्ट्रपति पद संभालते ही मोहम्मद मुइज्जू ने सबसे पहले चीन का दौरा करके साफ संकेत दिए थे कि वे अपने आका कम्युनिस्ट चीन के इशारे पर सरकार चलाएंगे और उसके इशारे पर विदेश संबंध बनाएंगे। भारत उस

देश का परंपरागत मित्र रहा है और उसकी प्रगति में हमेशा योगदान देता आ रहा है। गत जनवरी में मुइज्जू सरकार के तीन मंत्रियों ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर अशोभनीय टिप्पणियां करके दोनों देशों के संबंधों में खटास पैदा कर दी थी।

▶10पर

केरल की सत्ताधारी पार्टी के विधायक ने कहा

सोने की तस्करी में अधिकतर मुस्लिम शामिल

तिरुअनंतपुरम, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केरल के गोल्ड स्मगलिंग मामले में हाल ही में एक बड़ा विवाद सामने आया है, जिसने राज्य की राजनीति में हंगामा खड़ा कर रखा है। सत्ताधारी पार्टी के नेता और लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) के विधायक केटी जलील ने मुस्लिम समुदाय पर गोल्ड स्मगलिंग में अधिक शामिल होने का आरोप लगाया। उनके इस बयान ने केरल की सियासत में हड़कंप मचा दिया है, खासकर मलप्पुरम जिले के संबंध में दिए गए उनके बयान को लेकर। क्या है ये पूरा विवाद आइए आपको समझाते हैं।

दरअसल, केरल में सोना तस्करी का मामला तब और उछल गया जब एलडीएफ विधायक के. टी. जलील ने मुस्लिम समुदाय पर सोने की अधिक तस्करी में शामिल होने का आरोप लगाया और मजहबी नेताओं से सोना

फतवा जारी करने की मांग

तस्करी के खिलाफ फतवा जारी करने की मांग की। जलील का बयान कोझिकोड हवाई अड्डे से पकड़े गए तस्करों के संदर्भ में आया, जिनमें अधिकांश मुस्लिम समुदाय से थे। जलील ने एक मौलवी पर सोना तस्करी का आरोप लगाते हुए कहा कि वह हज यात्रा से लौटते समय कुरान में छिपाकर सोना लाया था, हालांकि उसके नाम का खुलासा नहीं किया गया है।

केरल में गोल्ड स्मगलिंग की घटनाएं पिछले कुछ वर्षों में बढ़ी हैं, खासकर मलप्पुरम जिले के कोझिकोड हवाई अड्डे से। राज्य के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पहले ही इस मुद्दे पर बात कर चुके हैं। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि आंकड़े बताते हैं कि मलप्पुरम जिले से भारी मात्रा में सोना और हवाला पैसे आ रहे हैं।

▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 77,940/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 92,580/-
(प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 21^0

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर चुनावों में एग्जिट पोल्स बुरी तरह फ्लॉप

कॉमेडी-शो बन कर रह गया एक्जिट पोल

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 और एग्जिट पोल्स को लेकर खूब खिल्लियां उड़ रही हैं। एग्जिट पोल्स की भविष्यवाणी और वास्तविक परिणामों के बड़े अंतर ने जनता को चौंकाया भी और एक्जिट पोल्स की साख पर भी संकट पैदा कर दिया है। एग्जिट पोल्स में हरियाणा में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिलता दिखाया गया था। जबकि चुनाव के वास्तविक नतीजों ने पोल्स को पूरी तरह गलत साबित कर दिया। एग्जिट पोल्स में भाजपा को काफी कमजोर दिखाया गया था, लेकिन नतीजे इससे एकदम विपरीत निकले। इसी तरह जम्मू-कश्मीर के चुनावों में त्रिशंकु विधानसभा की भविष्यवाणी की गई थी, लेकिन यहां भी एग्जिट पोल्स गलत ही साबित हुए।

इस बार, हरियाणा विधानसभा चुनाव में एग्जिट पोल्स ने साफ-साफ यह संकेत दिया था कि कांग्रेस राज्य में बड़े बहुमत से सरकार बनाएगी। अधिकांश पोल्स के अनुसार कांग्रेस को 50 से 60 सीटों का अनुमान था, जबकि भाजपा को

एग्जिट पोल 2024 | पोल ऑफ पोल्स

	भाजपा+	कांग्रेस+	अन्य
हरियाणा (13 एजेंसी का सर्वे)	26	57	7
कुल सीट : 90 | बहुमत : 46			
जम्मू-कश्मीर (10 एजेंसी का सर्वे)	भाजपा+	NC+कांग्रेस	PDP / अन्य
	28	41	10 / 11

मात्र 20-28 सीटें मिलने की संभावना जताई गई थी। कई एग्जिट पोल्स ने दावा किया था कि हरियाणा में भाजपा का प्रभाव कम हो चुका है और कांग्रेस एक दशक बाद सत्ता में वापसी करने जा रही है। यह अनुमान मतदान के बाद जनता की प्रतिक्रिया और जमीनी रिपोर्ट्स के आधार पर लगाए गए थे।

जब चुनाव परिणाम सामने आए, तो यह साफ हो गया कि एग्जिट पोल्स बुरी तरह और पूरी तरह गलत थे। भाजपा ने न सिर्फ चुनाव में जबरदस्त वापसी की, बल्कि कांग्रेस को कड़ी टक्कर दी। भाजपा ने खुद को मजबूत स्थिति में रखा और कई सीटों पर कब्जा किया। यह देखकर चुनाव विशेषज्ञ और राजनीतिक पंडित भी हैरान रह गए, क्योंकि एग्जिट पोल्स के मुकाबले वास्तविकता कुछ और ही थी। जम्मू-कश्मीर को लेकर भी एग्जिट पोल्स पूरी तरह से गलत साबित हुए। अधिकांश पोल्स ने जम्मू-कश्मीर में त्रिशंकु विधानसभा की संभावना जताई थी, जहां किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिल रहा था। नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस के गठबंधन को थोड़ी बढ़त दिखाई गई, लेकिन यह बढ़त निर्णायक नहीं मानी गई थी। भाजपा को भी कुछ सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया था, लेकिन किसी भी पार्टी के लिए पूर्ण बहुमत का दावा नहीं किया गया था।

▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिंदी दैनिक समाचार पत्र

प्रशिक्षण कार्यक्रम में नई समिति ने सीखे सफलता के मापदण्ड

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर की नई समिति का प्रशिक्षित कार्यक्रम शहर के एक होटल में आयोजित किया गया। गौतम देसरला एवं दिलीप जैन द्वारा लगभग चार घंटे तक चले इस प्रोग्राम में बारी बारी दोनों ने जीतो के बारे में महत्व-पूर्ण जानकारी से अवगत कराते हुए कहा कि जीतो का मुख्य कार्य जैन समाज को सेवा शिक्षा और आर्थिक सहयोग प्रदान करना है। यह संस्था बोर्ड ऑफ डायरेक्टर से लेकर स्थानीय चैप्टर तक की एक व्यवस्था के साथ पूरे विश्व में कार्यरत है। जहां गौतम ने नई टीम को बैठक में गरिमा को कैसे बनाए रखें, अपने विचारों को कैसे रख सकते हैं और वक्ता को सुनते

समय कौन-कौन सी बातों का ध्यान रखना चाहिए, के बारे में बताया तो दिलीप जैन ने बताया कि बैठक में मात्र मुद्दों की बात होनी चाहिए। विषय से कभी भी नहीं भटकना चाहिए। इसके पहले पूर्व चेयरमैन इंदरचंद बोहरा ने अपने विचार रखते हुए कहा कि विमल कटारिया के रूप में जीतो बेंगलूरु नार्थ चैप्टर को एक कोहिनूर हीरा मिला है, जो 2024-26 के कार्यकाल में जीतो को नया आयाम देगा। पूर्व महामंत्री सुधीर गादिया ने भी विचार व्यक्त किए। नवनिर्वाचित महामंत्री विजय सिंघवी ने कहा कि इंदरचंद बोहरा के कार्यकाल में नॉर्थ चैप्टर की नीव जो मजबूत हुई है, उसका लाभ नई टीम को मिल रहा है। भोजन के पश्चात नई समिति की पहली बोर्ड बैठक नवनिर्वाचित विमल कटारिया की अध्यक्षता में हुई, जिसमें विमल ने नई टीम में जोश का संचार करते हुए कहा पद मात्र एक व्यवस्था है। पूरी कमेटी के सुझाव एवं सहयोग से ही सभी कार्यक्रम सुचारू रूप से संपन्न होंगे। अक्टूबर में होने वाले कार्यक्रम पर गहन चर्चा हुई। कार्यक्रम के कन्वीनर दिनेश बाफना ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। को-कन्वीनर मदन मुणोत ने आभार ज्ञापित किया।

डीपीएच हाई स्कूल का वार्षिकोत्सव समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री हिंदी शिक्षण संघ द्वारा संचालित संस्था डीपीएच हाई (आईसीएससी माध्यम) स्कूल, जो विक्टोरिया रोड में स्थित है, का वार्षिकोत्सव समारोह मनाया गया।

कार्यक्रम का नाम प्रोग्रेसिव इंडिया रखा गया था। कार्यक्रम का प्रारंभ महामंत्री शांतिलाल चोपड़ा, कोषाध्यक्ष इंदरचंद भंसाली, संस्था के डायरेक्टर एवं सलाहकार अनिल भंसाली, प्राचार्य रेणुका तथा मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल अनूप नायर, प्राचार्य राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल, जयराम सचिव दि वैली स्कूल, नलिनी जयराम कला शिक्षिका तथा राज चंद्रन बांसुरी वादक के द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा वैदिक सभ्यता संस्कृति से लेकर आधुनिक विज्ञान के युग तक को दिखाया गया। महामंत्री शांतिलाल चोपड़ा ने कहा कि आज का विश्व जिस रफ्तार से बढ़ रहा है, मुझे भी उसी रफ्तार में बढ़ते जाना है। इसी लक्ष्य को लेकर हम शिक्षा को उच्च से उच्चतर बनाने का प्रयास कर रहे हैं एवं करते रहेंगे। हमारी संस्था नई शिक्षा पद्धति द्वारा बच्चों को शिक्षित कर रही है। कोषाध्यक्ष इंदरचंद भंसाली ने कहा कि शिक्षा मानव को विकसित करने का मूल है। सलाहकार अनिल भंसाली ने कहा कि हमें अपने बच्चों को सुसज्जित एवं सुसंस्कृत बनाना चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य उच्च से उच्चत्तर मानव का निर्माण करना है। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

केनरा बैंक क्षेत्रीय कार्यालय में हिन्दी दिवस का आयोजन

क्षेत्रीय भाषाओं को साथ लेकर हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा सकता है: विनय कुमार यादव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केनरा बैंक क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलूरु दक्षिण में हिन्दी दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस दौरान सभी ने हिन्दी की समृद्धि व महत्व को रेखांकित किया व हिन्दी में काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विनय कुमार यादव, प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष बिशप कॉटन कॉलेज व विशेष अतिथि ऋचा पाठक, रचनाकार व पूर्व सहायक प्रोफेसर वेंकटेश्वरा कॉलेज बेंगलूरु थे। कार्यक्रम की मुख्य संयोजिका डॉ. लीना ज्ञानवानी, राजभाषा अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलूरु दक्षिण ने अतिथियों का स्वागत किया। इसके अलावा कार्यक्रम के अध्यक्ष व कार्यालय प्रमुख के काली (उप महाप्रबंधक), बृजेश कुमार पाठक (सहायक महाप्रबंधक) अन्य वरिष्ठ अधिकारी व सभी स्टॉफ सदस्य

उपस्थित थे। कार्यालय में हिन्दी पखवाड़ा 14 से 30 सितंबर 2024 तक मनाया गया। जिसमें डॉ. लीना ज्ञानवानी द्वारा अनेक प्रतियोगिताओं जैसे हिन्दी श्रुतिलेखन, हिन्दी स्मृति लेखन आदि का आयोजन किया गया। इस दौरान स्टॉफ सदस्यों ने सभी प्रतियोगिताओं में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया व हिन्दी के प्रति अपनी सूझबूझ का प्रदर्शन कर हिन्दी के प्रति अपनी सच्ची निष्ठा को व्यक्त किया।

विनय कुमार यादव ने कहा कि क्षेत्रीय भाषाओं को साथ लेकर हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा सकता है।

उन्होंने इतिहास के पन्नों से ऐसे महत्वपूर्ण किस्सों का भी जिक्र किया जिससे अंग्रेजी को भारत में अधिक महत्व मिला व हिन्दी का महत्व कम होता गया। उन्होंने हिन्दी व अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के प्रयोग करने पर बल दिया। विजेताओं को प्रमाण पत्र व उपहार देकर सम्मानित किया गया।

उपाध्याय पुष्करमुनि का 115वां जन्मोत्सव मनाया

जप और ध्यान साधना के शिखर पुरुष थे उपाध्याय पुष्करमुनि: डॉ. वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्व-ावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में उपाध्याय पुष्करमुनि के 115वें जन्मोत्सव पर डॉ. वरुणमुनि ने उनका गुण-गान करते हुए कहा कि राष्ट्रसंत पुष्करमुनि ने पुरुषार्थ के माध्यम से ही ज्ञान और साधना के क्षेत्र में उच्च स्थान प्राप्त किया। त्याग, वैराग्य का पथिक बन 14 वर्ष की लघु आयु में संत ताराचंद महाराज के चरणों में जैन दीक्षा अंगीकार कर ली। ज्ञानार्जन करने के पश्चात् वे अपने ज्ञान की पुनरावृत्ति भी नियमित रूप से करते रहते थे। इसके लिए नियमित स्वाध्याय, प्रवचन, लेखन और गायन करते रहते थे। उनके एक प्रमुख शिष्यरत्न देवेंद्रमुनि आचार्य पद पर

पदासीन किये गये। उनके जीवन में विवेक और विनय का संगम था। वे तप और ध्यान साधना में इतना आगे बढ़े कि अनेक सिद्धियों को प्राप्त कर लिया। उनका जीवन शांत सरल और निर्मल था। वे साधना का मंगल कलश थे। उनका नारा था अखंड रहे संघ हमारा। उनका अनुशासन था कभी एक दूसरे की आलोचना नहीं करना। आपके अथक परिश्रम से स्थानकवासी जैन सम्प्रदायों के अनेक आचार्यों, संघ प्रमुखों ने श्रमण संघ की एकता के लिये एक स्वर में समर्थन किया और अपने-अपने पदों का विसर्जन भी कर दिया। अंतत: श्रमण संघ का गठन हुआ। सभी लोग आपकी प्रकृष्ट प्रतिभा को देखकर विस्मित थे। आपके विशेष प्रयासों से आचार्य पद प्रदान करने का समारोह उल्लास पूर्वक संपन्न हो पाया। कम आयु के होने के बावजूद आपको शिक्षा मंत्री का उत्तरदायित्व सौंपा गया था। सन् 1976 में रायचूर में संवत्सरी महापर्व के दिन आपको उपाध्याय प्रवर के पद से विभूषित किया गया।

आपको भारत सरकार के राष्ट्रपति ज्ञानी जेलसिंह के द्वारा 74वें जन्मदिवस पर विश्वसंत की उपाधि से विभूषित किया गया जो कि स्थानकवासी जैन समाज और श्रमण संघ के लिए बड़े ही गौरव की बात है। उपाध्याय श्री ने संयमी जीवन में जप और ध्यान साधना को विशेष स्थान दिया। उनके जीवन में अनेक प्रकार के अतिशय घटित हुए। उपाध्याय पुष्करमुनि, अनेक वर्षों से 12 बजे के समय ध्यान साधना के पश्चात् मांगलिक फरमाया करते थे। उनकी मांगलिक से अनेक भव्य प्राणियों के कष्ट दूर हुए। इस अवसर पर गुरु ज्येष्ठ पुष्कर ट्रस्ट के महामंत्री महावीर मेहता ने अपने विचार रखे। रुपेशमुनि ने गुर आरती व लोगस्स मंत्र का जाप करवाया। अंत में मंगलपाठ पंकजमुनि ने प्रदान किया। युवा अध्यक्ष धीरज नाहर ने आभार ज्ञापित किया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विजयनगर कॉलोनी स्थित दंडी मारम्मा देवालय में नवरात्रि के उपलक्ष में आयोजित दुर्गा पूजा महोत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व पार्षद रविंद्र एवं विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां की पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया। साथ ही अन्नदान कार्यक्रम में सेवाएं दी। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया।

माता की चौकी का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक मारवाड़ी समाज महिला मंडल विंग द्वारा शारदीय नवरात्रि पर जयनगर स्थित एक होटल के हॉल में माता की चौकी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी भक्तों ने भक्ति और उत्साह के साथ झूम कर आनन्द लिया। महिला विंग की सदस्यों ने मीठे मीठे भजनों की प्रस्तुति से समा बांध दिया। विशेष रूप से बच्चों द्वारा नव दुर्गा की झांकी प्रस्तुत की गई। वंदना

तुलस्यान ने अपने मधुर भजनों और गीतों से माहौल भक्तिमय बना दिया। उपस्थित भक्तों ने डांडिया का भी आनंद उठाया। अध्यक्ष कांता बंका ने आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। आरती के साथ भक्ति कार्यक्रम का समापन हुआ।

हनुमंतनगर तेयुप ने नेत्रदान जागरूकता अभियान के तहत निकाली रैली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद् की ओर से तेरापंथ भवन हनुमंतनगर में आयोजित नेत्रदान जागरूकता अभियान में राष्ट्रीय अध्यक्ष रमेश डागा ने कहा कि अभातेयुप द्वारा नेत्रदान के क्षेत्र में पूरे भारत और नेपाल में अपनी 363 शाखा परिषदों के माध्यम से गत वर्ष 3800 से भी ज्यादा लोगों का मृत्युपरांत नेत्रदान करवाया जा चुका है। एक व्यक्ति के नेत्रदान से दो अंधकारमय जीवन रोशन होते हैं। अभातेयुप के महामंत्री अमित नाहटा ने इस अभियान में स्थानीय शाखा परिषद् की जागरूकता व परिवारजन की उत्कृष्ट भावना के प्रति साधुवाद प्रकट किया और लोगों को अभातेयुप के इस अभियान में सहयोग का आह्वान किया। अभातेयुप के 60 साल पूरे होने पर नेत्रदान के क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया। अभातेयुप

उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने बताया कि पूरे देश और नेपाल की 363 शाखा परिषद् के माध्यम से लगातार 21 दिनों तक नेत्रदान पर विजन फॉर विजन लेस नामक अभियान चलाया गया। लगभग 18000 से अधिक लोगों ने मरणोरांत नेत्रदान की भावना जताते हुए संकल्प पत्र अपनी सहमति से भरे। इस महनीय कार्य में नेत्रदान के राष्ट्रीय प्रभारी सुनील दुगड़, सह प्रभारी कमलेश भंसाली, कोमल डागा, कैलाश जैन और उनकी टीम पूरे देश और नेपाल की शाखाओं से संपर्क कर इस कार्य को गति प्रदान कर रही है। कार्यक्रम की शुरुआत सामुहिक नवकार मंत्र के मंगल-ाचरण द्वारा हुई। महाश्रमण सुर संगम के सदस्यों द्वारा विजयगीत का संगान किया गया। श्रावक निष्ठापत्र का वाचन पवन मांडोत द्वारा किया गया। अध्यक्ष कमलेश झाबक ने सभी का स्वागत करते हुए नेत्रदान से जुड़ी कई भ्रांतियों के बारे में बताया। नेत्रदान किसी भी उम्र के व्यक्ति का हो सकता है। मृत्युपरांत छह से आठ घंटे के भीतर आई बैंक की मदद से ये कार्य संपादित करवाना होता है। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन ने विचार व्यक्त करते हुए कहा की विश्व में अगर ब्लाइंड कैपिटल कोई है तो वो है भारत और लगभग 40 लाख लोगों को दृष्टि की जरुरत है। भारत को इस अंधकार से मुक्त करने के लिये सरकार द्वारा आयोजित नेत्रदान पखवाड़े को अपने षष्टिपूर्ति वर्ष के आयोजन में समाहित करते हुए नेत्रदान आयाम के अन्तर्गत विजन फॉर विजनलेस कार्यक्रम के माध्यम से देश भर में व्यापक और वृहद् स्तर पर नेत्रदान संकल्प पत्र और जागृति अभियान चलाया जा रहा है। अभातेयुप प्रबुद्ध विचारक दिनेश पोखरना एवं सभा अध्यक्ष गौतम दक ने नेत्रदान के बारे में अपने विचार व्यक्त किये। ततपश्चात भवन से लगभग 2 किमी नेत्रदान जागरूकता पैदल रैली का आयोजन किया। मुख्य अतिथि बसवनगुड़ी विधायक एल ए रवि सुब्रमण्यम के नेतृत्व में आचार्य तुलसी डाइग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केअर श्रीनिवास नगर से नेत्रदान जागरूकता बाइक रैली का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में अभातेयुप से अमित दक, गौतम खाब्या, कमलेश गन्ना, प्रदीप चोपड़ा, प्रसन्न धोका, सभा मंत्री हेमराज मांडोत, सभा परामर्शक रोशन मांडोत, सुभाष बोहरा, महिला मंडल मंत्री मीनाक्षी देरासरिया, मंजु दक, रेखा पोरवाड़, लता देरासरिया, परिषद परामर्शक प्रकाश बोल्या आदि लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का सफल संचालन मंत्री संदीप चौधरी ने किया। आभार सज्जनराज कटारिया ने ज्ञापित किया।

नि:शुल्क मधुमेह एवं रक्तचाप परीक्षण शिविर आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तेरापंथ युवक परिषद राज-ाजीनगर एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संयुक्त तत्वावधान में आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर श्रीरामपुरम के अंतर्गत नि:शुल्क मधुमेह एवं रक्तचाप परीक्षण शिविर का आयोजन ओक्लीपुरम स्थित डॉ.बी.आर अम्बेडकर सभागार में किया गया। शिविर की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुई। सभी सदस्यों का रैंडम ब्लड शुगर लेवल ग्लूकोमीटर के माध्यम से एवं रक्त चाप परीक्षण किया गया। शिविर में कुल 34 लोग लाभान्वित हुए। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोरड़िया ने स्थानीय लोगों से वार्तालाप करते हुए सभी को एटीडीसी श्रीरामपुरम द्वारा प्रदत्त विभिन्न चिकित्सा संबंधित

सेवाएं, डॉक्टरों की उपलब्धता एवं अन्य जानकारी से अवगत करवाया। आरएसएस के सदस्यों ने परिषद परिवार को धन्यवाद व्यक्त करते हुए आगे भी साथ मिलकर काम करने हेतु निवेदन किया। शिविर में एटीडीसी स्टाफ स्मिता एवं श्यामला का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। तेयुप परिवार से राजेश देरासरिया, हरीश पोरवाड़ एवं रवि चौधरी ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

हरियाणा प्रदेश में भाजपा की हैट्रिक उपलब्धि: विजयेन्द्र

महाराष्ट्र राज्य चुनावों पर पड़ेगा सकारात्मक प्रभाव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई.विजयेंद्र ने कहा कि हरियाणा राज्य में भाजपा सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता में आ रही है।

उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि भाजपा ने वहां हैट्रिक हासिल की है। मल्लेश्वरम में भाजपा के प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हरियाणा में बहुत सारी साजिशें रची हैं। उन्होंने इस बात की सराहना की कि हरियाणा के लोगों ने एक बार फिर कांग्रेस की गारंटी के बजाय नरेंद्र मोदी की विकास की गारंटी के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है, चाहे कांग्रेस पार्टी कुछ भी करे।

भाजपा का स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में आना हम सभी के लिए खुशी लेकर आया है। समझदार लोगों ने मोदी के नेतृत्व को और भी मजबूत किया है। जम्मू-कश्मीर में भी भाजपा ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने विश्वास जताया कि हरियाणा के नतीजों का आगामी महाराष्ट्र राज्य चुनावों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि वहां भी भाजपा गठबंधन की जीत होगी। सिद्धरामैया सरकार ने कर्नाटक में सत्ता में आने के लिए गारंटी का इस्तेमाल किया और अब गारंटी को रद्दी कर दिया गया है।

हरियाणा चुनाव में कई मुद्दे उठाए गए हैं। अहिंदा के नाम पर सत्ता संभालने वाली कांग्रेस सरकार ने आज वाल्मीकि निगम घोटाला, मुडा घोटाला कर उन समुदायों के साथ अन्याय किया है। भाजपा ने भी इस मुद्दे को वहां खूब प्रचारित किया। उन्होंने इस सवाल के जवाब में कहा कि कांग्रेस की डोंगी राजनीति, कांग्रेसी क्या कहते हैं और क्या करते हैं- इन सब पर वहां चुनाव के दौरान चर्चा होती थी। पूर्व में बीएस येदियुरप्पा और बसवराज बोम्मई ने मुख्यमंत्री रहते हुए आरक्षण को लेकर फैसला लिया था। वर्गीकरण को लेकर निर्णय लिया गया।

उन्होंने इन मुद्दों पर चर्चा की और आंतरिक आरक्षण के मुद्दे पर सभी से चर्चा की और मांग की कि राज्य की कांग्रेस सरकार को पिछली बोम्मई सरकार द्वारा केंद्र को दी गई सिफारिशों को उचित रूप से लागू करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रतिनिधिमंडल जल्द ही मुख्यमंत्री से मुलाकात करेगा और बोम्मई सरकार की सिफारिश को उचित तरीके से लागू करने की मांग करेगा।

कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन का सवाल ही नहीं उठता: सतीश जारकीहोली

मैं अगला मुख्यमंत्री हूं

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मंत्री और मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के करीबी सहयोगी सतीश जारकीहोली ने मंगलवार को कहा कि राज्य में नेतृत्व परिवर्तन का सवाल ही नहीं उठता। यहां पत्रकारों से बातचीत में मंत्री सतीश ने कहा सिद्धरामैया हमारे मुख्यमंत्री हैं। मैं मंत्री के तौर पर उनके अधीन काम करना जारी रखूंगा। कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन का सवाल ही नहीं उठता। इस बारे में कोई चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने कहा मेरे समर्थक और प्रशंसक मेरे पक्ष में नारे लगाते हैं, क्योंकि मैं अगला मुख्यमंत्री हूं। मैंने इस बारे में कई बार स्पष्टीकरण दिया है। मैं उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और अन्य के बारे में नहीं जानता। उन्होंने आगे कहा कि आलाकमान से यह स्पष्ट करने के लिए कहा जाना चाहिए कि क्या सीएम सिद्धरामैया तीन या पांच साल के लिए सत्ता में रहेंगे। सामाजिक कल्याण मंत्री एच.सी. महादेवप्पा के साथ अपनी बैठक के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि वे राजनीति और दशहरा उत्सव पर चर्चा करेंगे। उत्तर कर्नाटक के जननेताओं में से एक मंत्री सतीश मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) घोटाले के सिलसिले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद पार्टी के शीर्ष नेताओं से मिल रहे हैं।

सतीश ने गृह मंत्री जी. परमेश्वर और मंत्री महादेवप्पा जैसे अन्य प्रमुख और वरिष्ठ दलित नेताओं के साथ बैठकें की हैं। उन्होंने पहले भी कर्नाटक में सत्ता परिवर्तन की स्थिति में दलित मुख्यमंत्री की वकालत की थी। पिछले सप्ताह सतीश जारकीहोली ने नई दिल्ली में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की और सीएम सिद्धरामैया के खिलाफ लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा एफआईआर दर्ज किए जाने के बाद राज्य में हुए घटनाक्रम के बारे में उनके साथ 30 मिनट तक बंद कमरे में बैठक की। मंत्री सतीश जारकीहोली सीएम सिद्धरामैया के करीबी सहयोगी हैं और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार का विरोध करते हैं। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ जारकीहोली की बैठक ने राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाओं को हवा दे दी है। सूत्रों ने बताया कि जारकीहोली ने खड़गे के साथ इस बात पर चर्चा की कि अगर सिद्धरामैया को पद से इस्तीफा देने के लिए कहा जाता है तो दलित नेता के सीएम बनने की संभावना क्या है। फिलहाल सिद्धरामैया जोर देकर कह रहे हैं कि वे सीएम बने रहेंगे और उनके इस्तीफे का कोई सवाल ही नहीं है। हालांकि, हाईकमान और कांग्रेस नेता इस बात पर जोर दे रहे हैं कि वे सिद्धरामैया के साथ हैं। लेकिन यह अब कोई रहस्य नहीं है कि कांग्रेस पार्टी में सीएम पद के लिए लॉबिंग शुरू हो गई है।

स्थायी समितियों में विधायकों की नियुक्ति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा अध्यक्ष यूटी खादर ने तीन विधायकों को विधानसभा की तीन अलग-अलग स्थायी समितियों का सदस्य नियुक्त किया है। विधान सभा की सचिव एमके विशालाक्षी ने एक विज्ञप्ति में कहा विधायक चन्नारेड्डी पाटिल तुन्नूर, जो अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति के सदस्य थे, को स्थानीय निकाय और पंचायतराज निकायों की समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया है। विधायक श्रीनिवासैया एन., जो स्थानीय निकायों और पंचायतराज निकायों की समिति के सदस्य थे, को अध्यक्ष द्वारा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। शारंगौड़ा कंडाकुरा को महिला और बाल कल्याण समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

मुडा घोटाले ने हरियाणा में पार्टी की संभावनाओं को किया प्रभावित: कांग्रेस नेता

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष के.बी. कोलीवाड ने मंगलवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले ने हरियाणा में पार्टी की संभावनाओं को प्रभावित किया है। यहां मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए कोलीवाड ने कहा कि हरियाणा में चुनाव प्रचार के दौरान मुडा घोटाला एक बड़ा मुद्दा था, जिसने कांग्रेस को प्रभावित किया।

उन्होंने आगे कहा कि वे सीएम सिद्धरामैया से अपने पद से इस्तीफा देने का आग्रह करने वाले अपने पहले के बयान पर प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा मैं अपने उस बयान को वापस नहीं ले सकता कि सीएम सिद्धरामैया को इस्तीफा दे देना चाहिए और जांच का सामना करना चाहिए। मैंने यह बयान कांग्रेस पार्टी के हित में दिया था। कोलीवाड ने कहा अगर कांग्रेस प्रभावित होती है तो नोटिस जारी किया जाएगा। इस संबंध में मेरा बयान पार्टी के हित में था। मैं सक्रिय राजनीति में नहीं हूं। मैं पार्टी को बचाने की दिशा में काम करता हूं। एआईसीसी नेतृत्व मुझे चेतावनी क्यों देगा? मैं वरिष्ठ कांग्रेस नेता हूं। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मेरी मित्रता है।

मैंने अपनी राय दे दी है। पता नहीं जाति जनगणना पर कांताराजु आयोग की रिपोर्ट कैसे अवैज्ञानिक थी। किसी भी समुदाय के साथ अन्याय नहीं होगा और इसमें देरी की कोई वजह नहीं है। मैं जाति जनगणना रिपोर्ट के कार्यान्वयन का समर्थन करता हूं। जाति जनगणना के दौरान मैंने कई जगहों का दौरा किया। उन्होंने उप-जातियों का भी विस्तृत विवरण दिया है। 26 सितंबर को कर्नाटक कांग्रेस अनुशासन समिति के अध्यक्ष कोलीवाड ने कहा था कि पार्टी को शर्मिंदगी से बचाने के लिए मुख्यमंत्री को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। कोलीवाड ने कहा सिद्धरामैया ने जनहित के कार्यक्रम किए हैं और उन्हें 136 विधायकों का समर्थन प्राप्त है। फिर भी, मैं सिद्धरामैया से इस समय इस्तीफा देने और पार्टी की मदद करने की अपील करता हूं क्योंकि मुडा के कारण कांग्रेस को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ सकता है। सीएम सिद्धरामैया इस मामले में बेदाग निकलेंगे और फिर से सीएम बनेंगे। इसलिए, उन्हें पार्टी को शर्मिंदा नहीं करना चाहिए। सीएम को पद छोड़ना होगा और जांच का सामना करना होगा।

हम ईवीएम को दोष नहीं देते: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद सदस्य सीटी रवि ने कहा कि सभी को संवैधानिक सामाजिक न्याय प्रदान करने के उद्देश्य से जाति जनगणना का कार्यान्वयन आवश्यक है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय के दृष्टिकोण से जातीय जनगणना होनी चाहिए। कमजोरों को न्याय मिलना चाहिए, भाजपा ने न्याय देने की दृष्टि से आरक्षण को उचित ठहराया है। लेकिन कांग्रेस विखंडन की नीति अपना रही है। कांग्रेस का मकसद टूटना है। लेकिन भाजपा ऐसा नहीं होने देगी। जम्मू कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अगर नतीजे कांग्रेस के पक्ष में आएंगे तो जनता की तारीफ करेंगे और अगर उनके खिलाफ आएंगे तो ईवीएम की आलोचना करेंगे। भाजपा संविधान और लोकतंत्र में विश्वास रखने वाली पार्टी है। काफी सहयोग मिला है। उन्होंने कहा कि 68 फीसदी लोगों ने भाजपा को वोट दिया। जम्मू-कश्मीर में मतदाताओं ने इस बार बड़ी संख्या में मतदान किया है। उन्होंने दिखाया है कि हम भारतीयों के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा, यह भारत और लोकतंत्र की जीत है। हरियाणा में तीसरी बार हमने सत्ता में कब्जा करने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

देश भर में बदलाव की हवा बह रही: मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजस्व मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा ने कहा कि देश भर में बदलाव की हवा बह रही है और हरियाणा तथा जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के नतीजे इसके गवाह हैं। उन्होंने कहा कि उद्योगपतियों अंबानी और अडानी के पक्ष में सरकार को जाना होगा। बायरे गौड़ा ने मंगलवार को कित्तूर शहर में संवाददाताओं से कहा कि दोनों राज्यों में विधानसभा चुनाव के नतीजों से पता चलता है कि भाजपा वोट पाने के लिए भावनात्मक मुद्दों का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने भाजपा के पतन की भविष्यवाणी की। मुख्यमंत्री

सिद्धरामैया को बदलने की चर्चा के बारे में उन्होंने कहा कि आलाकमान स्तर पर ऐसी कोई चर्चा नहीं हुई है। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और एआईसीसी के संगठन सचिव के सी वेणुगोपाल ने स्पष्ट कर दिया है कि वे मुख्यमंत्री के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा अगर कोई व्यक्ति अपनी हैसियत से मुख्यमंत्री बनने का प्रयास कर रहा है, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। मैं छठी बार विधायक के रूप में चुना गया हूं और तीन बार मंत्री रहा हूं। मैं एकमात्र व्यक्ति हूं जिसने कृषि मंत्री के रूप में पांच साल का कार्यकाल पूरा किया है। राजस्व मंत्री के रूप में, मुझे काम पूरा करने के लिए समय की कमी महसूस हो रही थी। अधिकारी भी शिकायत कर रहे थे कि मेरे पदभार संभालने के बाद से उनका काम का बोझ बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि कित्तूर किले के जीर्णोद्धार के लिए 58 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और काम शुरू हो गया है।

केएसआरटीसी में इरावत क्लब क्लास 2.0 प्रकार की 20 बसें होंगी शामिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केएसआरटीसी इस महीने के अंत में इरावत क्लब क्लास 2.0 प्रकार की 20 बसों को बेड़े में शामिल करेगा। 2.0 इरावत क्लब क्लास बसों में यात्रियों की सुरक्षा पर अधिक जोर दिया गया है। यह शक्तिशाली हैलोजन हेडलाइट्स और डे रनिंग लाइट्स के साथ नए आलीशान अंदरूनी और बाहरी

स्कैंडिनेवियाई डिजाइन वाली एक लक्जरी बस है। परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी और निगम अध्यक्ष एसआर श्रीनिवास ने होसकोटे के पास वोल्वो बस विनिर्माण संयंत्र का दौरा किया और अत्याधुनिक सुविधाओं वाली बसों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने कहा कि इस महीने के अंत में संगठन में नई यात्री-अनुकूल क्लब क्लास बसें जोड़ी जाएंगी। एक बस की लागत 1.78 करोड़ रुपये है। निगम में कुल 443 लग्जरी बसें हैं। उन्होंने कहा कि नए डिजाइन के साथ और अधिक उन्नत तकनीक के आने से यात्रियों को बेहतर सेवा प्रदान की जाएगी। शक्तिशाली हैलोजन हेडलाइट्स और डीअ-रएल के साथ नया-ताजा आंतरिक भाग और बाहरी स्कैंडिनेवियाई डिजाइन ध्यान आकर्षित करेगा। वायुगतिकीय डिजाइन, बेहतर ईंधन दक्षता, नवीन प्रौद्योगिकी, तकनीकी रूप से उन्नत इंजन के साथ, केएमपीएल उत्कृष्ट प्रदर्शन और उन्नत इंजन प्रदान करता है। बस की कुल लंबाई में 3.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है क्योंकि यात्री सीटों के बीच की दूरी बढ़ गई है। इसमें सामान रखने की काफी जगह है, पहले की बसों की तुलना में यहां 20 फीसदी ज्यादा सामान रखने की सुविधा है। यह सबसे ज्यादा सामान रखने की जगह वाली पहली बस है। इस मौके पर निगम के उपाध्यक्ष मोहम्मद रिजवान नवाब, प्रबंध निदेशक वी.अनूप कुमार, निदेशक (कार्मिक सुरक्षा) डॉ. के. नंदिनी देवी, निगम के वरिष्ठ अधिकारी, वोल्वो कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री ने येदियुरप्पा के खिलाफ पॉक्सो मामले पर भाजपा के रुख पर उठाए सवाल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मंत्री दिनेश गुंडू राव ने मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री बी एस येदियुरप्पा के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के लिए भाजपा पर निशाना साधा, जिनके खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने पॉक्सो अधिनियम के तहत अपराध के आरोपों का हवाला देते हुए कोरियोग्राफर जानी मास्टर को दिए जाने वाले राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार को निलंबित करके एक सराहनीय काम किया है।

मंत्री ने कहा कि यौन उत्पीड़न या छेड़छाड़ के लिए जांच या पूछताछ के दायरे में आने वाले किसी भी व्यक्ति को सम्मानित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार

का यह एक अच्छा फैसला है। हालांकि, जब येदियुरप्पा की बात आई तो पार्टी ने वही पैमाना नहीं अपनाया।

हालांकि, मेरा सवाल बी एस येदियुरप्पा के बारे में है, जो पॉक्सो जांच का सामना कर रहे हैं। एक प्राथमिकी दर्ज की गई है, सीआईडी ने मामले की जांच की है, और अब मुकदमा शुरू होने वाला है। राव ने जानना चाहा कि भाजपा येदियुरप्पा के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है, खासकर 17 वर्षीय लड़की के यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप को देखते हुए?

मंत्री ने कहा कि येदियुरप्पा के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया है। भाजपा को जो न्यूनतम कार्रवाई करनी चाहिए थी, वह उन्हें केंद्रीय समिति में उनके पद से हटाना था। वे उन्हें क्यों रख रहे हैं? वे भ्रष्टाचार के लिए लोकायुक्त जांच का सामना कर रहे हैं और अब वे पॉक्सो मुकदमे का सामना कर रहे हैं। जब ऐसे गंभीर आरोप मौजूद हैं, खासकर महिलाओं से संबंधित, तो भाजपा असंगत तरीके से काम क्यों कर रही है? येदियुरप्पा भाजपा संसदीय बोर्ड और केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य हैं।

जाति जनगणना रिपोर्ट से योजनाएं बनाने में मिलेंगी मदद: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार द्वारा जाति जनगणना रिपोर्ट लागू करने का फैसला विपक्षी दलों के लिए मुश्किल हो गया है। जाति जनगणना रिपोर्ट से योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी। हम लोगों के सामने तथ्य पेश करेंगे। यहां अपने आवास के पास पत्रकारों से बात करते हुए जी. परमेश्वर ने कहा जब हमने जाति जनगणना रिपोर्ट नहीं लाई, तो उन्होंने हमारी आलोचना की और कहा कि हमने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया है। उन्होंने सवाल किया कि इतना पैसा क्यों खर्च किया गया और इसे क्यों बंद कर दिया गया। अब, जब हम कहते हैं कि हम इसे लोगों के लिए लागू कर रहे हैं, तो उनके लिए इसे पचाना मुश्किल हो गया है। यह सर्वविदित है कि राज्य में पिछड़े वर्ग, अल्पसंख्यक और दलित समुदायों की आबादी अधिक है। जाति जनगणना रिपोर्ट भविष्य के लिए कार्यक्रम बनाने में मदद करेगी। क्या समुदायों के लिए योजनाएं प्रदान करना आवश्यक नहीं है? परमेश्वर ने कहा जब सवाल उठता है कि किस आधार

पर योजनाएं दी जानी चाहिए, तो स्वाभाविक रूप से हमें इसे जनसंख्या के आधार पर देना होगा। इसके लिए जाति जनगणना रिपोर्ट जारी की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा है कि 18 अक्टूबर को कैबिनेट के समक्ष इस पर चर्चा की जाएगी। क्या उपसमिति बनाई जाएगी या इसे विधानसभा में ले जाया जाएगा, यह तय किया जाएगा। इसका समर्थन कौन करेगा, इसका सवाल ही नहीं उठता। हम लोगों के सामने तथ्य पेश करेंगे। वे कैसे कह सकते हैं कि हमें ऐसा नहीं करना चाहिए? हमने 160 करोड़ रुपये खर्च किए हैं और प्रत्येक समुदाय की जनसंख्या पता होनी चाहिए। परमेश्वर ने कहा कि केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय जनगणना कराने का फैसला किया था, लेकिन इसमें पहले ही देरी हो चुकी है। जब मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के नेतृत्व में मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की, तो उन्हें बताया गया कि जनगणना कराई जाएगी। कहा गया कि यह 2026 या 2027 में शुरू होगी और 2028 के चुनावों तक नतीजे सामने आएंगे। क्या तब भी वे इसका विरोध करेंगे? सरकार ने आधिकारिक तौर पर जाति जनगणना करवाई है। यह सिर्फ कुछ लोगों द्वारा नहीं की गई है। जनगणना हर दस साल में होनी चाहिए, लेकिन इसमें व्यवधान आ रहा है। अध्ययनों से पता चलता है कि हर दशक में जनसंख्या में 15 प्रतिशत की वृद्धि होती है। उन अध्ययनों के आधार पर ऐसा किया जा सकता है। मंत्री सतीश जारकीहोली के साथ बैठक के बारे में बात करते हुए परमेश्वर ने कहा जब चर्चा होती है तो क्या यह अच्छा नहीं होता? चाय पर चर्चा नामक एक कार्यक्रम होता है, है न? इसी तरह, यह कॉफी पर चर्चा है। अगर साथ बैठकर दो कप कॉफी पीने से कोई मुख्यमंत्री बन सकता है, तो ऐसी कई चर्चाएँ होतीं। बहुत सारी कॉफी पी जाती। सिर्फ बात करने से कुछ नहीं होता। हाईकमान सारे फैसले लेता है। अभी ऐसी स्थिति नहीं आई है। जब स्थिति आएगी, तो हम इस पर चर्चा कर सकते हैं, अपनी आवाज उठा सकते हैं और माँग कर सकते हैं। हम वही करेंगे जो जरूरी है। लेकिन अभी ऐसी स्थिति नहीं आई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री को इस्तीफा देने की कोई जरूरत नहीं है। बिटकॉइन मामले के बारे में उन्होंने कहा कि इस मामले में शुरू से ही शामिल डिप्टी एसपी श्रीधर पुजार जांच से बचते रहे। वे सुप्रीम कोर्ट भी गए, लेकिन उन्हें राहत नहीं मिली। इसलिए उन्होंने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। गारंटी योजनाओं के बारे में जी. परमेश्वर ने कहा कि हमने गारंटी योजन-ाओं पर व्यापक चर्चा की है और वित्तीय स्थितियों का अध्ययन किया है। राज्य की गारंटी योजनाएं गरीबी रेखा से नीचे रहने वालों के उत्थान के उद्देश्य से लागू की गई थीं।

लोग किसका समर्थन करते हैं

शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने इन योजनाओं की आलोचना की थी। राज्य में जेडी(एस) और केंद्र में भाजपा नेताओं ने भी इसकी आलोचना की थी। अब यह स्पष्ट है कि लोग किसका समर्थन करते हैं। जब कोई चीज लोगों को लाभ पहुंचाती है, तो वे उस पार्टी के साथ खड़े होते हैं। हमारा लक्ष्य लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाना है। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा हमने गारंटी योजनाओं को कभी राजनीतिक नहीं कहा। न ही हमने कहा कि हम उन्हें वोट बैंक में बदल देंगे। भाजपा नेताओं को अब एहसास हो गया है कि ये गारंटी योजनाएं फायदेमंद हैं।

हरियाणा के मतदाताओं ने कांग्रेस की जाति की राजनीति को नकारा: बोम्मई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने मंगलवार को कहा कि हरियाणा में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि देश की राजनीति किस दिशा में जा रही है। यहां भाजपा कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में पार्टी को स्पष्ट बहुमत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और पार्टी के स्थानीय संगठन की मजबूती के कारण मिला है। लोकसभा चुनाव के बाद यह पहला चुनाव है और राष्ट्रीय राजधानी के नजदीक हरियाणा में आए नतीजे राष्ट्रीय राजनीति की दिशा को दर्शाते हैं। हरियाणा के लोगों ने कांग्रेस की जाति आधारित राजनीति को नकार दिया है। कांग्रेस ने भाजपा को संविधान विरोधी के रूप में चित्रित करने की कोशिश की, लेकिन लोगों ने सबका साथ, सबका विकास, एक मजबूत भारत और अमृत काल के विचार का समर्थन किया। महाराष्ट्र में भी इसी तरह के परिणाम देखने को मिलेंगे। जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव परिणामों के बारे में बोम्मई ने कहा कि भाजपा को घाटी के बाहर भी समर्थन मिला है। उन्होंने कहा राजनीति अभी भी जारी है और यह अंत नहीं है। अगर कांग्रेस हरियाणा में अपनी हार को गरिमा के साथ स्वीकार करती है, तो हम उसका सम्मान करेंगे। हालांकि, अगर वे बहाने बनाते हैं, तो हम उसी के अनुसार जवाब देंगे। जाति जनगणना और आंतरिक आरक्षण पर भाजपा के रुख के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए बोम्मई ने कहा आंतरिक आरक्षण पर हमारा रुख स्पष्ट है। हमने सभी के लिए न्याय की सिफारिश की है। कांग्रेस दोहरा खेल खेल रही है। शुरू में, उन्होंने यह कहकर देरी की रणनीति अपनाई कि वे संविधान संशोधन के बाद ही कार्रवाई करेंगे। अब, सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद, वे दावा करते हैं कि वे इस पर आगे चर्चा करेंगे। उन्हें दलितों और पिछड़े वर्गों के विकास में कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने जाति जनगणना पर कांग्रेस के रुख की भी आलोचना की और कहा कि पार्टी ने दावा किया है कि उन्होंने पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा के साथ मिलकर जाति जनगणना रिपोर्ट को खारिज कर दिया था। कांताराजु ने सीएम सिद्धरामैया के कार्यकाल के दौरान 2017 में रिपोर्ट पेश की थी। अगर वे पिछड़े वर्गों के चैंपियन हैं, तो उन्होंने इसे तब क्यों स्वीकार नहीं किया? कांताराजु ने एक अध्ययन किया और रिपोर्ट तैयार की। पिछड़ा वर्ग आयोग के मौजूदा अध्यक्ष के. जयप्रकाश हेगड़े ने रिपोर्ट में संशोधन करने के लिए जिला आयुक्तों से जानकारी एकत्र की। जाति जनगणना पर भाजपा का रुख स्पष्ट है। पिछड़े वर्गों का विकास जरूरी है। यह मुद्दा भ्रम का स्रोत नहीं बनना चाहिए, न ही इससे समाज में कलह पैदा होनी चाहिए।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई भाजपा सदस्यता अभियान के तहत मंगलवार को कर्नाटक राज्य भारतीय जनता युवा मोर्चा की टीम ने होसपेट का दौरा किया। होसपेट में पूर्व राष्ट्रीय रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य बाबूलाल जैन के घर पर युवा मोर्चा कर्नाटक के महासचिव संदीप रवि का स्वागत कर्नाटक (राजस्थान) भाजपा प्रवासी प्रकोष्ठ के सह संयोजक भरत जैन ने किया। सदस्यता अभियान को होसपेट शहर में किस तरह बढ़ाई जाए और प्रवासी सदस्यों को कैसे जोड़ा जाए पर भरत जैन से चर्चा हुई। इस मौके पर कर्नाटक राज्य भाजपा युवा मोर्चा के उपाध्यक्ष एम. श्याम, अशोक जीरे, होस-पेट जैन समाज के महासचिव महेंद्र जैन, आनंद जैन, रघु, अरिहंत, गिरीश, सुभाष आदि लोग उपस्थित थे।*

राज्य में टमाटर के दाम छू रहे आसमान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेमौसम बारिश के कारण टमाटर की फसल को भारी नुकसान हुआ है, इसलिए बाजार में टमाटर की आपूर्ति भी कम हो गई है। इसके चलते कर्नाटक समेत कई राज्यों में टमाटर की कीमत बढ़ गई है। बाजार में टमाटर की मांग ज्यादा है और सप्लाई कम है।

इसके चलते कुछ राज्यों में टमाटर की कीमत 100 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। इसलिए लगातार बढ़ती कीमतों पर काबू पाने के लिए सरकार ने टमाटर 65 रुपये प्रति किलो बेचने का फैसला किया है।

दिल्ली और उसके आसपास

भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ (एनसीसीएफ), नेफेड और खुदरा दुकानों के माध्यम से एक किलो टमाटर 65 रुपये में बेचा जा रहा है। इसके अलावा मोबाइल वैन के जरिए भी टमाटर बेचे जा रहे हैं। सरकार के मुताबिक अक्टूबर में टमाटर की कीमतें 39 फीसदी बढ़ीं। पिछले महीने औसत कीमत 44 रुपये से बढ़कर 62 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, थोक बाजार में टमाटर की कीमत 3562 रुपये से बढ़कर 5045 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, सब्जी थाली की कीमत में भारी उछाल आया है। सब्जी थाली की कीमत में 11 फीसदी का इजाफा हुआ है। इसकी वजह सब्जियों की कीमत में बढ़ोतरी है। हालांकि, मांसाहारी थाली की कीमत 2 प्रतिशत कम हो गई है। आंध्र प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़ में टमाटर की फसल खराब हो गई थी और कर्नाटक में पिछले साल उत्पादन अधिक हुआ था। इस बार कई इलाकों में टमाटर की फसलें बीमारियों की चपेट में आ गई हैं। इसके चलते सप्लाई भी कम हो गई है। बारिश के कारण परिवहन भी महंगा होता है और बारिश के मौसम में सब्जियों के दाम बढ़ने का कारण भी यही है।

केएसआरटीसी बस दुर्घटना में एक की मौत, कई घायल

कोझिकोड/शुभ लाभ ब्यूरो।

करीब 50 यात्रियों को ले जा रही केएसआरटीसी की बस मंगलवार को यहां थिरुवंबाडी के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें एक महिला की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि बस सड़क किनारे एक पत्थर की दीवार से टकरा गई और पास की एक नदी में पलट गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना दोपहर करीब 2 बजे हुई। सभी घायलों को पास के अस्प-तालों में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना स्थल के दृश्यों के अनुसार, बस नदी के किनारे पलटी हुई थी और उसका अगला हिस्सा पानी में था।

कृष्णगिरी आने वाले श्रद्धालु सौभाग्यशाली

मां की भक्ति के साथ संतश्री वसंत विजय का आशीर्वाद भी प्राप्त कर रहे : राज्यपाल

कृष्णगिरी/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्रीपार्श्व पद्मावती शक्तिपीठ तीर्थ धाम में शक्तिपीठ अधिपति राष्ट्रसंत डॉ. श्री वसंत विजय जी की पावन निश्रा में भारत की दिव्यतम 10 दिवसीय नवरात्रि पर्व विशेष कृष्णगिरी शक्ति महोत्सव के भव्य आयोजन में मंगलवार को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने शिरकत कर पूज्यश्री का आशीर्वाद लिया। इस दौरान राज्यपाल गहलोत ने राजभवन कर्नाटक की ओर से सिद्ध साधक संत पूज्य गुरुदेव का सम्मान भी किया।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि नवरात्रि ना केवल धार्मिक आस्था का पर्व है, बल्कि यह हमें आत्म संयम, भक्ति और आत्म शुद्धि का संदेश भी देता है। देवी दुर्गा की आराधना और उनकी शक्ति के विभिन्न रूपों का उल्लेख दुर्गा सप्तशती, देवी भागवत और मार्कंडेय पुराण जैसे ग्रंथों में मिलता है। उन्होंने कहा कि देश और दुनियाभर से विश्व विख्यात स्वर्ग तुल्य सजे कृष्णगिरी तीर्थधाम आने वाले श्रद्धालु भक्तजन परम सौभाग्यशाली है, जो 21 रूपों में विराजित मां पद्मावा-

तीजी की भक्तिमय आराधना के साथ-साथ सिद्ध साधक संतश्री वसंत विजय जी का आशीर्वाद भी प्राप्त कर रहे हैं। निश्चित ही यह अवसर एवं पर्व आत्मशुद्धि एवं नव ऊर्जा को प्राप्त करने का है। राज्यपाल गहलोत ने कहा कि विश्व शांति एवं विश्व कल्याण के मार्ग पर अग्रसर जन जन की आस्था एवं हृदय में बसे श्री वसंत विजय जी जैसे बिरले संत देश और दुनिया में धर्म पताका फहरा रहे हैं। शक्तिपीठ तीर्थ धाम ट्रस्ट द्वारा मासिक पुस्तक कृपा प्रसाद के नवरात्रि, दीपावली अंक का विमोचन भी राज्यपाल ने अपने कर कमलों से किया। इस मौके पर नई दिल्ली के डॉ. विकास एवं डॉ सुनीता भी मौजूद रहे। इससे पूर्व पूज्य गुरुदेव डॉ वसंत विजय जी ने षष्ठी तिथि अर्थात 6 के अंक को शुक्र ग्रह का बताते हुए कहा कि शुक्र की अधिदेव महालक्ष्मीजी है। जो धन, सुख, वैभव प्रदान करता है। देवी भागवत में कात्यायन ऋषि की तपस्या से प्रसन्न होकर दुर्गा के छठे अवतार के रूप में अवतरित हुई मां कात्यायनी ऋषि कात्यायन की पुत्री थी। देवी भागवत के मुताबिक कात्यायन ऋषि की तपस्या से प्रसन्न होकर प्रकट हुई भगवती से वरदान में जब मां को ही मांगा तो उनकी पुत्री रूप में देवी कात्यायनी ने जन्म लिया। बृजमंडल की अधिष्ठायिका कात्यायनी देवी की पूजा कर गोपियों ने श्रीकृष्ण को प्राप्त किया था। गुरुभक्त के रूप में आए राज्यपाल थावरचंद गहलोत का जिक्र करते हुए राष्ट्रसंत ने कहा कि कोई भी व्यक्ति वस्त्र एवं दिखावे से नहीं, बल्कि अपनी जीवन शैली से महान बनता है। मृदु व्यवहार, सादगी परक, बेदाग छवि के धनी गहलोत इसका सटीक उदाहरण है। इस दौरान राज्यपाल का जहां स्वागत एवं सम्मान ट्रस्ट के डॉ संकेश छाजेड़, सागरमल जैन, रितेश नाहर आदि ने साफा, माल्यार्पण, चुनरी ओढ़ाकर व मेमेंटो भेंटकर किया, वहीं राजभवन कर्नाटक की ओर से राज्यपाल गहलोत ने भी विश्व शान्तिदूत वसंत विजय जी का माल्यार्पण कर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया तथा आशिर्वाद प्राप्त किया।

वाल्मीकि समाज ने

सतीश जारकीहोली को अगले मुख्यमंत्री के रूप में किया स्वीकार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिला वाल्मीकि समाज ने बेलगावी में मंत्री सतीश जारकीहोली को अगले मुख्यमंत्री के रूप में स्वीकार करने के लिए एक प्रस्ताव स्वीकार किया। समाज ने जिला सामुदायिक सम्मेलन का आयोजन किया और वाल्मीकि बेदार नायक समुदाय के मेधावी छात्रों को सम्मानित करने के लिए एक कार्यक्रम भी आयोजित किया।

समाज की जिला इकाई के अध्यक्ष राजशेखर तलवार ने बताया कि इस तरह का प्रस्ताव पारित किया गया। इससे पहले लोक निर्माण मंत्री के पक्ष में नारे लगाए गए।

महाराष्ट्र के एक समुदाय के नेता वसंतराव पवार ने कहा कि अब समय आ गया है कि सतीश जारकीहोली जैसे समुदाय के नेता मुख्यमंत्री बनें।

उन्होंने कहा वे सिर्फ हमारे नेता नहीं हैं। वे सभी पिछड़े वर्गों और वंचित समुदायों के नेता हैं। अब समय आ गया है कि वे मुख्यमंत्री बनें। मुझे लगता है कि हम सभी को जल्द ही अच्छी खबर मिलेगी।

संदिग्ध फूड पॉइजनिंग से बच्चे की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

संदिग्ध फूड पॉइजनिंग से पाँच वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। हालाँकि बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन इलाज के बावजूद उसकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ। अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज करने वाली के.पी. अग्रहारा पुलिस के अनुसार, धीरज नाम के लड़के ने 2 अक्टूबर को महालया अमावस्या के अवसर पर पका हुआ खाना खाया था। लड़के ने फूड डिलीवरी ऐप के जरिए ऑर्डर किया गया केक भी खाया था। पुलिस ने कहा कि बच्चे के माता-पिता, जिनकी पहचान बलराजू और नागलक्ष्मी के रूप में हुई है, ने भी वही खाना खाया और वे भी बीमार पड़ गए। ठीक होने से पहले माता-पिता आईसीयू में थे। पुलिस ने कहा कि परिवार ने अपने रिश्तेदारों के साथ जो केक खाया, वह कैंसल किया हुआ ऑर्डर था। पता चला है कि डिलीवरी पार्टनर के तौर पर काम करने वाले बच्चे के पिता बलराजू ने ग्राहक द्वारा ऑर्डर कैंसल किए जाने के बाद केक घर ले आए। पुलिस ने कहा कि जिस परिवार ने वही केक खाया, वह बीमार नहीं पड़ा, लेकिन जिस परिवार ने अमावस्या के दौरान पका हुआ खाना खाया, वह फूड पॉइजनिंग से पीड़ित हो गया। पुलिस ने बताया कि उन्होंने परीक्षण के लिए केक और अमावस्या पर बने भोजन के नमूने एकत्र कर लिए हैं।

तेल रिसाव के कारण कई दोपहिया वाहन फिसले

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के बस स्टैंड के पास एक अज्ञात वाहन से तेल सड़क पर रिसने के बाद कई दोपहिया वाहन फिसल गए, जिससे सवारों को मामूली चोटें आईं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि फिसलन भरी सड़क के कारण सात से आठ दोपहिया वाहन सवार गिर गए। अग्निशमन सेवा कर्मियों को तुरंत सूचित किया गया और सड़क से तेल को साफ करने के लिए पानी का छिड़काव किया गया, ताकि यह यातायात के लिए सुरक्षित हो। यह अभियान अग्निशमन विभाग के पद्मनाभ कंचन, दिवाकर और अरुण द्वारा सामाजिक कार्यकर्ता नित्यानंद ओलाकाडु के सहयोग से चलाया गया। तेल रिसाव का स्रोत और इसके लिए जिम्मेदार वाहन अज्ञात है। शिरीबीडु जंक्शन से कलसांका तक के मार्ग पर तेल रिसाव देखा गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस से दुर्घटना में शामिल वाहन की पहचान करने के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच करने का आग्रह किया है।

फिल्में हमारे समाज की कलात्मक भावना को दर्शाती हैं: द्रौपदी मुर्मु

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि फिल्में हमारे समाज की कलात्मक भावना को दर्शाती हैं। 70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में विभिन्न भाषाओं में निर्मित सर्वश्रेष्ठ भारतीय फिल्मों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सम्मानित किया।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि हमारी फिल्में हमारे समाज की कलात्मक भावना को दर्शाती हैं। जीवन बदल रहा है। कला के मानक बदल रहे हैं। नयी आकांक्षाएं पैदा हो रही हैं। नयी समस्याएं सामने आ रही हैं। नयी जागरूकता बढ़ रही है। इन सभी परिवर्तनों के बीच, प्रेम, करुणा और सेवा के अपरिवर्तनीय मूल्य अभी भी हमारे व्यक्तिगत और सामूहिक जीवन को सार्थक बना रहे हैं। हम इन सभी मूल्यों को आज पुरस्कृत फिल्मों में देख सकते हैं।

श्रीमती मुर्मू ने कहा कि भारतीय सिनेमा दुनिया का सबसे बड़ा फिल्म उद्योग है, जिसमें कई भाषाओं और देश के सभी क्षेत्रों में फिल्में बनाई जाती हैं। यह सबसे विविध कला भी है। उन्होंने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी और फिल्म उद्योग से जुड़े लोगों की सराहना की। राष्ट्रपति ने मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्राप्त करने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि लगभग पांच दशकों की अपनी कलात्मक यात्रा में मिथुन जी ने न केवल गंभीर किरदारों को पर्दे पर उतारा है, बल्कि अपनी अनूठी ऊर्जा के साथ कई साधारण कहानियों को भी सफलतापूर्वक चित्रित किया है।

श्रीमती मुर्मू ने कहा कि पुरस्कृत फिल्मों की भाषाएं और पृष्ठभूमि भले ही अलग-अलग हों, लेकिन वे सभी भारत का प्रतिबिंब हैं। ये फिल्में भारतीय समाज के अनुभवों का खजाना हैं। भारतीय परंपराएं और उनकी विविधता इन फिल्मों में जीवंत हो उठती हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि समाज में बदलाव लाने के लिये फिल्में और सोशल मीडिया सबसे सशक्त माध्यम हैं। इन माध्यमों का लोगों में जागरूकता पैदा करने में किसी भी अन्य माध्यम से अधिक प्रभाव है। उन्होंने कहा कि आज वितरित किए गए 85 से अधिक पुरस्कारों में से केवल 15 पुरस्कार महिलाओं को मिले हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म उद्योग महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की दिशा में और अधिक प्रयास कर सकता है। राष्ट्रपति ने कहा कि सार्थक फिल्मों को अक्सर दर्शक नहीं मिलते। उन्होंने जागरूक नागरिकों, सामाजिक संगठनों और सरकारों से दर्शकों तक सार्थक सिनेमा की पहुंच बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया।

मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के ऋषभ शेट्टी सर्वश्रेष्ठ अभिनेता

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

70वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती को सिनेमा जगत के सर्वोच्च सम्मान दादा साहब फाल्के पुरस्कार जबकि कन्नड़ फिल्मों के सुपरस्टार ऋषभ शेट्टी को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समारोह में विभिन्न भाषाओं में निर्मित सर्वश्रेष्ठ भारतीय फिल्मों को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सम्मानित किया। सर्वश्रेष्ठ फिल्म से लेकर सर्वश्रेष्ठ अभिनेता-अभिनेत्री तक कई कैटेगरी में अवॉर्ड दिये गये। सत्तरवें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार एक जनवरी से 31 दिसंबर, 2022 तक सेंसर बोर्ड द्वारा सर्टिफाइड फिल्मों को दिये गये हैं।

सत्तरवें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में मिथुन चक्रवर्ती को दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कन्नड़ फिल्मों के सु-परस्टार ऋषभ शेट्टी ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार अपने नाम किया है। उन्हें उनकी फिल्म कांतारा के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का अवॉर्ड मिला है। मलयालम भाषा की फिल्म आट्टम ने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार जीता, जबकि सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का सम्मान नित्या मेनन और मानसी पारेख ने साझा किया। तिरुचित्राबलम में नित्या मेनन और कच्छ एक्सप्रेस के लिये मानसी पारेख ने यह अवार्ड जीता। सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार सूरज बड़जात्या को फिल्म ऊंचाई के लिये दिया गया। सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का पुरस्कार नीना गुप्ता को फिल्म ऊंचाई के लिये ही दिया गया। सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार पवन मल्होत्रा को फिल्म फौजा के लिये दिया गया। संपूर्ण मनोरंजन प्रदान करने वाली सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म कंतारा चुनी गयी।

मोदी, शाह और नड्डा के विकास के विजन की जीत : मांझी

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री जीतन राम मांझी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार जीत दर्ज करने पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मंगलवार को बधाई देते हुए इस ऐतिहासिक जीत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के विकास के विजन की जीत बताया है।

श्री मांझी ने आज यहां हरियाणा विधानसभा चुनाव परिणाम पर कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व के आज देश हर क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा, आज भारत की न केवल वैश्विक छवि मजबूत हुई है, बल्कि आर्थिक रूप से भी देश लगातार मजबूत हो रहा है, जो देश को विकसित भारत बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा की हरियाणा में लगातार तीसरी जीत ने यह दिखाया है कि केवल वादे करने से काम नहीं चलता, बल्कि उन्हें धरातल पर भी उतारना जरूरी होता है।

श्री मांझी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की प्रेरणा से हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह करके दिखाया है, जिसकी वजह से भाजपा यहां ऐतिहासिक जीत दर्ज करने में सफल हुई है। उन्होंने कहा, पिछले 10 वर्षों में हरियाणा की भाजपा सरकार ने लोगों के जीवन को समृद्ध बनाने के लिए लगातार काम किया है। समाज के सभी वर्गों के कल्याण को प्राथमिकता दी गई है।

किसान हों, युवा हों, महिला हों या फिर गांवों और शहरों का विकास हो, प्रधानमंत्री के विकास के विजन के अंतर्गत कोई भी कसर नहीं छोड़ी गई और जनता ने भी भाजपा को बहुमत देकर नेतृत्व के विकास के विजन को साकार किया है, जो अत्यंत ही महत्व-पूर्ण है।

राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए नई ऊंचाई हासिल करेगी वायु सेना: जनरल चौहान

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने उम्मीद जतायी है कि वायु सेना देश के हितों की रक्षा करते हुए साहस, प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता के मूल्यों को कायम रखकर नई ऊंचाइयों को हासिल करेगी।

जनरल चौहान ने मंगलवार को वायु सेना की 92वीं वर्षगांठ पर सभी वायु योद्धाओं, भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिवारों को शुभकामनाएं दी हैं।

उन्होंने कहा, 1932 में अपनी स्थापना के बाद से वायु सेना वीरता, उत्कृष्टता और राष्ट्रीय गौरव के उदाहरण के रूप में उभरी है। वायु योद्धाओं ने युद्धों और मानवीय अभियानों में निर्णायक योगदान देकर भारत के आसमान की रक्षा की है। उनकी निस्वार्थ सेवा, सटीकता और बहादुरी विस्मय को प्रेरित करती है, और उनके अटूट समर्पण और अद्वितीय सेवा के प्रमाण के रूप में खड़ी है। आज हम इस विरासत का सम्मान करते हैं और इसे स्वीकार करते हैं।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष ने कहा, हमने राफेल जेट और अपाचे हेलीकॉप्टर जैसे अत्याधुनिक प्लेटफार्मों को शामिल करके अपनी क्षमताओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। आत्मनिर्भरता पर वायु सेना के फोकस के कारण हल्के लड़ाकू विमान तेजस और हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर प्रचंड का सफल विकास हुआ है, जो स्वदेशी नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हमारे वायु योद्ध-ाओं ने मानवीय सहायता और आपदा राहत प्रयासों सहित विभिन्न अभियानों में असाधारण कौशल का प्रदर्शन किया है, जो भारतीय वायुसेना की तत्परता और जवाबदेही को रेखांकित करता है। रखरखाव सहायता प्रणालियों को मजबूत किया गया है, जिससे विमान की इष्टतम सेवाक्षमता सुनिश्चित हुई है और डाउनटाइम में कमी आई है। हमने मित्र राष्ट्रों के साथ संयुक्त अभ्यास और सहयोग में भाग लेकर अपनी अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी को मजबूत किया है। इन संलग्नताओं ने हमारी परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाया है और वैश्विक विमानन समुदाय में सहयोग को बढ़ावा दिया है। जनरल चौहान ने कहा कि एक शक्तिशाली तकनीक-संचालित बल के रूप में वायुसेना देश की संप्रभुता और हितों की रक्षा के लिए सतर्क है। यह प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति का उपयोग करने, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और हमारे कर्मियों की विशेषज्ञता का पोषण करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जयराम ने जलेबी बांटकर मनाई हरियाणा में भाजपा की जीत की खुशी

मंडी, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने हरियाणा में हुई भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत का जश्न लड्डू नहीं, बल्कि जलेबी बांटकर मनाया। अमूमन हर जीत पर नेताओं की तरफ से लोगों का मुंह मीठा करवाने के लिए लड्डू बांटे जाते हैं, लेकिन इस बार जलेबियां बांटी गई। श्री ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस नेता व लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हरियाणा के चुनावों में जलेबी की फैक्ट्री का बहुत जिक्र किया था, इसलिए इस बार जश्न में जलेबी बांटना ही बेहतर समझा।

उन्होंने हरियाणा में भाजपा की लगातार तीसरी बार हुई जीत के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा सहित शीर्ष नेतृत्व को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्य ने हिमाचल के दर्द को समझा और कांग्रेस की झूठी गारंटियों को नकारते हुए भाजपा की नीतियों पर अपनी मुहर लगाई है। उन्होंने कहा कि अब पूरा देश कांग्रेस की झूठी गारंटियों को भांप चुका है और समझ चुका है कि यह चुनावी प्रलोभनों के सिवाय और कुछ भी नहीं। श्री ठाकुर ने कहा कि हरियाणा में एग्जिट पोल के माध्यम से ऐसा माहौल बनाने की कोशिश की जा रही थी मानो यहां कांग्रेस की ही सरकार आने वाली हो। मीडिया हाउस भी कांग्रेस की सरकार बनाने का दावा पुरजोर तरीके से कर रहे थे, लेकिन यह सारे एग्जिट पोल हरियाणा की जनता ने धराशाही कर दिए। उन्होंने कहा कि हरियाणा के अलावा जम्मू-कश्मीर में भी पार्टी ने बेहतरीन परफॉर्म किया है। वहां पर जो भी परिणाम आए हैं उसका श्रेय संगठन की मेहनत और प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों को जाता है।

मोदी पर भरोसा जताया जनता ने: शिवराज

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि हरियाणा की जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भरोसा जताया है। श्री चौहान ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के प्रति श्रद्धा का प्रकटीकरण इस परिणाम से हुआ है।श्री मोदी के नेतृत्व में जो ठोस काम हुआ है, उस पर जनता ने विश्वास जताया है। उन्होंने श्रीमद भगवद्गीता का एक श्लोक उद्धृत करते हुए कहा, कुरूक्षेत्र की पवित्र भूमि पर धर्म की विजय हुई है और अधर्म का नाश हुआ है। - यदा यदा ही धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत ।अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानम सृज्याहम।। उन्होंने कहा कि देश की जनता भाजपा पर भरोसा करती है।

जम्मू संभाग में भाजपा का परचम बरकरार रहा

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 08 अक्टूबर।

जम्मू संभाग भाजपा का परचम बरकरार रहा है। हालांकि जम्मू संभाग में कई दिग्गज चुनाव हार गए हैं। इनमें एक पूर्व मंत्री और कांग्रेस नेता चौधरी लाल सिंह भी हैं जिन्हें चुनावों में 16,000 से अधिक मतों से हार का सामना करना पड़ा। चुनाव आयोग द्वारा घोषित परिणामों के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार दर्शन कुमार को 31,874 वोट मिले, जबकि लाल सिंह को केवल 15,840 वोट मिले, जिसके परिणामस्वरूप 16,034 का नुकसान हुआ।

देखा जाए तो जम्मू संभाग में बहुतेरी सीटों पर भाजपा के उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है। परिणामों से पता चलता है कि किश्तवाड़ में, भाजपा उम्मीदवार सुनील शर्मा ने नेशनल कॉन्फ्रेंस की पूजा ठाकुर के खिलाफ 1,445 मतों के मामूली अंतर से जीत हासिल करते हुए पैडर-नागसेनी क्षेत्रों से जीत हासिल की।

शर्मा, जो आठवें दौर के चुनाव के छठे दौर तक पीछे थे, को ठाकुर के 15,098 के मुकाबले 16,543 वोट मिले।

इसी तरह से सांबा निर्वाचन क्षेत्र से पूर्व मंत्री सुरजीत सिंह सलाथिया ने 42,206 वोट प्राप्त कर निर्दलीय उम्मीदवार रविंदर सिंह के विरुद्ध आसान जीत हासिल की, जिन्हें केवल 12,725 वोट मिले। सुचेतगढ़ में, भाजपा के गारू राम ने 11,026 वोटों के अंतर से निर्णायक जीत हासिल की, उन्होंने 38,867 वोट प्राप्त कर कांग्रेस के भूषण लाल डोगरा को हराया, जिन्हें 27,841 वोट मिले।

जम्मू पश्चिम में भाजपा के अरविंद गुप्ता भी विजयी हुए, उन्होंने कांग्रेस के मनमोहन सिंह को 21,968 वोटों के अंतर से हराया। गुप्ता को 41,725 वोट मिले, जबकि सिंह को 19,757 वोट मिले। पूर्व मंत्री और भाजपा उम्मीदवार डा देविंदर कुमार मन्याल ने रामगढ़ से 35,171 वोट प्राप्त कर कांग्रेस के यशपाल कुंडल को 14,035 वोटों के अंतर से हराया, जिन्हें 21,136 वोट मिले।,

2014 में हुए पिछले विधानसभा चुनावों की तुलना में भाजपा ने अपनी स्थिति में सुधार किया है।

उस चुनाव में पार्टी ने 25 सीटें जीती थीं। भाजपा ने इस बार 62 उम्मीदवार उतारे थे। पूर्व मंत्री शाम लाल शर्मा ने जम्मू उत्तर सीट से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के पूर्व मंत्री अजय सडोत्रा को 27,363 मतों के अंतर से हराया। शर्मा को 47,219 मत मिले। दो बार के विधायक बलवंत सिंह मनकोटिया, जो पिछले साल भाजपा में शामिल हुए थे, ने चिनैनी क्षेत्र से चुनाव जीता। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और पूर्व मंत्री हर्ष देव सिंह को 15,611 मतों के अंतर से हराया। नेशनल पैंथर्स पार्टी (इंडिया) के प्रमुख सिंह मनकोटिया के चचेरे भाई हैं। मनकोटिया को 47,990 मत मिले। भाजपा प्रवक्ता रणबीर सिंह पठानिया ने पार्टी के बागी पवन खजूरिया के कड़े प्रतिरोध को पार करते हुए उधमपुर पूर्व से 23,49 मतों के अंतर से जीत दर्ज की।

इसी तरह से भाजपा के दर्शन कुमार ने बसोहली निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और दो बार के सांसद चौधरी लाल सिंह को 16,034 मतों के भारी अंतर से हराया, जबकि भाजपा के दो बार के विधायक गारू राम ने सु-चेतगढ़ विधानसभा क्षेत्र से 11,141 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। इतना जरूरर था कि भाजपा ने सुरनकोट, इंदरवाल, गुरेज और लाल चौक की चार सीटें खो दी हैं

आपा ने भी खोला जम्मू कश्मीर में खाता

जम्मू, 08 अक्टूबर (ब्यूरो)।

आम आदमी पार्टी (आपा) ने पहली बार प्रदेश चुनावों में अपना खाता खोल कर सभी को चौंकाया है। जम्मू संभाग की डोडा विधानसभा सीट से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी मेहराज मलिक ने भाजपा प्रत्याशी गजय सिंह राणा को 4538 वोटों से हरा दिया। महराज मेहराज मलिक को कुल 23228 वोट हासिल हुए हैं। जबकि गजय सिंह राणा को 18063 वोट मिले हैं। मेहराज मलिक जहां एक ओर पहले और दूसरे नंबर पर भाजपा के गजय सिंह राणा रहे तो वहीं, तीसरे नंबर पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के खालिद नजीब रहे हैं। डीपीएपी के अब्दुल मजीद वानी चौथे नंबर पर रहे। डोडा सीट पर कांग्रेस ने शेख रियाज अहमद, नेशनल कॉन्फ्रेंस ने खालिब नजीब सुह-रवर्दी को टिकट दिया था। इस सीट पर भाजपा और आम आदमी पार्टी में कड़ी टक्कर देखने को मिली।

दिल्ली में मंत्री और आप नेता गोपाल राय इस जीत पर कहा कि यह आपा के लिए एक अच्छी खबर है। दिल्ली के बाद पंजाब, गोवा और गुजरात में भी हमारे विधायक जीते और फिर हमारी पार्टी राष्ट्रीय पार्टी बन गई। अब, अगर जम्मू कश्मीर की जनता आम आदमी पार्टी उम्मीदवार को चुनेगी तो यह हमारे लिए ऐतिहासिक होगा

आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि डोडा से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार मेहराज मलिक द्वारा भाजपा को हराकर शानदार जीत हासिल करने के लिए बहुत बहुत बधाई। आप बहुत अच्छा चुनाव लड़े। मेहराज मलिक काफी समय से आम आदमी पार्टी से जुड़े हुए हैं। वे डोडा क्षेत्र के लोकप्रिय नेता माने जाते हैं। मलिक ने पिछले कुछ वर्षों में डोडा में मजबूत जनाधार बनाया है। 36 वर्षीय मलिक 2021 में डीडीसी का चुनाव जीते थे। आप के जम्मू कश्मीर में निर्वाचित प्रतिनिधि बने थे। मेहराज मलिक ने पीजी तक की पढ़ाई की है। डोडा विधानसभा क्षेत्र से आप उम्मीदवार मेहराज मलिक ने जीत के बाद कहा कि जनादेश लोगों का है, वोट उनके हैं और जीत उनकी है। लोगों को बधाई, क्योंकि हम सिर्फ एक माध्यम हैं जो ऐसा कर सकते हैं। हम जनता की पीड़ा को देखना चाहते थे, हम उनकी लड़ाई लड़ना चाहते थे, यह कभी भी हमारी व्यक्तिगत लड़ाई नहीं थी।

योगी सरकार की अनूठी पहल

प्रदेश की 7500 छात्राएं बनेंगी एक दिन की अधिकारी

मिशन शक्ति के तहत परिषदीय और केजीबीवी की छात्राओं को मिलेगा मौका

लखनऊ, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार के मिशन शक्ति अभियान को बल देने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। प्रदेश की परिषदीय और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) की छात्राओं को प्रशासनिक कार्यों और जिम्मेदारियों से अवगत कराने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करने के लिए उन्हें एक दिन का अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। प्रदेश की बेटियों के सशक्तिकरण के लिए योगी सरकार की ओर से की गई इस महत्वपूर्ण पहल के तहत प्रत्येक जिले से 100 और कुल 7500 बेटियों को एक दिन का अधिकारी बनने का अवसर मिलेगा। इससे इनमें निपुणता और नेतृत्व क्षमता का विकास होगा। इसकी योजना तैयार कर ली गई है।

प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि इस योजना का उद्देश्य बालिकाओं को प्रशासनिक जिम्मेदारियों का अनुभव देना और उनके आत्मविश्वास व नेतृत्व गुणों का विकास करना है। चयनित बालिकाएं डीएम, सीडीओ, बीएसए, खंड विकास अधिकारी, तहसीलदार, डीआईओएस जैसे पदों पर एक दिन के लिए कार्य करेंगी। कासगंज की टॉपर भूमिका और संभल की शालू पहले ही इस योजना के तहत एक दिन की जिलाधिकारी बन चुकी हैं, जिन्होंने सफलतापूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया। सरकार का यह प्रयास बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ समाज में उनके योगदान को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने बताया कि चयन प्रक्रिया में उन बालिकाओं को प्राथमिकता दी जाएगी, जो अपनी निपुणता के लिए जानी जाती हैं और जिनमें लीडरशिप के गुण निखर कर सामने आ रहे हैं। इस कार्यक्रम में सभी जाति, वर्ग और श्रेणियों की बालिकाओं को समान अवसर प्रदान किया जाएगा। सरकार का यह प्रयास बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें प्रशासनिक कार्यों की जमीनी समझ देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मिशन शक्ति के माध्यम से सरकार की यह पहल उन बालिकाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है, जो अपनी नेतृत्व क्षमताओं को पहचानना चाहती हैं और समाज में बदलाव लाने की आकांक्षा रखती हैं।

इस योजना के तहत चुनी गई बालिकाएं एक दिन के लिए सरकारी अधिकारियों की भूमिका निभाएंगी। वे न सिर्फ लोगों की समस्याओं की सुनवाई करेंगी, बल्कि उनके निस्तारण में भी सक्रिय भागीदारी निभाएंगी। यह अनुभव उन्हें निर्णय लेने की क्षमता और सामर्थ्य को निखारने में मदद करेगा, जो उनके भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा। मुख्यमंत्री के आदेश के बाद संभल जिले के बहजोई स्थित कस्तूरबा गांधी विद्यालय की छात्रा शालू और कासगंज जिले की टॉपर छात्रा कुमारी भूमिका को एक दिन के लिए सांकेतिक रूप से जिलाधिकारी बनाया जा चुका है। इस दौरान शालू ने मिशन शक्ति की बैठक का सफलतापूर्वक संचालन किया, अधिकारियों का परिचय लिया और मिशन शक्ति के कार्यों की रूपरेखा पर निर्देश दिए थे तो कासगंज की टॉपर भूमिका ने महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान, और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-5 के तहत कासगंज तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में एक दिन का जिलाधिकारी बन जनसमस्याओं की सुनवाई की और उनके समाधान के निर्देश दिए।

इसी तरह से चित्रकूट स्थित कस्तूरबा गांधी विद्यालय की छात्रा मनोरमा पटेल को भी एक दिन के लिए सांकेतिक रूप से डीआईओएस (जिला विद्यालय निरीक्षक) बनाया गया था। मनोरमा ने इस दौरान अधिकारियों की जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया और विभिन्न मामलों की समीक्षा की। इसके अलावा केजीबीवी की बालिकाओं को मुख्य विकास अधिकारी, जिला पिछड़ा एवं कल्याण अधिकारी और खंड विकास अधिकारी के रूप में भी एक दिन का अधिकारी बनने का अवसर मिल चुका है। बता दें कि चित्रकूट जनपद के पारो नाम की छात्रा को भी एक दिन का बीएसए (जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी) बनाया गया था, जिस दौरान पारो ने भी इन बालिकाओं की तरह विभागीय सुनवाई जैसे कार्यों का निर्वहन किया और उनके समाधान के निर्देश दिए।

डासना मंदिर हमला केस में मोहम्मद जुबैर के खिलाफ एफआईआर

गाजियाबाद, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

गाजियाबाद के डासना देवी मंदिर पर 4 अक्टूबर 2024, शुक्रवार के दिन बड़ी संख्या में मुस्लिम भीड़ जमा हो गई। आरोप है कि यह भीड़ मंदिर में घुसने की कोशिश कर रही थी और उन्मादी नारे लगा रही थी। पुलिस ने किसी तरह मंदिर में मौजूद श्रद्धालुओं को सुरक्षित निकाला। इस घटना से हिंदू समुदाय में गुस्सा फैल गया, और उन्होंने हिंसा भड़काने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। हिंदू विरोधी एजेंडा चलाने वाले ऑल्ट न्यूज के सह-संस्थापक मोहम्मद जुबैर को इस घटना का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है और उनके खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की जा चुकी है। हालांकि, लोगों की मांग थी कि आरोपियों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) भी लगाया जाए और अगर ऐसा नहीं हुआ तो 13 अक्टूबर को महापंचायत आयोजित करने की घोषणा की गई है।

भाजपा नेता डॉ. उदिता त्यागी, जो खुद को इस घटना की चश्मदीद और पीड़ित बता रही हैं, ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। 7 सितंबर 2024 को दी गई इस शिकायत में उन्होंने गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर से कहा कि डासना मंदिर पर हमला एक सोची-समझी साजिश थी। उन्होंने आरोप लगाया कि मुस्लिम समुदाय को इस हमले के लिए मोहम्मद जुबैर, असदुद्दीन ओवैसी और अरशद मदनी ने भड़काया था। इस हमले में बाहर से आए मुस्लिमों की भी संलिप्तता बताई गई है। डॉ. उदिता का दावा है कि इस हिंसा के पीछे यति नरसिंहानंद गिरी की हत्या की साजिश थी। उन्होंने पुलिस पर भी आरोप लगाया कि यति नरसिंहानंद को 5 अक्टूबर को अवैध तरीके से हिरासत में लिया गया। डॉ. उदिता ने मांग की है कि हमलावरों की पहचान कर उन पर सख्त कार्रवाई की जाए। उनकी इस शिकायत पर मंदिर के अंदर मौजूद हिंदू समाज के दर्जनों लोगों के हस्ताक्षर हैं। ये वो लोग बताए जा रहे हैं जो हमले के समय डासना मंदिर के अंदर मौजूद थे।

इस शिकायत के बाद मोहम्मद जुबैर के खिलाफ गाजियाबाद के कवि नगर थाने में केस दर्ज हुआ है। यह केस भारतीय न्याय संहिता की धारा 196, 228, 299, 356 (3) और 351 (2) के तहत दर्ज किया गया है। के पास एफआईआर की कॉपी भी मौजूद है। डॉ. उदिता ने अपने वीडियो बयान में मोहम्मद जुबैर के खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर पर हमला करने वालों पर एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा कानून) के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। यति नरसिंहानंद सरस्वती को रिहा करने और मोहम्मद जुबैर पर केस दर्ज करने सहित हमलावरों पर एनएसए न लगने की स्थिति में 13 अक्टूबर को महापंचायत आयोजित की जाएगी। उदिता के मुताबिक, यह महापंचायत ऐतिहासिक होगी।

डॉ. उदिता ने पुलिस कमिश्नर को एक और शिकायत दी, जिसमें मोहम्मद जुबैर की कई कथित गतिविधियों का जिक्र किया गया है। उन्होंने दावा किया कि जुबैर ने 10 हिंदूवादी लोगों की एक सूची बनाई है, जो कट्टरपंथियों के निशाने पर हैं। इस सूची में उनका नाम भी शामिल है, और उन्हें जान से मारने की धमकियां भी मिली हैं। उन्होंने नूपुर शर्मा केस का हवाला देते हुए कहा कि जुबैर उस मामले में 6 निर्दोषों की मौत का जिम्मेदार था। डॉ. उदिता का मानना है कि अगर मोहम्मद जुबैर को जेल नहीं भेजा गया, तो वह कई हिंदुओं के जीवन के लिए खतरा बना रहेगा। डॉ. उदिता के अलावा, हिंदू रक्षा दल ने भी यति नरसिंहानंद की रिहाई की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा है। उन्होंने पुलिस से मंदिर पर हमला करने वाली भीड़ पर सख्त कार्रवाई की मांग की। इस दौरान हिंदू संगठनों से जुड़े कई पदाधिकारी मौजूद रहे। के पास इस ज्ञापन की प्रति मौजूद है।

परवेज ने अवैध रूप से भारत में बसाए थे पांच पाकिस्तानी परिवार

लखनऊ, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बीते दिनों बेंगलुरु से एक पाकिस्तान परिवार गिरफ्तार हुआ था जो भारत में हिंदू पहचान के साथ रह रहा था। अब पुलिस ने उस पाकिस्तानी परिवार की मदद करने वाले आरोपी को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान परवेज अहमद के तौर पर हुई है। जांच अधिकारी परवेज की पड़ताल कर रहे हैं।

शुरुआती पूछताछ में सामने आया है कि परवेज ने भारत में कम से कम पांच पाकिस्तानी परिवारों को बसाया है जो हिंदू नाम की आड़ लेकर भारत में रह रहे हैं। इनमें से दो को तो पिछले हफ्ते ही बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया है। वहीं बाकी जिनकी मदद परवेज ने की वो मुंबई और दिल्ली में बसे हैं। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार उसने 22 लोगों की भारत में अवैध रूप से घुसने में मदद की।

अब पुलिस ये छानबीन कर रही है कि क्या इन परिवारों का कोई आपराधिक बैकग्राउंड है या नहीं। अगर नहीं, तो फिर उन्हें वापस उनके मुल्क भेजने की प्रक्रिया की जाएगी। उल्लेखनीय है कि 29 सितंबर को जिगानी पुलिस ने रफीक सिद्दीकी के पाकिस्तानी परिवार को गिरफ्तार किया था जो 2018 से बेंगलुरु में रह रहे थे। इन्होंने अपनी पहचान छिपाकर यहां शर्मा नाम से पहचान दिखाई हुई थी। जांच में सामने आया था कि इनमें से रफीक सिद्दीकी मेहदी फाउंडेशन का सदस्य था। उसी मेहदी फाउंडेशन से परवेज भी जुड़ा था जिसने उसकी मदद की।

परवेज का जुड़ाव इस संस्था से 2007 में हुआ था जब इसके 63 सदस्य भारत आए और नई दिल्ली में अपने पाकिस्तानी पासपोर्ट जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। इन प्रदर्शनकारियों में एक महिला भी थी जिसने बाद में परवेज से शादी कर ली।

शादी के बाद महिला भारत में ही रही जबकि बाकी लोगों को शर्णार्थी की पहचान मिली और वो यूरोपीय देशों में बसाए गए। अब परवेज की बीवी दिल्ली में रहती है और दिल्ली विशेष शाखा को रिपोर्ट करती है। इस क्रम में परवेज का आना जाना दिल्ली होता है। उसके मुताबिक उसने भारत में उन्हीं लोगों को बसवाया जो मजबूर हो गए थे और उनके पास कोई विकल्प नहीं था।

यूपी के पर्यटन मंत्री ने कहा

महाकुंभ में शामिल होंगे 50 करोड़ श्रद्धालु

10 दिसंबर तक पूरे हो जाएंगे सारे काम

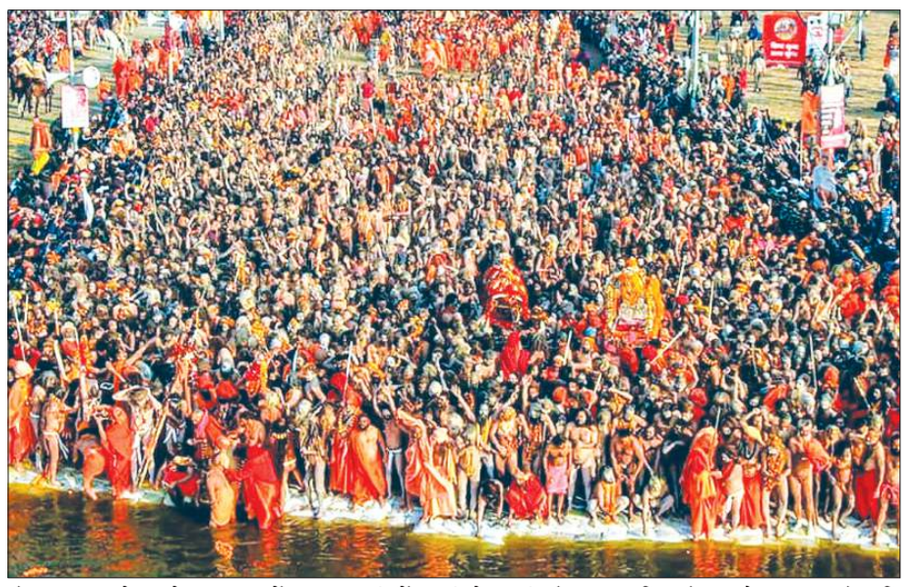

लखनऊ, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि दुनिया का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन महाकुंभ अगले साल प्रयागराज में होगा। 2019 में हुए अर्ध कुंभ में 24 करोड़ श्रद्धालु आए थे। इस बार जनवरी से शुरू हो रहे महाकुंभ में 50 करोड़ श्रद्धालु आएंगे। तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। विभिन्न योजनाओं के तहत श्रद्धालुओं की सुविधा के काम हो रहे हैं। दो दिन पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तैयारियों की समीक्षा की है। 10 दिसंबर तक सारे काम पूरे होंगे। प्रधानमंत्री मोदी भी 10 दिसंबर के बाद कभी भी आ सकते हैं। पर्यटन मंत्री मंगलवार को लोकभवन में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि संस्कृति विभाग पूरे विश्व में कुंभ का प्रचार करेगा। हर राज्य व उसकी राजधानी में, यूपी के सभी मंडल पर आयोजन होंगे। सभी अकादमियों को अलग-अलग जिम्मेदारी दी गई है। पूरे प्रदेश में रोड शो, बाल कुंभ, कवि कुंभ, भक्ति कुंभ और कला संस्कृति कुंभ का आयोजन होगा। फोटो प्रतियोगिता और प्रदर्शनी का भी आयोजन होगा। उप शास्त्रीय गायन, वादन होगा। पेंटिंग और छायांकन प्रदर्शनी भी होगी।

भारतीय नाट्य अकादमी नाट्य प्रस्तुति का आयोजन करेगा। लोक जनजाति संस्थान प्रस्तुति देगा। रंगोली बनाएगा। पुरातत्व निदेशालय कुंभ पर ओपन क्विज कराएगा।

मंडल स्तर कार्यक्रम में पर्यटन, धर्मार्थ कार्य, सूचना विभाग और शैक्षिक संस्थान को जोड़ेंगे। आयोजन में कलाकार भी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि मंगलवार से कार्यक्रम प्रारंभ हो रहे हैं। जीपीओ पार्क से अभिनंदन रोड शो निकलेगा। शाम 6 बजे 1090 मरीन ड्राइव पर समापन होगा। नेपाल, मॉरीशस, इंडोनेशिया, श्रीलंका कंबोडिया, गुयाना, दक्षिण अफ्रीका, त्रिनिदाद, फिजी, सूरी नाम, थाईलैंड और सिंगापुर समेत आधा दर्जन देशों में रोड शो होंगे।

विकसित हरियाणा विकसित भारत की संकल्पना की जीत है: योगी

लखनऊ, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरियाणा विधानसभा चुनाव-2024 में तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की जीत पर प्रसन्नता जाहिर की। सीएम योगी ने भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों व मतदाताओं को बधाई दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, विकसित हरियाणा-विकसित भारत की संकल्पना की सिद्धि को समर्पित यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोक-कल्याणकारी नीतियों, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व और डबल इंजन की भाजपा सरकार की शक्ति पर हरियाणा की जनता जनार्दन के विश्वास की मुहर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव-2024 में भारतीय जनता पार्टी को मिली ऐतिहासिक विजय की सभी समर्पित कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों एवं सम्मानित मतदाताओं को हार्दिक बधाई! सीएम योगी ने राष्ट्र प्रथम भाव से ओतप्रोत भाजपा को पुनः सेवा का सौभाग्य प्रदान करने के लिए सभी हरियाणा वासियों का हार्दिक अभिनन्दन किया।

महाकुंभ में बदले गए गुलामी के प्रतीक

शाही की जगह राजसी, पेशवाई के बजाय छावनी प्रवेश

प्रयागराज, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

महाकुंभ में गुलामी के सारे प्रतीक बदल दिए गए हैं। अब शाही की जगह राजसी और पेशवाई के स्थान पर छावनी प्रवेश होगा।

अब महाकुंभ के रिकॉर्ड में पेशवाई और शाही शब्दों को बदल दिया जाएगा। प्रदेश सरकार इसकी घोषणा दीपावली के बाद करेगी।

मुगलकालीन गुलामी के प्रतीक शाही स्नान और पेशवाई दोनों की जगह सोमवार को नए सनातनी नाम अखाड़ा परिषद ने तय कर लिए। साथ ही इस संबंध में लिखित प्रस्ताव सरकार को भेज दिया है। लंबे विचार विमर्श के बाद पेशवाई की जगह छावनी प्रवेश और शाही स्नान को राजसी स्नान नाम दिया गया। अब महाकुंभ के रिकॉर्ड में पेशवाई और शाही शब्दों को बदलने का एलान सरकार की ओर से दीपावली के बाद किए जाने के संकेत मिले हैं।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने शब्दों को बदलने के लिए सोमवार को दिनभर चिंतन किया।

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी और महामंत्री महंत हरी गिरी के साथ अन्य पदाधिकारियों ने विद्वानों से लिए गए सुझाव पर विस्तार से चर्चा की। इसके बाद 20 से अधिक सुझाव में से दो विकल्पों का चयन किया गया। इसमें शाही स्नान को राजसी स्नान करने और पेशवाई को छावनी प्रवेश किए जाने पर मोहर लगाई गई।

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष ने कहा कि संत समाज और विद्वानों से लिए गए सुझाव में से दो नाम चुने गए हैं। उन्होंने कहा की दीपावली के बाद प्रयागराज में अखाड़ा परिषद की बैठक होनी है। उनका कहना है कि उस बैठक के बाद चयनित नए नामों का आधिकारिक ऐलान होगा।

दीपावली बाद योगी आदित्यनाथ खुद प्रयागराज आकर गुलामी के प्रतीक इन दोनों शब्दों को बदलकर नए नामों का ऐलान करेंगे।

यूपी में शिक्षामित्रों, अनुदेशकों और रसोइयों का बढ़ेगा मानदेय

लखनऊ, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के 1.40 लाख शिक्षामित्रों, 25 हजार अनुदेशकों और रसोइयों को दीपावली से पहले मानदेय वृद्धि का तोहफा मिल सकता है। मंगलवार को बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह के साथ विभिन्न संगठनों की बैठक में इस पर सकारात्मक सहमति बनी है। मंत्री ने कहा कि जल्द ही इसका प्रस्ताव सीएम के सामने रखा जाएगा।

विधानभवन स्थित मंत्री के कार्यालय में हुई वार्ता में शिक्षामित्र संगठनों ने मूल विद्यालय वापसी, मेडिकल सुविधा व मृत शिक्षामित्रों के परिजनों के समायोजन की मांग की। इस पर मंत्री ने कहा कि मूल विद्यालय में वापसी पर जल्द निर्णय होगा। उप्र. प्राथमिक शिक्षा मित्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार शुक्ला व महामंत्री सुशील कुमार ने बताया कि मृत शिक्षामित्रों के परिजनों को भी आंगनबाड़ी में समायोजित करने पर विचार किया जाएगा।

आदर्श समायोजित शिक्षक-शिक्षामित्र वेलफेयर एसोसिएशन के विश्वनाथ सिंह कुशवाहा व उमेश कुमार पांडेय ने शिक्षामित्रों को 12 माह का मानदेय देने, शिक्षक की योग्यता पूरी करने वाले शिक्षामित्रों को अतिरिक्त छूट देने की मांग उठाई। इस पर मंत्री ने मुख्यमंत्री से मिलकर समाधान की बात कही। परिषदीय अनुदेशक कल्याण एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष विक्रम सिंह ने बताया कि अनुदेशकों का मानदेय बढ़ाने, 12 माह का मानदेय, नवीनीकरण के नाम पर शोषण रोकने, अनुदेशकों के तबादले, सीएल व सीसीएल देने पर चर्चा हुई। बैठक में प्रमुख सचिव बेसिक शिक्षा एमकेएस सुंदरम, महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा, निदेशक बेसिक शिक्षा प्रताप सिंह बघेल भी शामिल हुए।

संपादकीय

भाजपा ने रच दिया इतिहास

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव परिणाम भारतीय जनता पार्टी के लिए उत्साहवर्धक और कांग्रेस के लिए निराशाजनक रहे हैं। हरियाणा में भाजपा ने तीसरी बार बहुमत प्राप्त करके इतिहास रच दिया है। विभिन्न सर्वेक्षणों में जिस प्रकार के रुझान निकलकर आए थे, उन्हें देखकर सबको यही लग रहा था कि 10 साल की सत्ता विरोधी रुझान के कारण से भाजपा बुरी तरह हार रही है। जम्मू-कश्मीर का सबको अंदाजा था ही कि भाजपा जम्मू में तो जीत जाएगी लेकिन कश्मीर में उसकी राह असंभव है। स्वयं भाजपा ने भी कश्मीर में सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी नहीं उतारे थे। इसलिए जम्मू-कश्मीर के परिणाम से भाजपा के मनोबल पर कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़नेवाला था। लेकिन यदि हरियाणा के परिणाम सर्वेक्षणों के अनुरूप रहते तो भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल कमजोर होता और कांग्रेस को बढ़त मिलती। जिसका असर महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों पर भी पड़ता। कुल मिलाकर कहना होगा कि हरियाणा ने कांग्रेस को बहुत भारी झटका दिया है। जम्मू-कश्मीर में भले ही कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस का गठबंधन जीत गया है लेकिन वहाँ भी कांग्रेस के हिस्से बहुत कम सीटें आई हैं। इसलिए सब प्रकार से कांग्रेस को भारी नुकसान हुआ है। लोकसभा चुनाव में थोड़ी अधिक सीटें जीतकर अति उत्साहित कांग्रेस नेतृत्व को भी अपनी रणनीति के बारे में विचार करना चाहिए कि आखिर वह जिन मुद्दों को उठा रहे हैं क्या वाकई वे जनता के मुद्दे हैं? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अकसर कहते हैं कि कांग्रेस को अर्बन-नक्सल चला रहे हैं। यह बात इसलिए भी सही प्रतीत होती है क्योंकि कांग्रेस के नेतृत्व ने जिस वैचारिक राह पर कदम बढ़ा दिए हैं, वह उसके पुरखों की राह तो कतई नहीं थी। अगर कांग्रेस का नेतृत्व अभी भी नहीं चेता, तब वह जनता से बहुत दूर चला जाएगा। दोनों राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि जनता ने कांग्रेस के सभी मुद्दों को सिरे से नकार दिया है। उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के चुनाव को जीतने के लिए कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी ने पूरा जोर लगा दिया था। हरियाणा में इस बार कांग्रेस और राहुल जीत के दावे कर रहे थे। कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व और स्थानीय नेतृत्व अति आत्मविश्वास से भरा हुआ था। इसी कारण उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी गठबंधन की हिस्सा आम आदमी पार्टी को भी अनदेखा किया। कांग्रेस को यह विश्वास हो गया था कि वह अपने दम पर पूर्ण बहुमत से अधिक सीटें जीत जाएगी। पहलवानों एवं किसानों के गुस्से को कांग्रेस ने भुनाने का भरपूर प्रयास किया लेकिन वह तरीका भी काम नहीं आया। क्योंकि यह बात पहले से कही जा रही थी कि हरियाणा के किसान और पहलवान भाजपा से नाराज नहीं हैं। कुछ समूहों को आगे करके यह झूठा नैरेटिव गढ़ने का प्रयास किया जा रहा था, जिसे विधानसभा चुनाव के परिणाम ने फुस्स कर दिया है। हरियाणा के परिणाम को राहुल गांधी और कांग्रेस लंबे समय तक नहीं भूल पाएगी। बहरहाल, हरियाणा की ऐतिहासिक जीत ने महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव के लिए भाजपा को खूब सारा आत्मविश्वास दे दिया है। भाजपा अब पूरी ताकत, उत्साह और आत्मविश्वास के साथ दोनों राज्यों के चुनाव में उतरेगी।

हरियाणा में भाजपा ने तीसरी बार बहुमत प्राप्त करके इतिहास रच दिया है। विभिन्न सर्वेक्षणों में जिस प्रकार के रुझान निकलकर आए थे, उन्हें देखकर सबको यही लग रहा था कि 10 साल की सत्ता विरोधी रुझान के कारण से भाजपा बुरी तरह हार रही है। जम्मू-कश्मीर का सबको अंदाजा था ही कि भाजपा जम्मू में तो जीत जाएगी लेकिन कश्मीर में उसकी राह असंभव है। स्वयं भाजपा ने भी कश्मीर में सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी नहीं उतारे थे। इसलिए जम्मू-कश्मीर के परिणाम से भाजपा के मनोबल पर कोई प्रतिकूल असर नहीं पड़नेवाला था। लेकिन यदि हरियाणा के परिणाम सर्वेक्षणों के अनुरूप रहते तो भाजपा कार्यकर्ताओं का मनोबल कमजोर होता और कांग्रेस को बढ़त मिलती। जिसका असर महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनावों पर भी पड़ता। कुल मिलाकर कहना होगा कि हरियाणा ने कांग्रेस को बहुत भारी झटका दिया है। जम्मू-कश्मीर में भले ही कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस का गठबंधन जीत गया है लेकिन वहाँ भी कांग्रेस के हिस्से बहुत कम सीटें आई हैं। इसलिए सब प्रकार से कांग्रेस को भारी नुकसान हुआ है।

पश्चिमी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई

भारत के संदर्भ में हमें गढ़ने होंगे अपने विमर्श

प्रहलाद सबनानी

विमर्श के माध्यम से जनता के मानस को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। विमर्श सत्य, अर्द्धसत्य अथवा झूठ भी हो सकता है। यह, विमर्श गढ़ने वाले व्यक्ति द्वारा किन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु इसे गढ़ा जा रहा है, पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए कुछ देशों के सम्बंध में प्राय: कुछ विमर्श गढ़े गए हैं, जैसे, अमेरिका के बारे में कहा जाता है कि वहां सामान्यत: व्यापार पर अधिक ध्यान दिया जाता है। ब्रिटेन के बारे में धारणा है कि वहां राजनीति पर अधिक ध्यान दिया जाता है। जर्मनी के सम्बंध में कहा जाता है कि वहां युद्ध कौशल के बारे में अधिक चर्चा की जाती है। इसी प्रकार, भारत के बारे में पूरे विश्व में धारणा है कि यहां आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा रही है।

आज वैश्विक स्तर पर भारत के विरुद्ध कई झूठे विमर्श गढ़े जा रहे हैं। हाल ही के समय में इस प्रक्रिया ने कुछ रफ्तार पकड़ी है। विमर्श के माध्यम से जनता के मानस को प्रभावित करने का प्रयास किया जाता है। विमर्श सत्य, अर्द्धसत्य अथवा झूठ भी हो सकता है। यह, विमर्श गढ़ने वाले व्यक्ति द्वारा किन उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु इसे गढ़ा जा रहा है, पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए कुछ देशों के सम्बंध में प्रायः कुछ विमर्श गढ़े गए हैं, जैसे, अमेरिका के बारे में कहा जाता है कि वहां सामान्यतः व्यापार पर अधिक ध्यान दिया जाता है। ब्रिटेन के बारे में धारणा है कि वहां राजनीति पर अधिक ध्यान दिया जाता है। जर्मनी के सम्बंध में कहा जाता है कि वहां युद्ध कौशल के बारे में अधिक चर्चा की जाती है। इसी प्रकार, भारत के बारे में पूरे विश्व में धारणा है कि यहां आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा रही है। परंतु, अब पूरे विश्व में विशेष रूप से भारत के संदर्भ में पुराने विमर्श टूट रहे हैं और नित नए विमर्श गढ़े जा रहे हैं। भारत चूंकि, हाल ही के समय में वैश्विक स्तर पर एक मजबूत आर्थिक ताकत बन कर उभर रहा है, भारत की यह प्रगति कुछ देशों को रास नहीं आ रही है एवं ये देश भारत के सम्बंध में झूठे विमर्श गढ़ रहे हैं। भारत की प्रगति को रोकने, कम करने अथवा प्रभावित करने के उद्देश्य से दरअसल, चार शक्तियों ने हाथ मिला लिए हैं। ये चार शक्तियां हैं, कट्टरवादी इस्लाम, प्रसारवादी चर्च, सांस्कृतिक मार्क्सवाद एवं वैश्विक बाजार शक्तियां। हालांकि उक्त चारों शक्तियों की अन्य देशों में आपसी लड़ाई है परंतु भारत के मामले में यह एक हो गई हैं और भारत में यह आपस में मिलकर भारत के हितों के विरुद्ध कार्य करती हुई दिखाई दे रही हैं। पश्चिमी एवं भारतीय विचारधारा में जमीन आसमान का अंतर है। जैसे भारत में व्यापार के मामले में "शुभ लाभ" की विचारधारा पर कार्य किया जाता है। परंतु, पश्चिमी देशों में पूंजीवाद का अनुसरण करते हुए व्यापार में अधिक से अधिक लाभ अर्जित करने का प्रयास किया जाता है इसके लिए चाहे सामान्यजन को कितना ही नुक्सान क्यों नहीं उठाना पड़े, इसे "शुद्ध लाभ" की संज्ञा दी जाती है। और, इसी प्रकार, वामपंथी विचारधारा में अप्रत्यक्ष रूप से "शून्य लाभ" के लिए कार्य होता दिखाई देता है जिससे अंततः व्यापार ही समाप्त होने की ओर आगे बढ़ जाता है।

पश्चिमी एवं अन्य कई देशों में आज पूंजीवाद की विचारधारा को ही अपना लिया गया है। जिसके परिणामस्वरूप केवल लाभ को बढ़ाने के उद्देश्य से व्यापार करने वाली अमेरिकी कम्पनियों की सम्पत्ति आज कई देशों के सकल घरेलू उत्पाद से भी अधिक हो गई है। सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में कार्य करने वाली माइक्रोसॉफ्ट नामक बहुराष्ट्रीय कम्पनी की सम्पत्ति 3.126 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की हो गई है। एप्पल नामक बहुराष्ट्रीय कम्पनी की सम्पत्ति 2.65 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की है। ऐमेजोन नामक बहुराष्ट्रीय कम्पनी की सम्पत्ति 1.87 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की है। इसी प्रकार, मेटा नामक अमेरिकी कम्पनी की सम्पत्ति 1.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की है। अमेरिका ने अधिकतम लाभ अर्जन को मुख्य उद्देश्य मानकर पूंजीवाद को बढ़ावा दिया जिससे आज अमेरिका कई अरबपति बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का स्वर्ग बन गया है और आज इन अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की सम्पत्ति कई देशों के सकल घरेलू उत्पाद से भी अधिक हो गई है। ब्रिटेन, कनाडा, फ्रान्स आदि जैसी विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का सकल घरेलू उत्पाद लगभग 3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के आसपास है। भारतीय परम्परा में व्यापार में शुभ लाभ इसलिए कहा गया है क्योंकि भारतीय शास्त्रों में वर्णन मिलता है कि व्यापार में होने वाले लाभ को 7 हिस्सों में बांटकर समाज में अति पिछड़ा वर्ग की मदद हेतु भी एक हिस्सा उपलब्ध कराया जाना चाहिए ताकि अति गरीब वर्ग भूखा न रहे। यह संस्कार भारतीय नागरिकों में "वसुधैव कुटुम्बकम" की भावना का संचार करते है। इसी कारण से आज विश्व भर में फैले आतंकवाद से निपटने में केवल भारतीय सनातन संस्कृति ही सक्षम दिखाई देती है। अतः भारतीय सनातन संस्कृति को पूरे विश्व के हितार्थ समस्त देशों को अपनाना चाहिए, आज यह विमर्श खड़ा किए जाने की सख्त आवश्यकता है। पश्चिमी देशों के नागरिकों के लक्ष्य भौतिक (जड़) हो रहे हैं और चेतना कहीं पीछे छूट रही है। केवल आर्थिक विकास अर्थात अर्थ का अर्जन करना ही जैसे इस जीवन का मुख्य उद्देश्य हो। परंतु, भारत के नागरिक सनातन संस्कृति का अनुसरण करते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के अहसास के प्रति भी सजग दिखाई देते हैं, अर्थात उनमें चेतना के दर्शन भी होते हैं। इसीलिए भारत ने विश्व में दिलों को जीता है एवं कभी भी किसी देश पर आक्रमण करते हुए उनकी भूमि के एक इंच हिस्से पर भी अपना कब्जा नहीं जमाया है। साथ ही, भारत में "संयुक्त परिवार ही भारतीय नागरिकों के सुख का आधार है"। पश्चिमी देशों में तो आज संयुक्त परिवार दिखाई ही नहीं देते हैं और इसके दुष्परिणाम के रूप में वहां पर सामाजिक ताना-बाना छिन्न-भिन्न होता दिखाई दे रहा है। इन देशों में तलाक की दर बहुत अधिक है और इन देशों में नागरिक एक जीवन में 7 शादियां तक कर लेते हैं जबकि भारत में शादी को एक पवित्र बंधन मानते हुए पति-पत्नी के लिए विवाह नामक संस्था को 7 जन्मों का बंधन माना जाता है। एक से अधिक शादियां करने के चलते पश्चिमी देशों में बच्चों को अपने पिता के बारे में ही जानकारी नहीं रह पाती है। बुजुर्ग दम्पति अपने अंतिम समय पर बहुत पीड़ादायी जीवन जीने को मजबूर हैं। बच्चों में हिंसा की प्रवृति बढ़ रही है एवं छोटे छोटे बच्चे डीप्रेशन का शिकार हो रहे हैं। उक्त प्रकार की कई सामाजिक बुराईयों ने इन देशों में अपना घर बना लिया है। "भारत ने विश्व का दिल जीता है" एवं "भारतीय संयुक्त परिवार ही सुख का आधार है", "सेवा कार्य भारतीय नागरिकों के DNA में है" जैसे विमर्श आज हम भारतीयों को गढ़ने की जरूरत है। पश्चिमी विचारधारा में उत्पादों के अधिकतम उपभोग को जगह दी गई है। आज को अच्छी तरह से जी लें, कल किसने देखा है, यह पश्चिमी सोच, चर्च की प्रेरणा एवं भौतिकवाद पर आधारित है। इस्लाम एवं ईसाईयत में पुनर्जन्म पर विश्वास नहीं किया जाता है। जो कुछ भी करना है वह इसी जन्म में करना है।

दृष्टि कोण

हरियाणा विधानसभा चुनाव राजनीतिक भविष्य का दिशा-निर्देश

हरियाणा वृषि प्रधान होने के साथसाथ, महत्वपूर्ण साइबर सिटी व उद्योगों का गढ़ है। राजधानी दिल्ली के साथ-साथ मिला हुआ, हरियाणा राज्य, राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
हरियाणा के चुनावी परिणाम, भारत की राजनीति में निर्णयक भूमिका निभाते रहे हैं। इन चुनावों का आने वाले दिल्ली और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों पर भी इन चुनावों का प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। 05 अक्टूबर 2024 को हरियाणा में विधानसभा चुनाव संपन्न हो गए हैं। क्या भाजपा, हरियाणा चुनावों में हैट्रिक बना सकती है? विभिन्न राजनीतिक दलों ने साम, दाम, दंड, भेद, सब वुछ छौंक दिये हैं। इसकी संभावनाओं के बारे में हमें वुछ जानकारी व विश्लेषण करना होगा। हरियाणा चुनाव 2024: सीएम नायब सिह सैनी और वेंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर की अगुआई वाली भाजपा हैट्रिक बनाने की कोशिश में है। भूपेंद्रसिह हुड्डा बनाम मंजू हुड्डा, सांपला-किलोई में आमने सामने हैं। अनेक मुद्दे, हरियाणा में हमेशा निर्णायक रहे हैं। रोज़गार, 36 बिरादरी, किसानों का मुद्दा, मिनिमम सपोर्ट प्राइस, अग्नि वीर योजना, शिक्षा, आदि, हरियाणा के महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। भाजपा ने सही पैंतरा खेला है। मनोहारी लाल खट्टर, एक पंजाबी कपड़ा व्यापारी थे, परंतु उनके पीएम नरेंद्र मोदी के साथ भावनात्मक रिश्ते रहे हैं, क्योंकि जब नरेंद्र मोदी, भाजपा के महासचिव व हरियाणा प्रभारी थे, तो मनोहर लाल खट्टर ही उन्हें अपने स्वूटर पर जगह-जगह ले कर जाते रहे हैं। फिर दोनों एक ही कमरे में रहते थे जहाँ मिलकर वे 'खिचड़ी' बनाते व खाते रहे। उससे पहले मनोहर लाल खट्टर का नाम हरियाणा राजनीति में अधिक नहीं जाना जाता था। खैर! हरियाणा विधान सभा के चुनाव एक ही चरण में हुए हैं, जिसमें भाजपा सत्ता में वापसी की कोशिश करेगी और कांग्रेस उसे छीनने के लिए बेताब है। हरियाणा के चौटाला परिवार, जो ज़्यादातर 'जननायक जनता पाटा' व 'इंडियन नेशनल लोकदल' में हैं, चौधरी देवीलाल की विरासत को पुनजावित करने की कोशिश कर रहे हैं। हरियाणा विधानसभा चुनाव और एग्ज़िट पोल की बारीकियों पर गौर करने से पहले, भाजपा की ताकत, कमज़ोरियों, अवसरों और खतरों पर भी हम एक नजर डाल लेते हैं। भूपेंद्र सिह हुड्डा के कट्टर विरोधी, अशोक तंवर (दलित समाज) को फिर से कॉंग्रेस के प्रति वफ़ादारी के कारण, राहुल गांधी ने गले लगा कर, कॉंग्रेस में वापसी कारवाईं है। साथ ही हरियाणा में 'आया-राम, गया-राम' की राजनीति लगातार जारी रही है। भारतीय जनता पाटा, जिसे वुछ झटके भी लगे हैं, इस साल अपनी वापसी की क्षमता पर भरोसा रख रही है। इससे पहले मार्च 2024 में, पाटा एक बड़े संकट के बाद सत्ता में रही, जब जेजेपी के साथ उनका गठबंधन टूट गया था। भारत भर में भाजपा के महिला-वेंद्रित चुनाव अभियान हुआ, जिसे उसने हरियाणा तक बढ़ाया। इससे भाजपा को महिला मतदाताओं के बीच लोकप्रियता मिली है। हरियाणा में बेरोज़गरी एक बड़ा मुद्दा है। भाजपा ने अपने घोषणापत्र में 10 औद्योगिक शहर स्थापित करने और प्रत्येक क्षेत्र में 50,000 युवाओं के लिए रोज़गार देने का वादा किया है। पिछले वुछ सालों से भाजपा अंतरराष्ट्रीय खेलों पर ध्यान वेंद्रित कर रही है। हरियाणा के ही, नीरज चोपड़ा द्वारा लगातार दो ओलंपिक पदक और कईं वैश्विक स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतने के बाद, भाजपा अपनी 'टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना' पर ज़ोर दे रही है। अब भाजपा ने सत्ता में आने पर हरियाणा के हर ज़िले में 'ओलंपिक नर्सरी' स्थापित करने का वादा किया है। इससे भाजपा को युवाओं का समर्थन प्राप्त होने की संभावना है। नौ साल सत्ता में रहने के बाद, भाजपा स्पष्ट रूप से हरियाणा में 'सत्ता विरोधी लहर' से भी जूझ रही है। 2019-20 के किसानों के विरोध व चल रहे वृषि आंदोलन से निाति रूप से भाजपा की छवि को नुकसान पहुँचा है। उस समय हरियाणा के मुख्य सचिव, विजय वर्धन और पुलिस महानिदेशक मनोज यादव ने किसानों के आगे गड्डे गाढ़े और किसानों पर गोलियां चलाईं व डंडे मारे। इन अधिकारियों ने हरियाणा के किसानों में कच्ची की, और उनका रोष हरियाणा सरकारी को झेलना पडा। फ़िर क्यों मनोहर लाल खट्टर व अनिल विज ने, विजय वर्धन को, सेवानिवृत्ति के उपरांत, हरियाणा का 'मुख्य सूचना आयुत्त' निर्वाचित किया? जिस विजय वर्धन ने किसानों को पिटवाया, उसे पुरस्वृत किया गया? मार्च 2024 में भाजपा ने दुष्यंत चौटाला की जेजेपी के साथ ब्रेकअप देखा। इसके कारण लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मनोहर लाल खट्टर सरकार गिर गईं। ब्रेकअप का असर संसदीय चुनावों में भी देखने को मिला, क्योंकि भाजपा ने अपनी 10 में से 5 सीटें खो दीं हैं, जो कि भाजपा के लिए चिन्ताजनक विषय है। इसके वोट शेयर में भी लगभग 12™ की गिरावट आईं।

कुछ अलग

आलोचना का हक

सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट ने यह कहकर सत्ताधीशों को आईना ही दिखाया है कि सरकार की रीति-नीतियों व निर्णयों की आलोचना करना पत्रकारों का अधिकार है। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी उन पत्रकारों के लिये राहतकारी है जो राज्यों में विभिन्न राजनीतिक दलों की सरकारों के खिलाफ मुखर होने पर दमन का शिकार बने। कई राज्यों में उनकी गिरफ्तारी भी हुई, मारपीट हुई और गंभीर धाराओं में गिरफ्तारी दिखायी गई। कई पत्रकारों के संदिग्ध परिस्थितियों का शिकार बनने की खबरें भी यदा-कदा आती रहती हैं। निश्चय ही उन निर्भीक पत्रकारों के लिये सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी सुकून देने वाली है, जो राजनीतिक दुराग्रह का शिकार बने हैं। ये आने वाला वक्त बताएगा कि कोर्ट की टिप्पणी के आलोक में सरकारें अपनी रीति-नीतियों में कितना बदलाव करती हैं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी उत्तर प्रदेश में एक पत्रकार के विरुद्ध दर्ज मुकदमे की सुनवाई के दौरान की। शीर्ष अदालत ने इस तरह उन सत्ताधीशों को आईना ही दिखाया जो आलोचना बर्दाश्त न करके मीडियाकर्मियों के खिलाफ आक्रामक हो जाते हैं। देश में आजादी के बाद भी बड़े राजनेता मीडिया द्वारा किसी नीति या फैसले के खिलाफ की गई आलोचना को सहजता से लेते थे। बाकायदा संसद में विपक्षी सांसद अखबार की प्रतियां लहराकर खुली बहस की मांग किया करते थे। यही वजह है कि हालिया टिप्पणी के दौरान शीर्ष अदालत ने अभिव्यक्ति की आजादी से जुड़े संविधान के अनुच्छेद की याद दिलायी। इस तरह कोर्ट ने बेबाकी से सत्ता की निरंकुशता के खिलाफ मुखर रहे पत्रकारों को संबल ही प्रदान किया है। यह विडंबना है कि कई राज्यों में सत्ताधीशों ने तल्ख आलोचना, कार्टून बनाने तथा सोशल मीडिया पर की गई आलोचना को लेकर दुराग्रह दिखाया। इसमें मुकदमे दर्ज करने , गिरफ्तारी और जेल के सीखचों के पीछे डालने के मामले भी सामने आए। राजनेताओं में अब आलोचना के प्रति वह सहिष्णुता नजर नहीं आती, जो समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं की अपरिहार्य शर्त है। हाल के वर्षों में देखा गया है कि राजनेता किसी आलोचनात्मक टिप्पणी के बाद आक्रामक मुद्रा में आ जाते हैं। यहां तक कि कुछ पत्रकारों पर उन धाराओं में मुकदमे दर्ज किये जाते हैं, जो कि राष्ट्र विरोधी तत्वों के खिलाफ दर्ज होते हैं। हद तो तब हो जाती है जब मुकदमें गैरकानूनी गतिविधियां निवारण अधिनियम के तहत भी दर्ज होते हैं। ऐसे मामलों में पत्रकारों की जमानत कराना भी टेढ़ी खीर बन जाती है। निश्चित तौर पर ऐसे कदम दुराग्रह से प्रेरित होकर ही उठाये जाते हैं। विगत के वर्षों में शीर्ष अदालत व्यापक संदर्भों में कह चुकी है कि सरकार की आलोचना करने को राष्ट्रद्रोह की संज्ञा नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद निरंकुश सत्ताधीश अपनी हरकतों से बाज नहीं आते। यह प्रवृत्ति सदियों से चली आ रही है कि जो कुछ सरकारें जनता से छिपाना चाहती हैं, उसे उजागर करने वालों को अपना दुश्मन मान लेती हैं। फिर साम-दाम-दंड-भेद से उस आवाज को खामोश करने में लग जाती हैं। धीरे-धीरे सरकारें आलोचनाओं के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने लगीं। दरअसल, सत्ताधीशों को ढोल की पोल खुलने का भय सताता रहता है। दुनिया के सभ्य समाजों व जागरूक लोकतंत्रों में आलोचना को स्वीकार करने की समृद्ध परंपराएं विद्यमान हैं। इसी से किसी देश की स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपराओं, सामाजिक विकास और उन्नति का मूल्यांकन किया जाता है। यह अच्छा है कि अदालतें समय-समय पर अभिव्यक्ति की आजादी को संबल प्रदान करती हैं। विडंबना है कि आजादी के सात दशक बाद भी हम देश में आम जनमानस को इतना जागरूक नहीं कर पाये कि वे अपने निष्पक्ष सूचना पाने के अधिकार के प्रति जागरूक हो सकें।

देश दुनिया से

विमान अपग्रेड के जरिए ताकत बढ़ाने की कवायद

चीन व पाक सीमा पर चुनौतियां जगजाहिर हैं। भारतीय वायुसेना के पास इस समय 30 स्क्वॉड्रन लड़ाकू विमान हैं। सामरिक चुनौतियों के मद्देनजर भारत के पास लगभग 45 स्क्वॉड्रन लड़ाकू विमान होने चाहिए। सीमा पर किसी भी दुश्मन को अवसर न मिले इसके लिए भारत पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बनाने की योजना पर काम कर रहा है जो फीचर्स में राफेल विमान से भी ज्यादा शक्तिशाली होंगे। इस पर भारी धनराशि खर्च होगी। इसके लिए सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों के 50 से ज्यादा सिस्टम अपग्रेड कर उन्हें अत्याधुनिक बनाया जाएगा। स्वदेशी तकनीक से अपग्रेड होने के बाद ये विमान काफी खतरनाक हो जाएंगे और अगले तीन दशक तक बेहतर सेवाएं दे सकेंगे।

आठ अक्तूबर, 1932 से धीरे-धीरे प्रगति करती हुई भारतीय वायुसेना अपने 93वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। इस बीच ऐसे कई अवसर आए जब भारतीय वायुसेना के जांबाजों ने शत्रु के दांत खट्टे करके अपनी ताकत का अहसास करवाया। प्रत्येक युद्ध को जीतने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। चीन व पाक सीमा पर चुनौतियां जगजाहिर हैं। भारतीय वायुसेना के पास इस समय 30 स्क्वॉड्रन लड़ाकू विमान हैं। सामरिक चुनौतियों के मद्देनजर भारत के पास लगभग 45 स्क्वॉड्रन लड़ाकू विमान होने चाहिए। सीमा पर किसी भी दुश्मन को अवसर न मिले इसके लिए भारत पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान बनाने की योजना पर काम कर रहा है जो फीचर्स में राफेल विमान से भी ज्यादा शक्तिशाली होंगे। इस पर भारी धनराशि खर्च होगी। इसके लिए सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों के 50 से ज्यादा सिस्टम अपग्रेड कर उन्हें अत्याधुनिक बनाया जाएगा। स्वदेशी तकनीक से अपग्रेड होने के बाद ये विमान काफी खतरनाक हो जाएंगे और अगले तीन दशक तक बेहतर सेवाएं दे सकेंगे। योजना के तहत पहले 84 सुखोई विमानों को अत्याधुनिक बनाया जाएगा। मॉडर्न राडार सिस्टम को लगाया जाएगा जिससे सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमानों की डिटेक्शन रेंज बढ़ जाएगी। इनमें अस्त्र मिसाइलें तैनात की जायेंगी। जिससे 350 किमी दूरी तक लक्ष्य को नष्ट करना आसान हो जाएगा। वायु सेना ने मुख्य लड़ाकू विमान सुखोई विमानों के इंजन के लिए बीते माह 26000 करोड़ रुपये का समझौता हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से किया है। जिसके तहत एचएएल सुखोई-30 एमकेआई विमानों के लिए स्वदेशी तकनीक के 240 एयरो इंजन (एएल-31एफपी) तैयार करेगा। इनके निर्माण की जिम्मेदारी उड़ीसा के कोरापुर डिविजन को दी गई है। इसका पहला इंजन एक अक्तूबर को वायु सेना को सौंपा जा चुका है। एचएएल हर साल ऐसे 30 इंजनों की आपूर्ति करेगा। इस तरह 240 इंजनों की आपूर्ति आठ साल में पूरी हो जाएगी। इससे वायु सेना को सुखोई-30 विमान बेड़े की परिचालन क्षमता बनाए रखने में मदद मिलेगी। यह समझौता वायु सेना के लड़ाकू विमानों के स्क्वाड्रन में कमी आने तथा एचएएल द्वारा स्वदेशी तेजस विमानों की आपूर्ति में देरी की चिन्ताएं दूर करेगा। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक ये इंजन 54 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री से निर्मित होंगे। वायु सेना के विमान बेड़े को ताकतवर बनाने के मकसद से अब रूस के साथ सह उत्पादन में नई पीढ़ी के सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान बनाए जाएंगे। इस पर दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल में हुई रूस यात्रा के दौरान भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई। एचएएल अपने कारखाने को इनके निर्माण के लिए तैयार कर रहा है। वायु सेना के पास इस समय 259 सुखोई विमान हैं जो सभी संचालन अवस्था में नहीं। ज्यादातर सुखोई 2000-2010 के बीच वायु सेना में शामिल किए गए। इन्हें हर 15 साल बाद अपग्रेड किया जाता है, 10 वर्ष बाद इनकी संख्या काफी कम हो जाएगी। इसीलिए बेड़े में नये अपग्रेडेड सुखोई विमान जोड़ने की तैयारी कर ली गई है। अब रूस ने अपने सुखोई-75 चेकमेट लड़ाकू विमान की खरीद का ऑफर भारत को दिया है, वह भी कम कीमत पर। रूस इस लड़ाकू विमान की तकनीक भी देने को तैयार है। रूसी रक्षा अधिकारियों का कहना है- ये अत्याधुनिक विमान राडार की पकड़ में नहीं आते। ये एआई से लैस विमान हैं। इनकी गति 1.8 मैक है और 3000 किमी तक लक्ष्य को नेस्तनाबूद करने की क्षमता है। यह विमान 7.4 पेलोड के साथ 54000 से अधिक ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है। हवा से हवा तथा हवा से जमीन पर मार करने वाले हथियार अपने अंदर छिपाए रखता है। वायु सेना का विमान बेड़ा बढ़ाने के लिए देश में निर्मित तेजस लड़ाकू विमानों की खरीद की जाएगी। कुछ समय पहले 123 विमानों का आर्डर एचएएल को दिया गया। अब 97 तेजस और खरीदे जाएंगे। उसके बाद 200 और तेजस विमान लिए जाने की योजना है। भारत में अभी तेजस मार्क-1 बनाए जा रहे हैं। आने वाले दिनों में जीई इंजन एफ-414 वाले तेजस मार्क-2 लड़ाकू विमानों का निर्माण देश में शुरू हो जाएगा। उम्मीद है कि 2026 में इसकी पहली उड़ान पूरी होगी। यह बहुउद्देश्यीय सुपरसोनिक लड़ाकू विमान होगा। इनकी सबसे बड़ी ताकत इनकी स्पीड है जो अधिकतम 2385 किलोमीटर प्रति घंटे होगी। कुल रेंज 2500 तथा 1500 किमी लड़ाकू रेंज होगी। यह 6500 किलोग्राम वजन के हथियार लेकर उड़ सकेगा। भारत 5.5वीं पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू विमान को विकसित करने की योजना पर भी काम कर रहा है। डीआरडीओ इसे विकसित कर रहा है। यह भारत का पहला स्टील्थ फाइटर होगा जो भारी और अधिक हथियार ले जा सकेगा।

आप का नजरिया

हाथ में राइफल-मुस्लिम देशों से अपील

देशों से अपील ईंरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेईं करीब पांच साल बाद जुमे की नमाज के दिन सार्वजनिक तौर पर उपस्थित हुए। खामेनेईं की यह सार्वजनिक मौजूदगी इसलिए भी खास है क्योंकि इजरायल और ईंरान के बीच तनाव के माहौल में उनके भूमिगत हो जाने की अटकले लगाईं जा रहीं थीं। इन अटकलों के पीछे की वजह वुछ दिनों के अंदर ही हमास और हिज्बुल्लाह के कई वरिष्ठ नेताओं और कमांडरों की हत्या भी है। ईंरान इसके लिए इजरायल को दोषी ठहराता है और इसी का बदला लेने के लिए उसने इजरायल पर जबरदस्त मिसाइली हमला किया था। ईंरान इंटरनेशनल मीडिया ग्राुप के मुताबिक, करीब पांच साल बाद शुव्रावार की नमाज में खामेनेईं की पहली बड़ी सार्वजनिक मौजूदगी थी। उसके मुताबिक खामेनेईं ने वही पुरानी इजरायल और अमेरिका के खिलाफ भारत समेत उस वैचारिक नैरेटिव की बात कही जो उन्होंने 1979 से जारी रखी है। 1979 में ईंरान में इस्लामिक व्रांति के बाद वहां नईं सत्ता कायम हुईं थी। ईंरान पर नजर रखने वाले लोग मानते हैं कि यह कार्यव्राम खामेनेईं के प्रति समर्थन और तेहरान की सुरक्षा को प्रादर्शित करने के लिए आयोजित किया गया था। इस कार्यव्राम का मकसद उन अफवाहों को दूर करना भी था जिसमें कहा गया था कि 28 सितम्बर को बेरुत में हिज्बुल्लाह नेता नसरुल्लाह की मौत के बाद खामेनेईं एक गुप्त बंकर में छिपे हुए हैं। इजरायल के प्रामुख अखबार द टाइम्स ऑफ इजरायल लिखता है कि ईंरान के सर्वोच्च नेता खामेनेईं ने अपने उपदेश के दौरान हाथ में बंदूक लेकर दावा किया कि इजरायल हमास और हिज्बुल्लाह को कभी नहीं हटा पाएगा। खामेनेईं ने शुव्रावार को अपने धार्मिक उपदेश में इसी सप्ताह इजरायल पर किए गए मिसाइल हमले का समर्थन किया। इन मिसाइल हमलों की वजह से क्षेत्रीय युद्ध की आशकाएं बढ़ गईं हैं। इजरायल किसी भी समय ईंरान पर जवाबी हमला कर सकता है। निशाने पर है ईंरान के तेल भंडार और परमाणु ठिकाने। द टाइम्स ऑफ इजरायल के मुताबिक खामेनेईं ने आतंकी प्रामुखों की हत्या के बाद यह बयान दिया है और कहा है कि ईंरान के मिसाइल हमले यहूदी अपराधों की न्यूनतम सजा है। इस अवसर पर आयतुल्लाह अली खामेनेईं ने तेहरान के मुख्य प्रार्थना स्थल मोसल्ला (ग्रोंड मस्जिद) पर हिज्बुल्लाह चीफ नसरुल्ला की याद में नमाज पढ़ी। इसके बाद उन्होंने एकत्रित हजारों लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया के तमाम मुसलमानों को इजरायल के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। खामेनेईं ने इस्लामी देशों के साथ देने की अपील करते हुए कहा कि वह इजरायल को खत्म करके रहेंगे। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान से यमन और ईंरान से गाजा तक साथी देश शत्रु पर कार्रवाईं को तैयार हैं। करीब 40 मिनट लंबे भाषण में खामेनेईं ने इजरायल पर मंगलवार दागी गईं करीब 200 मिसाइलों को ईंरान सशस्त्र बलों की शानदार कामयाबी बताया। आयतुल्लाह खामेनेईं ने इजरायल से हो रही जंग में मारे जाने वाले लड़ाकों को बहादुर और इस्लाम की राह में वुर्बान होने वाला बताया। उन्होंने कहा लेबनान और फिलस्तीन में रहने वाले आप लोग बहादुर हैं, आप वफादार और धैर्यवान हैं।

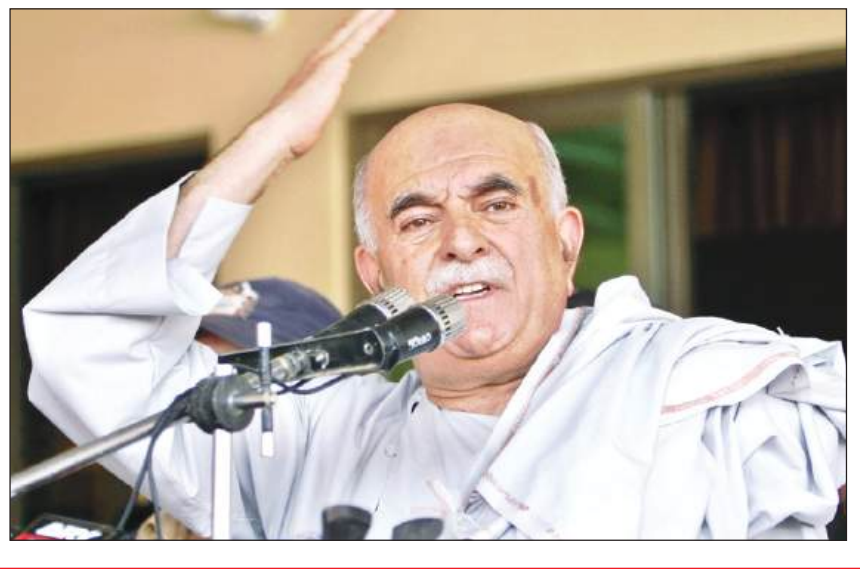

पाकिस्तान की पश्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी करेगी जेल में बंद इमरान खान की हिफाजत

इस्लामाबाद, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में सक्रिय पश्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी (पीकेएमएपी) के अध्यक्ष महमूद खान अचकजई ने कानूनी उलझनों में फंसे पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की हिफाजत करने का ऐलान किया है। उल्लेखनीय है कि सेंट्रल जेल रावलपिंडी में कैद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के संस्थापक (पीटीआई) इमरान खान गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं।

पश्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के अध्यक्ष अचकजई ने सोमवार को घोषणा की कि जुल्फिकार अली भुट्टो के साथ हुए दुखद दुर्व्यवहार को इमरान खान के साथ दोहराया नहीं जाने दिया जाएगा। उन्होंने सरकार को यह चेतावनी लोकतंत्र के शहीदों के सम्मान में किला सैफुल्लाह में आयोजित एक सार्वजनिक समारोह में दी। अचकजई ने कहा कि अगर राजनीति में सेना का कथित हस्तक्षेप जारी रहा, तो पाकिस्तान राजनीतिक अस्थिरता का सामना करता रहेगा और इसका भविष्य अनिश्चितता से भरा रहेगा।

उन्होंने संशोधन के नाम पर संविधान को कमजोर करने के किसी भी प्रयास का विरोध करने की शपथ ली। अचकजई ने सात अक्टूबर, 1983 की घटनाओं को याद किया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने क्वेटा में जुलूस निकाला था। इस दौरान तत्कालीन तानाशाह जनरल जिया से संविधान और लोकतंत्र को बहाल करने का आह्वान किया गया था। इस दौरान मार्शल लॉ अधिकारियों की प्रतिक्रिया क्रूर रही। जुलूस पर की गई गोलीबारी में पार्टी के चार कार्यकर्ता मारे गए और कई घायल हो गए। सैकड़ों कार्यकर्ताओं और समर्थकों को हिरासत में लिया गया। पश्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के नेता अचकजई ने कहा कि इमरान खान का जीवन में संकट में है। डर है जेल में बंद इमरान खान के साथ वही व्यवहार किया जा सकता है जो भुट्टो के साथ किया गया था। मुल्क की हुकूमत इमरान खान की रिहाई की मांग करने पर पीटीआई कार्यकर्ताओं पर जुल्म ढा रही है। उन्होंने मांग की है कि खान और अन्य राजनीतिक कैदियों को तुरंत रिहा किया जाए।

न्यूज ब्रीफ

रावलपिंडी सेंट्रल जेल में बंद इमरान खान 18 अक्टूबर तक किसी से नहीं मिल सकेंगे

रावलपिंडी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की सरकार ने सोमवार को रावलपिंडी सेंट्रल जेल (अदियाला जेल) में कैदियों से मुलाकात पर 18 अक्टूबर तक प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर भी लागू होगा। वह अपने वकीलों, राजनीतिक हस्तियों और परिवार के सदस्यों से नहीं मिल पाएंगे। खबर के अनुसार, पंजाब सरकार ने सुरक्षा चिंताओं के कारण यह निर्णय लिया गया। इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के आगामी शिखर सम्मेलन के मद्देनजर अधिकारियों ने इस्लामाबाद और रावलपिंडी में अभूतपूर्व सुरक्षा प्रबंध करने का निर्णय लिया है। गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने पीटीआई पर एससीओ शिखर सम्मेलन को बाधित करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार शिखर सम्मेलन का शांतिपूर्ण संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सदस्य देशों की अग्रिम सुरक्षा प्रोटोकॉल टीमें इस्लामाबाद पहुंचने लगी हैं। दो दिवसीय शिखर सम्मेलन 15 अक्टूबर से शुरू होगा। राजधानी इस्लामाबाद के चप्पे-चप्पे पर सेना तैनात की गई है। रेंजर्स पहले से ही राजधानी में तैनात हैं।

नेपालः बाढ़ पीड़ितों के लिए भारत ने भेजी राहत सामग्री की पहली खेप

काठमांडू। नेपाल में आई बाढ़ से पीड़ित जनता के लिए भारत की तरफ से राहत सामग्री भेजने का काम शुरू हो गया है। राहत सामग्री की पहली खेप भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से नेपालगंज हवाईअड्डा पर पहुंचाई गई। काठमांडू स्थित भारतीय राजदूतावास के प्रतिनिधि की उपस्थिति में राहत सामग्रियों की पहली खेप नेपाल सरकार तक पहुंचा दी गई है। सोमवार को आई राहत सामग्री को भारतीय दूतावास के द्वितीय सचिव नारायण सिंह ने नेपालगंज हवाईअड्डा पर बांके जिला के प्रमुख जिलाधिकारी खगेन्द्र प्रसाद रिजाल को सौंपा है। भारतीय दूतावास की तरफ से बताया गया है कि करीब 2 करोड़ रुपये की 4.20 टन सामग्री नेपाल के बाढ़ पीड़ितों के लिए दी गयी है। दूतावास की तरफ से जारी बयान के मुताबिक राहत सामग्री में टेंट, ट्रिपोलिन से लेकर स्लीपिंग बैग और अत्यावश्यक औषधियां दी गई है। बाढ़ के कारण सबसे अधिक समस्या पीने के पानी की होती है जिसके लिए भारत सरकार की तरफ से बड़ी मात्रा में क्लोरिन टैबलेट, पानी की बोतलें दी गई है। दूतावास की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक राहत सामग्रियों की दूसरी खेप मंगलवार शाम तक पहुंचने की उम्मीद है। बांके जिला के प्रमुख जिलाधिकारी ने बताया कि सभी सामग्रियां आने के बाद इसे एक साथ काठमांडू भेजा जाएगा। काठमांडू हवाईअड्डे पर इस समय विमानों के अत्यधिक संचालन के कारण एयर ट्रैफिक की समस्या हो रही है, जिस कारण से भारत से भेजे गई राहत सामग्री को नेपालगंज भेजा गया है।

जयशंकर एससीओ बैठक में लेंगे भाग, पाकिस्तान से संबंधों पर नहीं करेंगे बात

करांची। भारत ने पाकिस्तान के निमंत्रण का सम्मान करते हुए कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर पाकिस्तान

जाएंगे। एससीओ कॉन्फ्रेंस में भारत शिरकत करेगा। लेकिन पाक मीडिया को ये बात हजम ही नहीं हो रही है। पाकिस्तानी टीवी चैनल में बैठे एक्सपर्ट्स उन्हें समझा रहे हैं और दूसरी तरफ पाकिस्तानी आवाम शहबाज सरकार को कोस रही है। जयशंकर ने कहा कि मैं इस महीने पाकिस्तान जाने वाला हूं और ये मेरी यात्रा एससीओ मीटिंग के मद्देनजर होगी। एस जयशंकर ने साफ कर दिया कि मैं बहुपक्षीय वार्ता में हिस्सा लूंगा। भारत और पाकिस्तान के संबंधों पर बात करने नहीं जा रहा हूं। मैं एससीओ का एक जिम्मेदार सदस्य होने के नाते वहां जा रहा हूं। कुल मिलाकर कहें कि पाकिस्तान ने एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए विदेश मंत्री एस जयशंकर की आगामी इस्लामाबाद यात्रा के दौरान द्विपक्षीय मुद्दों पर भारत के साथ बातचीत से इनकार कर दिया। भारत ने घोषणा की कि जयशंकर इस्लामाबाद में एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए पाकिस्तान में एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। जयशंकर ने अपनी पाकिस्तान यात्रा के दौरान द्विपक्षीय वार्ता की संभावनाओं से इनकार किया है।

इजराइल ने हिजबुल्लाह का एक और कमांडर मार गिराया, गाजा में हमास के 3 आतंकी ढेर

बेरूत/गाजा, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिण में हुए इजराइल के हमले में वरिष्ठ हिजबुल्लाह कमांडर मारा गया। इजराइल के सुरक्षा बलों (आईडीएफ) ने मंगलवार को कहा कि मारा गया कमांडर सुहैल हुसैनी ईरान समर्थित-पोषित आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह के रसद, बजट और प्रबंधन का काम देखता था। इजराइल के सैन्य प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने इसकी पुष्टि की है। उधर, गाजा में हुए इजराइली हमले में हमास के तीन आतंकी मारे गए।

आईडीएफ ने कहा है कि हुसैनी ईरान से लाए गए अत्याधुनिक हथियारों का वितरण समूह की इकाइयों को करता था। वह आतंकवादी समूह की सैन्य परिषद का सदस्य था। उल्लेखनीय है कि इजराइल के हमले में हिजबुल्लाह का सरगना सैय्यद हसन नसरल्लाह भी ढेर हो चुका है। उसके बेटा-बेटी और कई शीर्ष कमांडर मारे जा चुके हैं।

इस बीच हिजबुल्लाह ने फिर कहा कि जब तक गाजा पट्टी में इजराइल और आतंकी संगठन हमास में संघर्ष विराम नहीं होता तब तक वह इजराइल में रॉकेट, मिसाइल और ड्रोन से हमला करता रहेगा। आईडीएफ के एक्स हैंडल में कहा गया है कि ताजा हमले में सात अक्टूबर, 2023 के नरसंहार में शामिल हमास के तीन आतंकवादी गाजा में मारे गए। तुर्किये ने लेबनान से अपने 2,000 नागरिकों को निकालने के लिए नौसेना के जहाज भेजने का फैसला किया है।

लेबनान के अल-मनार समाचार चैनल के अनुसार इजराइल के हमलों में बेरूत के दक्षिणी उपनगर, दक्षिण और बेका क्षेत्र में अनगिनत घर नष्ट हो गए हैं। इजराइल ने लेबनान के विभिन्न इलाकों को निशाना बनाया गया है। सोमवार शाम इजराइल ने अदलून और अंसारियाह के बीच दीर तकलिया के साथ जौतार अल-शरकिया, अल-बिसारियाह, अल्मा अल-शाब, टायरा, अल-शैतिया और अल-दुवेर शहरों पर हमले शुरू किए हैं। इन हमलों से अल-खियाम शहर भी प्रभावित हुआ है। इजराइल ने बुर्ज अल-शामली के बाहरी इलाके और अल-खियाम शहर के अलावा अलमा अल-शाब, नकौरा सहित बिंट जेबील जिले के कई गांवों में बमबारी की है। इस हमले में पश्चिमी बेका क्षेत्र में दो नागरिक मारे गए इजराइली युद्धक विमानों ने कलिया शहर में एक घर पर हमला किया। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,083 और घायलों की संख्या 9,869 है। हिजबुल्लाह ने लेबनान से सोमवार आधी रात बाद इजराइल के कई क्षेत्रों को निशाना बनाया। हिजबुल्लाह के सैन्य मीडिया ने कहा है कि तेल अवीव पर मिसाइल हमला किया गया। इस हमले में इजराइली सैन्य खुफिया यूनिट 8200 के गिलिलोट बेस को निशाना बनाया गया। इजराइल के सुरक्षा बलों ने दावा किया है कि लेबनान से तेल अवीव की ओर दागे गए कई रॉकेट को निष्प्रभावी कर दिया गया। हिब्रू मीडिया के अनुसार तेल अवीव पर सोमवार रात गाजा, यमन और लेबनान से मिसाइल दागी गईं। हिजबुल्लाह ने रात 12.05 बजे से सुबह पांच बजे तक रॉकेट से ताबड़तोड़ हमले किए।

इजराइल खामनेई के घर और रिव्ल्यूशनरी गार्ड मुख्यालय पर कर सकता है हमला

तेल अवीव। इजराइल और हमास के बीच की जंग ने अब एक नया मोड़ ले लिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इजराइल ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामनेई के घर और ईरानी रिव्ल्यूशनरी गार्ड के मुख्यालय को अपने निशाने पर लिया है। ऐसे में माना जा रहा है कि क्या इजराइल की इन जगहों पर बम गिराने की योजना है और अगर ऐसा है तो इसका नतीजा क्या होगा इजराइल और ईरान के बीच का तनाव अब और भी ज्यादा खतरनाक रूप ले रहा है। इजराइल और ईरान के बीच गुप्त हमले और साइबर युद्ध जैसी गतिविधियां नजर आ रही है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर इजराइल हमेशा से चितिंत रहा है। अब इजराइल ईरान के प्रमुख ठिकानों पर हमले की बात कर रहा है। ये संघर्ष एक बड़े युद्ध में तब्दील हो सकता है। ईरान के विदेश मंत्री ने दमिश्क में कहा कि हम गाजा और लेबनान में संघर्ष विराम करने का प्रयास कर रहे हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल को अपनी रक्षा करने और इन हमलों का जवाब देने का अधिकार है और वह ऐसा करेगा। लेबनान पर उन्होंने कहा कि अभी हमारा काम खत्म नहीं हुआ है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से सवाल किया कि क्या आप ईरान के न्यूक्लियर साइट पर हमले का समर्थन करेंगे। बाइडेन ने कहा नहीं। उन्होंने कहा कि हम इजराइल के साथ बात कर रहे हैं कि वे क्या करने वाले हैं लेकिन उनके अनुपात का ध्यान रखना चाहिए।

अब पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को दी नसीहत कहा- हमें ज्ञान न दे, अपने घर में झांकें

इस्लामाबाद, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

दुनिया में इस वक्त चौतरफा अशांति फैली हुई है। इसी बीच पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनातनी की खबरें भी डराने लगी हैं। पाकिस्तान और तालिबान के बीच काफी समय से तनातनी चल रही है। इसकी एक बड़ी वजह आतंकियों को पनाह देने का मुद्दा रहा है। पाकिस्तान की ओर से तालिबान पर आरोप लगाए जाते रहे हैं कि अफगानिस्तान की जमीन पर आतंकियों को शरण मिल रही है। वहीं तालिबान सरकार की ओर से पाक पर ही कई गंभीर आरोप लगाए जाते रहे हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने तालिबान सरकार के इस्लामाबाद में तनावपूर्ण स्थिति पर आए बयान को खारिज करते हुए कहा कि अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार (एआईजी) हमें सीख देने के बजाय अपनी घरेलू समस्याओं को ठीक करने पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करे। रिपोर्ट के मुताबिक, अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने इमरान खान की पार्टी पीटीआई समर्थकों के इस्लामाबाद की ओर मार्च करने के बाद हुई अशांति पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि पाकिस्तान में सरकार और विपक्षी पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच तनाव पैदा हो रहा है, जिसका पूरे क्षेत्र पर नकारात्मक असर हो सकता है।

पाकिस्तान विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने सोमवार को अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की ओर से आए बयान को तुच्छ कहते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि तालिबान की ओर से पाकिस्तान के घरेलू मामलों में ये गैरजरूरी और निंदनीय हस्तक्षेप है। बलूच ने कहा, एक लोकतांत्रिक देश को व्याख्यान देने के बजाय एआईजी को अपनी घरेलू समस्याओं को ठीक करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। वह समावेशिता को प्राथमिकता दें और अपने अधिकारों में कटौती करने के बजाय महिलाओं और लड़कियों के लिए शिक्षा के अधिकार सहित अपने स्वयं के लोगों की जरूरतों और आकांक्षाओं के प्रति उत्तरदायी रहें। मुमतान बलूच ने कहा कि एआईजी को पड़ोसी देशों में शांति के लिए गंभीर खतरा पैदा करने वाले आतंकी समूहों को जगह ना देकर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को दी गई प्रतिबद्धताओं को पूरा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान क्षेत्र में शांति, बातचीत और सहयोग के लिए प्रतिबद्ध है।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने फ्लोटिंग एलएनजी टर्मिनल पर समिट ग्रुप के साथ अनुबंध रद्द किया

ढाका, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने दूसरे फ्लोटिंग एलएनजी टर्मिनल (एफएसआरयू) पर समिट ग्रुप के साथ अनुबंध रद्द कर दिया है। विद्युत, ऊर्जा और खनिज संसाधन मंत्रालय के निर्देश पर अनुबंध रद्द किया गया है।

खबर के अनुसार, पेट्रोबांग्ला के चेयरमैन जनेंद्र नाथ सरकार ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। इस बारे में समिट ग्रुप ने कहा कि उसे अनुबंध रद्द करने का नोटिस प्राप्त हुआ है। ग्रुप ने कहा है, यह अनुचित है और समीक्षा के लिए अपील की जाएगी। समूह के पास बांग्लादेश में दीर्घकालिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को जिम्मेदारी से लागू करने का अच्छा ट्रैक रिकॉर्ड है।

उल्लेखनीय है कि 30 मार्च को पेट्रोबांग्ला और समिट ग्रुप ने बांग्लादेश में तीसरे एफएसआरयू के निर्माण के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे। टर्मिनल निर्माण के अलावा, दोनों 2026 के अंत तक सालाना 1.5 मिलियन टन तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति करने पर भी सहमत हुए थे।

संघर्ष के बीच भारत का फैसला, लेबनान को भेजेंगे मदद, अमेरिका-इजराइल हैरान

बेरूत, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत ने इजराइल और ईरान के बीच संतुलन बनाकर दुनिया में ये साबित कर दिया कि वह अपने सभी दोस्तों के साथ खड़ा है। इस बार भारत ने लेबनान को मेडिकल सहायता देने का फैसला किया है। ये कदम अपने आप में बड़ी कूटनीतिक है। मध्य पूर्व में टकराव इजराइल और उसके पड़ोसी देशों के बीच बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। इजराइल और लेबनान के हिजबुल्लाह के बीच के संघर्ष ने एक बड़ा रूप ले लिया है। इसके साथ इजराइल, ईरान के खिलाफ भी लंबे समय से लड़ाई जारी रखे हुए है। लेकिन इन सब के बीच भारत ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाया है। भारत ने न तो किसी पक्ष का समर्थन किया और न ही किसी से दुश्मनी मोल ली। हाल की घटनाओं के चलते कई पश्चिमी और यूरोपी देश इजराइल से दूरी बना रहे हैं। जी7 के सात देशों में केवल अमेरिका ही इजराइल का खुलकर समर्थन कर रहा और हथियार भी सप्लाई कर रहा है। कई देशों ने इजराइल के खिलाफ सख्त रूख अपनाते हुए हथियारों की सप्लाई रोक दी है। अभी हाल ही में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इजराइल को हथियारों की सप्लाई रोकने की बात कह दी थी। अब भारत ने भी अपनी कूटनीति का परिचय देते हुए इजराइल और ईरान दोनों के साथ अपने संबंधों को बनाए रखा है। इजराइल के हमलो में लेबनान के कई आम नागरिक घायल हुए हैं। इस स्थिति को देखते हुए भारत ने लेबनान के लिए मेडिकल किट और अन्य उपकरण भेजना का फैसला लिया है। ये फैसला उसकी फ्रेंडशिप फर्स्ट नीति को दिखाता है जहां वह अपने दोस्त देशों की मदद करने से कभी पीछे नहीं हटता है।

पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ पांच और केस दर्ज

इस्लामाबाद, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ मुल्क के पुलिस थानों में पांच और केस दर्ज किए गए हैं। यह केस चार अक्टूबर को इस्लामाबाद के डी-चौक पर पीटीआई के विरोध प्रदर्शन से संबंधित हैं।

खबर के अनुसार, पीटीआई के कई अन्य नेताओं को भी नामित किया गया है। इनमें खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर और गिलगित-बाल्टिस्तान के पूर्व मुख्यमंत्री खालिद खुर्शीद शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि डी चौक पर विरोध प्रदर्शन से एक दिन पहले तीन अक्टूबर को मुल्क के आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी ने इमरान की पार्टी को इस्लामाबाद पर हमला शुरू करने के खिलाफ चेतावनी दी थी। उन्होंने पीटीआई नेतृत्व से विरोध के अपने फैसले पर पुनर्विचार करने का आह्वान किया था। यह विरोध प्रदर्शन मलेशियाई प्रधानमंत्री की पाकिस्तान यात्रा और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के अंतिम दिन के साथ हुआ।

पूर्व सत्तारूढ़ पीटीआई ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता और पूर्व प्रधानमंत्री की जेल से रिहाई के लिए सरकार विरोधी अभियान शुरू किया है। पीटीआई के कई नेताओं और इमरान की

बहनों अलीमा खान और उज्मा खान को शुक्रवार को विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया गया था। इमरान की बहनों के खिलाफ कोहसर पुलिस स्टेशन में आतंकवाद से संबंधित 16 प्रावधानों सहित गंभीर आरोपों में मामला दर्ज किया गया है।

पीटीआई इस्लामाबाद के अध्यक्ष अमीर मसूद मुगल के खिलाफ भी डी चौक विरोध प्रदर्शन का मामला तरनोल पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है। एफआईआर में पीटीआई संस्थापक, मुख्यमंत्री गंडापुर और 350 अज्ञात व्यक्तियों के अलावा 34 अन्य लोगों को भी शामिल किया गया है। तरनोल पुलिस स्टेशन में दर्ज मामला 13 विभिन्न कानूनी प्रावधानों के तहत दर्ज किया गया।

इसके अतिरिक्त, कराची कंपनी पुलिस स्टेशन में पीटीआई के संस्थापक, अध्यक्ष बैरिस्टर गोहर अली खान और गंडापुर के सूचना सलाहकार बैरिस्टर सैफ के खिलाफ आठ गंभीर धाराओं के तहत एक और मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर में 20 अन्य व्यक्तियों और 250 अज्ञात व्यक्तियों को नामित किया गया है। पीटीआई नेताओं आजम स्वाति और खुर्शीद पर वित्तीय सहायता प्रदान करने का आरोप लगाया गया है। एक मामला रमना पुलिस स्टेशन में पीटीआई संस्थापक और 50 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ छह गंभीर धाराओं के तहत दर्ज किया गया है।

इसके अलावा, पूर्व प्रधानमंत्री को छह गंभीर धाराओं के तहत गोलरा पुलिस स्टेशन में दर्ज एक अन्य प्राथमिकी में नामित किया गया है। एफआईआर में लगभग 30 अन्य और 200 अज्ञात व्यक्तियों के भी नाम हैं। इमरान पर आई-9 पुलिस स्टेशन में एक अन्य एफआईआर में 10 गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इस मामले में अन्य व्यक्तियों में गंडापुर, खुर्शीद और मलिक अमीर के साथ-साथ लगभग 20 व्यक्तियों के अलावा 300 अन्य अज्ञात लोग शामिल हैं।

एचआईएल में भारतीय हॉकी परिदृश्य को बदलने की क्षमता : सलीमा टेटे

बेंगलुरू, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) इस दिसंबर में सात साल के अंतराल के बाद वापसी के लिए पूरी तरह तैयार है। संशोधित एचआईएल 2024-25 में 8 पुरुष टीमें और 6 महिला टीमें शामिल होंगी, जो देश की पहली स्टैंडअलोन महिला लीग होगी जो पुरुषों की प्रतियोगिता के साथ-साथ चलेगी।

लीग 28 दिसंबर को शुरू होगी, जिसमें दो स्थानों झारखंड के रांची में मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम और ओडिशा के राउरकेला में बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम पर मैच खेले जाएंगे। महिला लीग का समापन 26 जनवरी, 2025 को रांची में होगा, जबकि पुरुषों का फाइनल 1 फरवरी 2025 को राउरकेला में होगा।

झारखंड की रहने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे अगले साल की शुरुआत में होम टर्फ पर महिला लीग फाइनल खेलने का सपना देख रही हैं। इस साल की शुरुआत में हरेंद्र सिंह के भारतीय महिला हॉकी टीम की कमान संभालने के बाद इस विस्फोटक मिडफील्डर को कप्तान नियुक्त किया गया था। सलीमा ने हॉकी इंडिया लीग के लिए अपनी उत्सुकता व्यक्त की और कहा कि पूरी टीम इस पर चर्चा कर रही है।

हॉकी इंडिया की एक विज्ञप्ति में सलीमा ने कहा, मैं एचआईएल के लिए बहुत उत्साहित हूँ, यह सात साल बाद फिर से शुरू हो रहा है और इस बार महिला लीग के साथ। पूरी टीम पिछले कुछ दिनों से इस बात पर चर्चा कर रही है कि यह हमारे लिए कितना बढ़िया अवसर है। हम विभिन्न राष्ट्रीयताओं के खिलाड़ियों के साथ घुलमिल पाएंगे, उनके साथ खेलेंगे, उनके खिलाफ खेलेंगे और खिलाड़ियों के रूप में बेहतर बनेंगे।

उन्होंने कहा, यह उन युवाओं को मौका देगा जो सीनियर टीम का हिस्सा नहीं हैं, उन्हें भारतीय खिलाड़ियों और विदेशी खिलाड़ियों की दिनचर्या को करीब से देखने का मौका मिलेगा। और अपने करियर की शुरुआत में उच्च प्रदर्शन वाले, पेशेवर माहौल में रहना उनके विकास के लिए चमत्कारी होगा। मुझे उम्मीद है कि एचआईएल उन खिलाड़ियों के लिए भी फायदेमंद होगा जो टीम से बाहर हैं, उन्हें उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और खुद को तेज रखने का मौका मिलेगा।

एचआईएल 2024-25 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 13 से 15 अक्टूबर तक नई दिल्ली में होगी। प्रत्येक फ्रैंचाइज़ 24 खिलाड़ियों की टीम बनाएगी, जिसमें कम से कम 16 भारतीय खिलाड़ी (4 जूनियर खिलाड़ियों को अनिवार्य रूप से शामिल करते हुए) और 8 अंतरराष्ट्रीय सितारे शामिल होंगे। नीलामी में खिलाड़ियों को 2, 5 और 10 लाख प्रत्येक के आधार मूल्य के साथ तीन स्लैब में विभाजित किया जाएगा।

उन्होंने कहा, नीलामी जल्द ही होने वाली है और शिविर के आसपास हलचल है। चूंकि यह पहला संस्करण है, इसलिए मुझे रांची टीम के लिए खेलने से ज्यादा कुछ पसंद नहीं है। उम्मीद है कि बची हुई दो महिला टीमों में से एक वहां से होगी, हालांकि, हम रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में आधे मैच खेलेंगे, इसलिए मैं इस पर ज्यादा नहीं अटकी हुई हूं, फिर भी एक पूर्ण लीग में खेलना एक शानदार अनुभव होने जा रहा है। यह पहली बार होगा जब हम एक पूरी तरह से नई टीम, नए कोच, नए साथियों के लिए खेलेंगे और मैं हॉकी इंडिया लीग के शुरू होने का और इंतजार नहीं कर सकती।

न्यूज़ ब्रीफ

मनु भाकर ने दीपा करमाकर को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली। डबल ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने दीपा करमाकर को सभी अविस्मरणीय यादों के लिए धन्यवाद दिया। इससे पहले सोमवार को दीपा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर जिमनास्टिक से संन्यास की घोषणा की। मनु भाकर ने मंगलवार को एक्स पर दीपा को उनके अविश्वसनीय करियर के बाद भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं। मनु ने एक्स पर लिखा, दिग्गज दीपा करमाकर को उनके अविश्वसनीय जिमनास्टिक करियर के बाद उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं। अविस्मरणीय यादों और एक पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए धन्यवाद। एशियाई चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतकर दीपा ने इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करा लिया था। महिलाओं के वॉल्ट फाइनल में 13.566 के प्रभावशाली कुल स्कोर के साथ, दीपा ने ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीता, जबकि दक्षिण कोरिया की किम सोन हयांग ने रजत और उनकी हमवतन ज्यो क्योंग ब्याल ने कांस्य पदक जीता। दीपा की सफलता की कहानी जिमनास्ट की अगली पीढ़ी को प्रेरित करती रहेगी। दीपा ओलंपिक में भाग लेने वाली पहली भारतीय जिमनास्ट हैं। त्रिपुरा की इस लड़की ने रियो ओलंपिक 2016 में महिलाओं के वॉल्ट फाइनल में चौथे स्थान पर रहकर इतिहास रच दिया था, वह 15.066 अंकों के साथ कांस्य पदक से चूक गई थी, जो स्विट्जरलैंड की कांस्य पदक विजेता गिउलिया स्टीनग्रुबर से केवल 0.150 कम था। करमाकर ने ग्लासगो में 2014 के राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता, खेलों के इतिहास में ऐसा करने वाली वह पहली भारतीय महिला जिमनास्ट बन गईं। उन्होंने एशियाई जिमनास्टिक चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता और 2015 की विश्व कलात्मक जिमनास्टिक चैंपियनशिप में पाँचवाँ स्थान हासिल किया- ये दोनों ही देश के लिए पहली बार थे।

डेनियल मुनोज़ कोलंबिया की विश्व कप क्वालीफायर्स टीम से बाहर

बोगोटा। क्रिस्टल पैलेस के फुल-बैक डेनियल मुनोज़ को एडक्टर स्ट्रेन के कारण कोलंबिया के विश्व कप क्वालीफायर टीम से बाहर कर दिया गया है, दक्षिण अमेरिकी देश के फुटबॉल महासंघ ने सोमवार को यह जानकारी दी। 28 वर्षीय खिलाड़ी की जगह एंड्रेस रोमन को टीम में शामिल किया गया है, जिन्हें कोलंबियाई टीम एटलेटिको नैशनल के साथ लगातार अच्छा प्रदर्शन करने का इनाम मिला है। कोलंबिया गुरुवार को समुद्र तल से 4,100 मीटर से अधिक ऊंचाई पर एल ऑल्टो में बोलीविया से भिड़ेगा, उसके बाद पांच दिन बाद बैरेंक्विला में चिली से भिड़ेगा। कोलंबिया की टीम मैच के दिन तक लगभग 2,560 मीटर की ऊंचाई पर कोचाबम्बा शहर में रहकर एल ऑल्टो की दुर्लभ हवा के लिए तैयारी करेगी।

पॉल पोग्बा का चार साल का प्रतिबंध सीएएस ने घटाकर 18 महीने किया

जिनेवा। फ्रांसीसी फुटबॉल खिलाड़ी पॉल पोग्बा पर डोपिंग रोधी नियम उल्लंघन (एडीआरवी) के लिए चार साल का प्रतिबंध सोमवार को खेल पंचाट न्यायालय (सीएएस) ने घटाकर 18 महीने कर दिया है। जुवेंटस के मिडफील्डर ने 28 फरवरी, 2024 को एडीआरवी करने के लिए इटली के राष्ट्रीय डोपिंग रोधी न्यायाधिकरण के फैसले के खिलाफ अपील दायर की। उन्हें 11 सितंबर, 2023 से चार साल के प्रतिबंध और 5,000 यूरो के जुर्माने की सजा दी गई। सीएएस ने एडीआरवी की पुष्टि की लेकिन फैसला सुनाया कि पोग्बा की कोई गलती नहीं थी, जिससे उनका प्रतिबंध घटाकर 18 महीने कर दिया गया और उनका जुर्माना भी रद्द कर दिया गया। सीएएस ने अपने बयान में कहा, फ्सीएएस पैनल ने अपना निर्णय साक्ष्यों और कानूनी तर्कों के आधार पर लिया है, जिसके अनुसार पोग्बा द्वारा डीएचईए (गैर-अंतर्जात टेस्टोस्टेरोन मेटाबोलाइट्स) का सेवन, जिस पदार्थ के लिए उनका परीक्षण सकारात्मक आया था, जानबूझकर नहीं किया गया था और यह फ्लोरिडा में एक चिकित्सक द्वारा उन्हें निर्धारित पूरक को गलत तरीके से लेने का परिणाम था, जबकि पोग्बा को आश्वासन दिया गया था कि चिकित्सक, जिसने कई उच्च-स्तरीय अमेरिकी और अंतरराष्ट्रीय एथलीटों का इलाज करने का दावा किया था।

डब्ल्यूपीसी सीरीज 12-17 नवंबर तक मुंबई में होगी आयोजित

भारत पहली बार करेगा विश्व पिकलबॉल चैम्पियनशिप सीरीज की मेजबानी

मुंबई, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अखिल भारतीय पिकलबॉल संघ (एआईपीए) पहली बार भारत में प्रतिष्ठित विश्व पिकलबॉल चैंपियनशिप (डब्ल्यूपीसी) सीरीज की मेजबानी करने के लिए तैयार है। डब्ल्यूपीसी सीरीज 12-17 नवंबर तक मुंबई में होगी। चैंपियनशिप के वियतनाम और बाली चरण में अत्यधिक सफल होने के बाद, जहाँ भारतीय टीमों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक हासिल किए थे, डब्ल्यूपीसी 2024 में दुनिया भर से सर्वश्रेष्ठ पिकलबॉल प्रतिभाओं को एक साथ लाया जाएगा।

विश्व पिकलबॉल लीग (डब्ल्यूपीबीएल) द्वारा संचालित, विश्व पिकलबॉल चैंपियनशिप सीरीज़, भारत में ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, ताइवान, पोलैंड और सिंगापुर जैसे छह से सात देशों के लगभग 650 खिलाड़ी भाग लेंगे।

एआईपीए के अध्यक्ष अरविंद प्रभु ने एक बयान में कहा, हमें विश्व पिकलबॉल चैम्पियनशिप सीरीज़ को भारत में लाने पर बहुत गर्व है। यह पिकलबॉल समुदाय के लिए न केवल भारतीय मंच पर वैश्विक प्रतिभाओं को देखने का एक शानदार अवसर है, बल्कि हमारे लिए सभी स्तरों पर खेल के विकास को बढ़ावा देने का भी एक मौका है। हम अपने घरेलू मैदान पर इस अंतरराष्ट्रीय स्तर की चैम्पियनशिप और खिलाड़ियों की मेज़बानी करने के लिए उत्साहित हैं, और उम्मीद करते हैं कि हम विभिन्न पीढ़ियों और भौगोलिक क्षेत्रों के लोगों को पिकलबॉल को प्रतिस्पर्धी करियर और अवकाश गतिविधि दोनों के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे।

पिकलबॉल ग्लोबल और डब्ल्यूपीसी सीरीज के संस्थापक जान पापी ने अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हम पहली बार भारत में आयोजित होने वाली विश्व पिकलबॉल चैंपियनशिप सीरीज को देखकर रोमांचित हैं। भारत में सभी स्तरों पर इस खेल के लिए अविश्वसनीय क्षमता है, और हम भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पिकलबॉल की प्रोफ़ाइल को और बढ़ाने के लिए एआईपीए के साथ सहयोग करने के लिए उत्सुक हैं। डब्ल्यूपीसी को अपने घर लाने की एआईपीए की पहल के साथ, मैं इस प्रतिष्ठित वैश्विक चैंपियनशिप में भारत द्वारा लाई गई ऊर्जा और जुनून का अनुभव करने के लिए उत्सुक हूं।

पिकलबॉल, जिसमें टेनिस, बैडमिंटन और टेबल टेनिस के तत्वों का मिश्रण है, वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ते खेलों में से एक है, और भारत में इस खेल को अपनाने वाले उत्साही लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। डब्ल्यूपीसी सीरीज भारत और उसके बाहर खेल के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होने का वादा करती है। एआईपीए का उद्देश्य भारत में इस खेल को लोकप्रिय बनाना और पूरे देश में खेल का जमीनी स्तर पर विकास सुनिश्चित करना है। एआईपीए ने पहले ही प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करके और उन्हें कौशल, आहार, शारीरिक सहनशक्ति और मानसिक स्वास्थ्य में प्रशिक्षण प्रदान करके अपना जुड़ाव और विकास कार्यक्रम शुरू कर दिया है। संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों की निगरानी में कंडीशनिंग की जाएगी।

सिंधु , लक्ष्य आर्कटिक ओपन में जीत से शुरुआत करना चाहेंगे

वंता। भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन अब आर्कटिक ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत से वापसी करना चाहेंगे। सिंधू और सेन पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने में असफल रहे थे। अब इन दोनो का ही लक्ष्य अपनी गलतियों से सबक लेते हुए अपने खेल कौशल को और निखारना रहेगा। सिंधु इस टूर्नामेंट में अनूप श्रीधर और कोरियाई कोच ली स्यून इल के मार्गदर्शन में उतरेगी। हाल ही में सिंधु ने इन दोनो को अपने कोचिंग दल में जोड़ा है। वहीं लक्ष्य का ध्यान पिछले कुछ समय से अपनी फिटनेस को बेहतर बनाने पर रहा है। उन्होंने इस दौरान अपना अधिकतर समय ऑस्ट्रिया के रेड बुल एरेना में बिताया। आर्कटिक ओपन में सिंधु का पहला मुकाबला कनाडा की मिशेल ली से जबकि लक्ष्य का सामना डेनमार्क के रासमस गेम्के से होगा। सिंधु को दूसरे दौर में जापानी खिलाड़ी टोमाको मियाजाकी से खेलना होगा। लक्ष्य इससे पहले साल 2023 में इंडिया ओपन में रासमस से हार गये थे। अब वह किसी प्रकार ये मैच जीतकर हिसाब बराबर करना चाहेंगे। अगर वह इस मैच को जीते तो उनका अगला मुकाबला चीनी ताइपे के सातवीं वरीयता प्राप्त टीएन चेन से हो सकता है। वहीं चोट के कारण चार महीने तक बाहर रहने वाले के श्रीकांत भी आर्कटिक ओपन में उतरेंगे। वहीं क्वालीफायर में भारत के श्रीकांत का मुकाबला जॉर्ज से होगा, जबकि सतीश फ्रांस के अरनॉड मर्कले से खेलेंगे। वहीं महिला एकल में सिंधू के अलावा फॉर्म में चल रही मालविका बंसोड़ और आकर्षी कश्यप भी उतरेंगी।

आईएल टी20 सीजन 3

सिल्वरवुड शारजाह वारियर्स के गेंदबाजी कोच नियुक्त

शारजाह, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर क्रिस सिल्वरवुड को आईएलटी20 के आगामी सत्र के लिए शारजाह वॉरियर्स का बॉलिंग कोच नियुक्त किया गया है, जो हेड कोच जेपी डुमिनी के कोचिंग सेटअप में शामिल होंगे। सिल्वरवुड इससे पहले 2018 में पूर्णकालिक बॉलिंग कोच के रूप में इंग्लैंड की पुरुष राष्ट्रीय टीम के साथ जुड़े थे और अक्टूबर 2019 में ट्रेवर बेलिस के जाने के बाद हेड कोच का पद संभाला था।

पूर्व तेज गेंदबाज फरवरी, 2022 तक उस भूमिका में बने रहे, उसके बाद अप्रैल 2022 में श्रीलंका के हेड कोच के रूप में शामिल हुए, उनके निर्देशन में श्रीलंका ने 2022 में टी20 एशिया कप जीता और 2023 वनडे एशिया कप के फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने हाल ही में ओवल इनविंसिबल्स के बॉलिंग कोच के रूप में काम करना समाप्त किया है, जिन्होंने हेड कोच टॉम मूडी के साथ काम करते हुए इंग्लैंड में 2024 हंड्रेड प्रतियोगिता जीती थी।

सिल्वरवुड ने कहा, मैं शारजाह वॉरियर्स के साथ जुड़कर बहुत खुश हूं, जिन्होंने आगामी आईएलटी20 के लिए एक बहुत ही मजबूत और रोमांचक टीम बनाई है। टीम में अनुभव, युवापन और गतिशीलता है, और मुझे पूरा विश्वास है कि हम साथ मिलकर विपक्षी बल्लेबाजों को नियमित रूप से परेशान कर सकते हैं। डगआउट में सिल्वरवुड और डुमिनी के साथ दक्षिण अफ्रीकी प्रदर्शन कोच टॉम डॉसन-स्क्रिब भी होंगे, जो व्यक्तियों और टीमों में जीतने की मानसिकता और व्यवहार को प्रामाणिक रूप से विकसित करते हैं। शारजाह वॉरियर्स के सीओओ, क्षेमल वैनगंकर ने कहा, हम ऐसे कोच लाने के लिए उत्सुक थे जो अनुभवी हों और उपमहाद्वीपीय क्रिकेटरों की सांस्कृतिक बारीकियों को समझते हों और क्रिस के रूप में, हमें लगता है कि हमने सही खिलाड़ी को चुना है।

दूसरी ओर, टॉम ने पिछले कुछ सत्रों में दक्षिण अफ्रीकी टीम के विकास में एक बड़ी भूमिका निभाई है और हम उसे जेपी और बाकी नेतृत्व समूह के साथ मिलकर वॉरियर्स को एक मजबूत इकाई बनाने के लिए उत्साहित हैं।

श्रीलंका से बड़े अंतर से जीत दर्ज करने उतरेगी भारतीय टीम

दुबई। पाकिस्तान के खिलाफ जीत से उत्साहित भारतीय महिला क्रिकेट टीम बुधवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ होने वाले टी20 विश्वकप के ग्रुप ए के अपने तीसरे मैच को बड़े अंतर से जीतना चाहेगी। भारतीय टीम का रन रेट अब तक अन्य टीमों से कम है जिससे वह इसे बढ़ाने पूरी ताकत लगा देगी। भारतीय टीम बल्लेबाजों के कमजोर प्रदर्शन के कारण पहले दो मैच में उम्मीद के अनुसार सफल नहीं रही।

श्रीलंका का मुख्य कोच बनने पर जयसूर्या ने कहा- यह सब आत्मविश्वास और भरोसे की बात है

कोलंबो, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

श्रीलंका के नवनियुक्त मुख्य कोच सनथ जयसूर्या ने कहा कि उनकी सफलता के पीछे आत्मविश्वास और भरोसा मुख्य कारण थे। इससे पहले सोमवार को, श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने पुष्टि की कि पूर्व क्रिकेटर जयसूर्या 2026 में मार्च के अंत तक पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में अपनी भूमिका जारी रखेंगे।

संवाददाताओं से बात करते हुए, जयसूर्या ने कहा कि टीम से पहले श्रीलंका में आत्मविश्वास और भरोसे की कमी थी। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा यही कहा है कि यह सब आत्मविश्वास और भरोसे के बारे में है। मैंने टीम के इर्द-गिर्द इसे बनाया और यह बहुत महत्वपूर्ण है। और मुझे लगता है कि इसमें थोड़ी किस्मत भी थी। आप बहुत मेहनत कर सकते हैं, लेकिन आपको कभी-कभी किस्मत की भी जरूरत होती है। उन्होंने कहा कि टीम में अच्छे और प्रतिभाशाली क्रिकेटर हैं।

उन्होंने कहा, खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। वे जानते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में उन्हें क्या-क्या झेलना पड़ा है। वे वास्तव में निराश थे और मैंने लोगों से श्रीलंका के क्रिकेटरों का समर्थन करने के लिए कहा। वे अच्छे क्रिकेटर हैं और वे प्रतिभाशाली हैं। मैंने उन्हें केवल आत्मविश्वास दिया और मैं उनके साथ हूं। वे मुझसे बात कर सकते हैं और किसी भी विषय पर चर्चा कर सकते हैं।

जून में टी20 विश्व कप 2024 के बाद क्रिस सिल्वरवुड के पद से हटने के बाद से जयसूर्या अंतरिम कोच के रूप में शीर्ष पद पर हैं, लेकिन अब चल रही आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के दौरान कुछ हालिया सफलताओं के बाद उन्हें विस्तार मिला है। श्रीलंका के पूर्व सलामी बल्लेबाज ने ओवल में इंग्लैंड पर जीत और घरेलू धरती पर कीवी पर लगातार दो जीत के लिए श्रीलंका की टेस्ट टीम की कमान संभाली थी, जबकि उन्होंने भारत पर एकदिवसीय श्रृंखला में सफल जीत की भी देखरेख की थी। खिलाड़ी को अगले साल पाकिस्तान में होने वाले आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी और संभवत: जून में लॉर्ड्स में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में अपनी टीम की अगुवाई करने का अवसर मिलेगा।

उरुग्वे ने विश्व कप क्वालीफायर के लिए सात अनकैप्ड खिलाड़ियों की घोषणा की

मोंटेवीडियो, 07 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रिवर प्लेट फॉरवर्ड जोआक्विन लावेगा उन सात अनकैप्ड खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें सोमवार को पेरू और इक्वाडोर के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिए उरुग्वे की टीम में शामिल किया गया।

अन्य नए खिलाड़ियों में यूनिवर्सिडाड डी चिली के मिडफील्डर मार्को ओरोना, मोंटेवीडियो वांडरर्स के विंगर पाब्लो सुआरेज़, नैशनल के मिडफील्डर लुकास सनाब्रिया, फ्लूमिनेंस के मिडफील्डर फेकुंडो बर्नाल, अलावेस के डिफेंडर सैंटियागो मोरिनो और जिम्नासिया के फॉरवर्ड मटियास अबाल्डो शामिल हैं।

मैनेजर मार्सेलो बिएल्सा ने लिवरपूल के फॉरवर्ड डार्विन नुनेज़, एटलेटिको मैड्रिड के सेंटर-बैक जोस मारिया जिमेनेज़ और नेपोली के लेफ्ट-बैक मैथियास ओलिवेरा को भी वापस बुलाया है, जो निलंबन के कारण उरुग्वे के सितंबर के क्वालीफायर में नहीं खेल पाए थे।

उरुग्वे शुक्रवार को लीमा में पेरू से और चार दिन बाद मोंटेवीडियो में इक्वाडोर से भिड़ेगा। उरुग्वे वर्तमान में आठ क्वालीफायर से 15 अंकों के साथ दक्षिण अमेरिकी जोन स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर है।

टीम इस प्रकार है

गोलकीपर- सर्जियो रोशेट, सैंटियागो मेले और फ्रेंको इज़राइल।

डिफेंडर- जोस मारिया जिमेनेज़, सैंटियागो ब्यूनो, सैंटियागो मोरिनो, माथियास ओलिवेरा, नाहितन नंदेज़, गुइलेर्मो वेरेला, जोस लुइस रोड्रिग्ज और मार्सेलो साराची।

मिडफील्डर- मार्को ओरोना, फैकुंडो बर्नाल, एमिलियानो मार्टिनेज, लुकास सनाब्रिया, निकोलस फोंसेका, मैनुअल उगार्टे, फेडेरिको वाल्वरडे, निकोलस डी ला क्रूज़ और जियोर्गन डी अर्रास्काएटा।

फॉरवर्ड- मतियास अबाल्डो, फैकुंडो पेलिस्ट्री, मैक्सिमिलियानो अरुजो, फैकुंडो टोरेस, जोकिन लावेगा, लुसियानो रोड्रिग्ज, पाब्लो सुआरेज़, क्रिस्टियन ओलिवेरा और डार्विन नुनेज़।

स्टोक्स के चोटिल होने के बाद भी इंग्लिश टेस्ट टीम में नहीं चुने जाने से निराश हैं सैम करन

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सैम करन ने इस गर्मी में बेन स्टोक्स की हैमस्ट्रिंग चोट के बाद टेस्ट टीम में नहीं चुने जाने पर निराशा व्यक्त की है। हालांकि, उन्हें उम्मीद है कि इंग्लैंड के कैरिबियन दौरे में केंद्रीय भूमिका निभाने से सभी प्रारूपों में उनकी साख मजबूत होगी। दो साल पहले ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड की टी20 विश्व कप जीत में प्लेयर ऑफ द फाइनल और टूर्नामेंट चुने जाने के बावजूद, 26 साल की उम्र में करन का अंतरराष्ट्रीय करियर एक दोराहे पर खड़ा है। उन्हें लगता है कि व्हाइट-बॉल क्रिकेट में उनकी भूमिका में स्पष्टता की कमी है, जो फ्रैंचाइज़ी सर्किट में उनकी सफलता की कुंजी रही है। इसके अलावा, उनका मानना है कि वह उस प्रोफाइल में फिट नहीं बैठते हैं, जिसे इंग्लैंड नए हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम के तहत चाहता है।

करन ने इस साल की शुरुआत में कैरिबियन में टी20 विश्व कप में संघर्ष किया, 38.33 की औसत से केवल तीन विकेट लिए और पांच मैचों में कुल 11 गेंद ही खेले। इंग्लैंड के निराशाजनक विश्व कप अभियान के बाद उनका आखिरी वनडे मैच दिसंबर 2023 में था। रेड-बॉल क्रिकेट में, करन ने अपना सबसे हालिया टेस्ट मैच अगस्त 2021 में भारत के खिलाफ खेला था, और उन्होंने मैकुलम के कार्यकाल में 30 मैचों में से किसी में भी हिस्सा नहीं लिया है।

यह जीत में योगदान देने के उनके प्रभावशाली रिकॉर्ड के बावजूद है, जिसमें उनके 24 कैप में 16 जीत शामिल हैं। टेस्ट टीम में उनकी अनुपस्थिति का एक कारण इंग्लैंड के सीनियर ऑलराउंडर के रूप में स्टोक्स की भूमिका है। इसके अलावा, करन की शारीरिक विशेषताएँ उनके खिलाफ काम कर सकती हैं। 5 फीट 9 इंच की लंबाई के साथ, उनकी मध्यम गति की गेंदबाजी लंबे, तेज़ गेंदबाजों की मौजूदा पसंद के अनुरूप नहीं है, जैसा कि करन के घरेलू मैदान किआ ओवल में 6 फीट 7 इंच के बाएं हाथ के

गेंदबाज जोश हल के हाल ही में टेस्ट डेब्यू से पता चलता है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार, करन ने टॉकस्पोर्ट से कहा, जिस तरह से अब टीमों को तैयार किया जा रहा है, खिलाड़ियों को कुछ खास कौशल के लिए चुना जा रहा है।

करन ने कहा, एक काउंटी खिलाड़ी के रूप में, यह एक दिलचस्प बात है, क्योंकि आपको उम्मीद करनी होगी कि आप अभी उस ढांचे में फिट बैठते हैं। और अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आपको बस अपनी फ्रैंचाइज़ी और अपने काउंटी के लिए गेम जीतने की कोशिश करनी होगी, और बस उम्मीद करनी होगी कि वह कॉल आए।

उन्होंने कहा, वास्तव में आप इसके बारे में कुछ नहीं कर सकते। अगर आप उनकी जरूरतों के हिसाब से फिट बैठते हैं, तो आप बहुत बढ़िया हैं। लेकिन अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो यह वास्तव में आपकी योग्यता की बात नहीं हो सकती है। श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में टेस्ट सीरीज़ से करन को बाहर किए जाने से टीम में उनकी मौजूदा कमी और भी उजागर हुई। उन्हें उम्मीद थी कि अगस्त की शुरुआत में हंड्रेड के दौरान स्टोक्स की चोट के कारण उन्हें टेस्ट टीम में वापस बुलाया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

उन्होंने कहा, मैं पूरी तरह से ईमानदार रहूंगा, जब स्टोक्स घायल हो गए, तो मैंने शायद सोचा था कि टेस्ट टीम में वापसी का यही रास्ता है। कुछ हफ्ते पहले, मैंने कीसी [क्रिकेट के निदेशक रॉब की] के साथ एक बैठक की थी, ताकि यह समझ सकूं कि टीम कहां है और मैं खुद को टेस्ट टीम में वापस कैसे देखता हूं।

उन्होंने कहा, एक खिलाड़ी होने के नाते जिसने इतनी कम उम्र में टेस्ट क्रिकेट का अनुभव किया, मुझे लगता है कि मुझे यह जानने का फायदा मिला कि यह क्या है, टेस्ट मैच जीतना क्या होता है, और आपको किस तरह की मेहनत और धैर्य और रवैये की जरूरत होती है... इसलिए मैं थोड़ा निराश था। चयन तो चयन है, लेकिन मुझे लगा कि उस समय टीम में वापसी का यही रास्ता था।

करन ने कहा, उनके पास इस समय अपना खुद का ढांचा है, और वे ऐसे खिलाड़ियों को चुन रहे हैं जो उस माहौल में फिट हों, और इस समय अतिरिक्त गति और इस तरह की चीजों के बारे में एक बड़ी बात चल रही है। और मुझे लगता है कि 12 महीने के समय के लिए, और एशेज के लिए, ये वे खिलाड़ी हैं जिन्हें वे चाहते हैं, इसलिए जब तक योजना समाप्त नहीं हो जाती, तब तक आप इस पर सवाल नहीं उठा सकते।

भारत-यूएई निवेश समझौते में बदलाव, विवाद निपटान समयसीमा घटी : गोयल

विवाद निपटान की समयसीमा 5 वर्षों से घटाकर 3 वर्ष की गई है, जो बीआईटी की शर्तों के अनुरूप नहीं

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां) । भारत ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ हाल में हुए एक समझौते में बड़ा बदलाव किया है। ?जिसके मुताबिक विवाद निपटान की समयसीमा 5 वर्षों से घटाकर 3 वर्ष कर दी गई है, जो आदर्श द्विपक्षीय निवेश संधि (बीआईटी) की शर्तों के अनुरूप नहीं है। अगर इस अवधि के दौरान भारत का न्याय तंत्र दो देशों के बीच निवेश समझौते पर विवाद नहीं सुलझा पाया तो विदेशी निवेशक अंतरराष्ट्रीय पंचाट में अपील कर सकते हैं। भारत ने यूएई के साथ 13 फरवरी को अबू धाबी में एक निवेश समझौता किया था मगर यह 31 अगस्त से प्रभावी हो पाया। दोनों देशों के बीच पहले से मौजूद निवेश समझौता पिछले महीने खत्म हो गया था। भारत ने यूएई के साथ समझौते में शेयर एवं बॉन्ड को सुरक्षित निवेश के तौर पर रखा है। आदर्श द्विपक्षीय निवेश संधि में केवल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को ही सुरक्षा मिली है और शेयर एवं बॉन्ड जैसे पोर्टफोलियो निवेश शामिल नहीं किए गए हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय निवेश संधि से निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा और स्पष्ट एवं स्थिर कर प्रणाली शुरू हो पाएगी। उन्होंने कहा कि अगर निवेशकों को लगेगा कि उन्हें न्याय नहीं मिला है तो इस समझौते के तहत वे अंतरराष्ट्रीय पंचाट में भी अपील कर सकते हैं। गोयल ने निवेश पर भारत-यूएई उच्च-स्तरीय संयुक्त कार्य बल की 12वीं बैठक के बाद मीडिया से कहा कि विभिन्न मसलों पर चर्चा हुई। कुछ भारतीय कंपनियों को लगता है कि यूएई के साथ कुछ समस्या हैं और यूएई की कंपनियों को भी कभी-कभी ऐसा लगता है। बीआईटी के जरिये दोनों पक्ष इन समस्याओं का समाधान निकाल सकते हैं। गोयल के साथ यूएई के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने भी बैठक की अध्यक्षता की थी। किंतु विशेषज्ञों को लगता है कि समयसीमा पांच वर्ष से घटाकर तीन वर्ष करने से देश के भीतर ही विवाद निपटाने की भारत की क्षमता कमजोर हो सकती है और बार-बार अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की जरूरत पड़ेगी। दिल्ली की संस्था जीटीआरआई के अनुसार बीआईटी के जरिये यूएई से निवेश तो आएगा मगर इससे भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता बढ़ने यानी मामला विदेशी अदालतों में जाने का जोखिम भी बढ़ जाएगा। उसने कहा कि अब दूसरे देश भी इसी शर्त पर भारत के साथ द्विपक्षीय निवेश समझौते करना चाहेंगे। भारत इस समय ब्रिटेन और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ द्विपक्षीय निवेश समझौते पर बातचीत कर रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हरियाणा में ...

जिस बढ़त को कोई भी एग्जिट पोल नहीं पकड़ पाया था, चुनाव में भाजपा ने वो कमाल कर दिखाया है। उसे अपने दम पर पूर्ण बहुमत मिला है, वहीं कांग्रेस उस जादुई आंकड़े से काफी पीछे छूट गई है। भाजपा ने शहरी सीटों पर जबरदस्त प्रदर्शन किया है और साथ ही ग्रामीण सीटों में भी उसकी सेंधमारी रही है। आरक्षित सीटों पर तो भाजपा का प्रदर्शन जबरदस्त रहा।हरियाणा में 90 में से 17 सीटें आरक्षित रहती हैं। इसमें अंबाला जिले में मुलाना, यमुनानगर में साढौरा, कुरुक्षेत्र में शाहाबाद, कैथल में गुहला, करनाल में नीलोखेड़ी, पानीपत में इसराना, जींद में नरवाना, सिरसा में कालांवाली, फतेहाबाद में रतिया, गुरुग्राम में पटौदी, सोनीपत में खरखौदा, हिसार में उकलाना, भिवानी में भवानी खेड़ा, झज्जर में झज्जर सीट, रोहतक में कलानौर, रेवाड़ी में बावल और पलवल में होडल सीट शामिल है। चुनावी आंकड़े बताते हैं कि भाजपा इन 17 आरक्षित सीटों में से 8 जीत चुकी है। यहां भी भाजपा ने कई उन सीटों पर इस बार कब्जा किया है जो पिछली बार दुष्यंत चौटाला की पार्टी ने जीत ली थी। पिछले विधानसभा चुनाव में जेजेपी को आरक्षित सीटों में के कोटे से 4 पर जीत मिली थी। इस बार उसका सूपड़ा साफ हो गया है और सीधा फायदा भाजपा को मिला है।भाजपा ने विधानसभा चुनाव की नीलोखेड़ी, नीलोखेड़ी, इसराना, खरखौदा, नरवाना,भवानी खेड़ा, बावल, पटौदी, होडल सीट पर जीत दर्ज की है। अब यह जीत मायने इसलिए रखती है क्योंकि इस बार के लोकसभा चुनाव देखें तो वहां भी भाजपा को हरियाणा की दोनों ही आरक्षित सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था। हरियाणा की सिरसा और अंबाला सीट पर कांग्रेस ने एक आसान जीत दर्ज की थी। लेकिन अब सिर्फ 4 महीनों के अंदर में समीकरण बदल गए हैं। भाजपा ने 17 आरक्षित सीटों में से 8 पर विजयी परचम लहराया है। यह बताने के लिए काफी है कि कांग्रेस ने दलित वोटबेस में जो सेंधमारी की थी, उसे भाजपा ने कुछ हद तक हरियाणा के विधानसभा चुनाव में कम कर दिया है। भाजपा के लिए इसे ज्यादा बड़ी कामयाबी इसलिए माना जा रहा है क्योंकि लोकसभा चुनाव के वक्द एससी-एसटी वाली कुल 132 आरक्षित सीटों में से 82 पर ही भाजपा को जीत मिली थी, वही कांग्रेस ने अपना आंकड़ा 10 सीटों से बढ़ाकर 32 कर लिया था।

ऐसे में इस बार हरियाणा चुनाव में जब भाजपा ने दलित सीटों पर कांग्रेस को काटे की टक्कर दी है और जेजेपी को पूरी तरह साफ कर दिया है, यह बताने के लिए काफी है कि पार्टी ने आत्ममंथन भी किया और अपनी रणनीति में बदलाव भी। इसी वजह से भाजपा ने कई उन सीटों पर भी जीत दर्ज की है जो वैसे तो आरक्षित नहीं रहीं लेकिन वहां पर दलित वोट निर्णायक माने गए, उनकी उपस्थिति 20 फीसदी से ज्यादा की रही। अब भाजपा की स्थिति तो दलित वोटरों के बीच में सुधरी है, कांग्रेस का जो ग्राफ गिरा है, उसके कारण भी समझना जरूरी है। असल में इस चुनाव में भाजपा ने जिस तरह से मिर्चिपुर और गोहाना दलित कांड को भुनाने की कोशिश की, जिस तरह से लोगों को उन पुरानी लेकिन अप्रत्याशित घटनाओं के बारे में याद दिलाया, उसने भी भाजपा के पक्ष में माहौल बना दिया।पूरे चुनाव के दौरान राहुल गांधी जातिगत जनगणना के जरिए दलितों को साधते रहे, लेकिन भाजपा ने काउंटर करने के लिए कांग्रेस की पिछली सरकारों के इतिहास को चुना। तब जानकार मान रहे थे कि उन पुरानी घटनाओं को उठा भाजपा को ज्यादा फायदा नहीं होने वाला, लेकिन नतीजे बता रहे हैं कि कांग्रेस को उस नेरेटिव का नुकसान भी भुगतना पड़ा है। इसके ऊपर कांग्रेस ने क्योंकि कुमारी शैलजा जैसे बड़े दलित नेताओं को लेकर अपना स्टैंड स्पष्ट नहीं किया, अंत तक पता नहीं चल पाया कि वे सीएम बन पाएंगी या नहीं, इसे भी अब हार का एक कारण माना जा रहा है।

भाजपा के विजई प्रत्याशी

कालका से शक्ति रानी शर्मा, अंबाला कैंट से अनिल विज, यमुनानगर से घनश्याम दास, रौदार से श्याम सिंह राणा, लाडवा से नायब सिंह सैनी, पुंडरी से सतपाल जाम्बा, निलोखेड़ी से भगवान दास, इंद्री से रामकुमार कश्यप, करनाल से जनमोहन आनंद, घरौड़ा से हरविंदर कल्याण, असंध से योगेन्द्र सिंह राणा, पानीपत ग्रामीण से महिपाल, पनीपत शहर से प्रमोद कुमार विज, इसराना से कृष्णलाल पंवार, समालखा से मनमोहन भड़ाना, राई से कृष्णा गहलावत, खरखौदा से पवन खरखौदा, सोनीपत से निखिल मदान, गोहाना से अरविंद कुमार शर्मा, सफीदो से राम कुमार गौतम, जींद से डॉ. कृष्ण लाल मिढ़ा, उचाना कलां से देवेन्द्र अत्री, नरवाना से कृष्ण कुमार, हांसी से विनोद भयाना, बरवाला से रणवीर गंगवा, नलवा से रणधीर पनिहार, बाढड़ा से उम्मेद सिंह, दादरी से सुनील सतपाल सांगवान, भिवानी से धनश्याम सराफ, तोशाम से श्रुति चौधरी, बवानी खेड़ा से कपूर सिंह, अटेली से आरती सिंह राव, महेंद्रगढ़ से कंवर सिंह,नारनौल से ओम प्रकाश यादव, बावल से डॉ. कृष्ण कुमार, कोशाली से अनिल यादव, रेवाड़ी से लक्ष्मण सिंह यादव, पटौदी से बिमला चौधरी, बादशाहपुर से राव नरवीर सिंह, गुड़गांव से मुकेश शर्मा, सोहना से तेजपाल तंवर, होडल से हरींद्र सिंह, पलवल से गौरव गौतम, फरीदाबाद एनआईटी से सतीश कुमार, बड़खल से धनेश अदलखा, बल्लभगढ़ से मूलचंद शर्मा, फरीदाबाद से विपुल गोयल और तिगांव से राजेश नागर,कोसली से भाजपा के अनिल यादव, बल्लभगढ़ से भाजपा कड़े मूलचंद शर्मा, यमुनानगर से भाजपा के घनश्याम दास, कलायत से भाजपा के विकास सहारण विजई रहे।

विजई कांग्रेस-इनेलो और निर्दलीय प्रत्याशी

नूंह से कांग्रेस के आफ़ताब अहमद,जुलाना से कांग्रेस की विनेश फोगाट, पेहवा से कांग्रेस के मंदीप छठा, हिसार से निर्दलीय सावित्री जिंदल, थानेसर से कांग्रेस के अशोक कुमार अरोड़ा, नारायणगढ़ से कांग्रेस की शैले चौधरी, शाहबाद से कांग्रेस के राम करण, हथीन से कांग्रेस के मोहम्मद इसराइल, अंबाला शहर से कांग्रेस के निर्मल सिंह मोहरा, कैथल से कांग्रेस के आदित्य सुरजेवाला, टोहाना से कांग्रेस के परमवीर सिंह, रतिया से कांग्रेस के जरनैल सिंह, कालांवाली से कांग्रेस के शिशपाल केहरवाला, सिरसा से कांग्रेस के गोकुल सेतिया, ऐलनाबाद से कांग्रेस के भरत सिंह बेनीवाल, उकलाना से कांग्रेस के नरेश सेलवाल, लोहारू से कांग्रेस के राजबीर फर्तिया, मेहम से कांग्रेस के बलराम डांगी, गढ़ी सांपला किलोई से कांग्रेस के भूपिंदर सिंह हुड्डा, फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस के मम्मन खान, पुन्हाना से कांग्रेस के मोहम्मद इलियास, पृथला से कांग्रेस के रघुबीर तेवतिया, पुंडरी से कांग्रेस के सतपाल जम्बा, गनौर से निर्दलीय देवेंद्र कादयान, मुलाना से कांग्रेस की पूजा, बादली से कांग्रेस के कुलदीप वत्स, बहादुरगढ़ से निर्दलीय राजेश जून, पंचकुला से कांग्रेस के चंदर मोहन, सदारा से कांग्रेस की रेनू बाला, जगाधरी से कांग्रेस के अकरम खान, बारोदा से कांग्रेस की इंदुराज सिंह नरवाल, फतेहाबाद से कांग्रेस के बलवान सिंह दौलतपुरिया, कलानौर से कांग्रेस की शकुंतला खटक, बेरी से कांग्रेस के रघुवीर सिंह कादियान, नंगल चौधरी से कांग्रेस के मंजू चौधरी, डबवाली से इनेलो के आदित्य देवीलाल, रानिया से इनेलो के अर्जुन चौटाला, आदमपुर से कांग्रेस के चंदर प्रकाश, नारनौंद से कांग्रेस के जसी पाटवार, झज्जर से कांग्रेस की गीता भुक्कल, गूहला से कांग्रेस के देवेंद्र हंस विजई रहे।

भाजपा ने कांग्रेस को....

वहीं, 39 ऐसी सीटों पर भी भाजपा ने जोर लगाया, जहां उसका कांग्रेस से सीधा मुकाबला था। उधर, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी कह चुके थे कि यदि गठबंधन की जरूरत पड़ी तो सारी व्यवस्थाएं हैं। हरियाणा में 15वीं विधानसभा चुनाव में 67.90 प्रतिशत मतदान हुआ। यह 2019 के विधानसभा चुनाव में 67.92 प्रतिशत के मुकाबले .02 प्रतिशत कम रहा। राज्य के विधानसभा चुनाव के इतिहास में यह चौथा मौका था, जब सबसे कम मतदान हुआ। इसे सत्ता विरोधी लहर से जोड़कर देखा गया क्योंकि 10 साल से भाजपा यहां सत्ता में थी।किसी भी एग्जिट पोल में भाजपा को बहुमत मिलने का अनुमान नहीं लगाया था। आठ एग्जिट पोल्स यही बता रहे थे कि कांग्रेस के 10 साल बाद वापसी करने के संकेत हैं। मंगलवार सुबह रुझानों में भी 100 मिनट तक कांग्रेस आगे रही, फिर भाजपा इस तरह आगे निकली कि दोपहर 12 बजे तक के रुझानों में कांग्रेस 40 के आंकड़े को पार नहीं कर पाई।हरियाणा के चुनावी इतिहास में इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ, जब किसी दल ने हैट्रिक लगाई हो। कोई भी दल लगातार तीसरी बार सरकार नहीं बना पाया। इस बार भाजपा ने रिकॉर्ड बना दिया। 2014, 2019 में जीत के बाद 2024 के विधानसभा चुनाव में भी वह सरकार बनाने की स्थिति में है।हरियाणा की सियासत में बीते मार्च में तब बड़ा बदलाव देखने को मिला, जब मनोहर लाल खट्टर ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद नायब सिंह सैनी को विधायक दल का नेता चुना गया और वे मुख्यमंत्री बने। सैनी के जरिए भाजपा ने पंजाबी और पिछड़ा वोट बैंक पर पकड़ मजबूत कर ली। भाजपा ने हरियाणा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के अलावा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी प्रचार करवाया। योगी ने कुल 14 रैलियां कर 20 से ज्यादा विधानसभा क्षेत्रों को कवर किया। इनमें भाजपा 14 सीटों पर जीतती नजर आ रही है।हरियाणा में बेर-ोजगारी बड़ा मुद्दा रहा। कांग्रेस ने बेरोजगारी के ही मुद्दे को उठाकर युवाओं से वोट मांगे। राज्य में 18 से 39 साल के युवाओं के करीब 94 लाख मतदाता हैं। वहीं, भाजपा ने एक लाख 40 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी देने को चुनावी मुद्दा बनाया। हरियाणा में किसी की भी सरकार बनाने में दलितों की अहम भूमिका रही है। राज्य में करीब 21 फीसदी दलित हैं। 17 सीटें अनुसूचित जाति के लिए रिजर्व हैं। भाजपा-कांग्रेस दोनों दलों ने दलित वर्ग को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जब कांग्रेस के प्रचार से सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा ने दूरी बना ली तो भाजपा ने इस मुद्दे को भुनाया। प्रचार के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि दलित बहन घर पर बैठी है। लोगों का एक बड़ा वर्ग आज सोच रहा है कि उन्हें क्या करना चाहिए। अगर वह (भाजपा में) आती हैं तो हम उन्हें शामिल करने को तैयार हैं। हरियाणा में 60 फीसदी से ज्यादा विधानसभा सीटें ग्रामीण इलाकों में किसान हैं। किसान आंदोलन के बीच भाजपा ने 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदने का ऐलान कर दिया।

जम्मू-कश्मीर...

मैं जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों में सराहनीय प्रदर्शन के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस को बधाई देता हूं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराने का वादा किया था। अस्सी के दशक में आतंकवाद आने के बाद वहां की जनता ने पहली बार पारदर्शी चुनाव होते देखे हैं। शाह ने इसके लिए चुनाव आयोग, जम्मू-कश्मीर प्रशासन, सुरक्षा बलों और जनता को सफल व ऐतिहासिक चुनावों के लिए बधाई दी। शाह ने कहा, जम्मू-कश्मीर की जनता ने भाजपा को इस विधानसभा चुनाव में सबसे अधिक मत प्रतिशत का आशीर्वाद दिया है और भाजपा को अब तक के इतिहास में सबसे अधिक सीट दी हैं। इसके लिए मैं जम्मू-कश्मीर की जनता का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। साथ ही, जम्मू-कश्मीर भाजपा के सभी कार्यकर्ताओं को उनके अथक परिश्रम के लिए बधाई देता हूं। शाह ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा जम्मू-कश्मीर के विकास और सुरक्षा के लिए संकल्पित है। जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद मुक्त बनाकर इसे देश के अन्य हिस्सों की तरह विकसित बनाना भाजपा की सर्वोच्च प्राथमिकता है।गृह मंत्री ने कहा, कांग्रेस शासन में जिस जम्मू-कश्मीर में सिर्फ आतंक का राज था और हर दिन लोकतंत्र की हत्या होती थी। वहीं, भाजपा शासन में लोकतंत्र का महापर्व पूरी शान और शांति से मनाया गया। जम्मू-कश्मीर की जनता को 1987 के विधानसभा चुनाव भी अच्छी तरह याद हैं, जब कांग्रेस ने खुलेआम धांधली कर लोकतंत्र का मजाक उड़ाया था। उसी कश्मीर घाटी में अब लोकतंत्र फिर से जीवित हुआ है। लोगों ने बिना दहशतगर्दी और आतंक के अपने प्रतिनिधि चुने। इस अभूतपूर्व बदलाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिल से धन्यवाद।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला को दो सीटों बडगाम और गंदरबल पर जीत मिली है। जम्मू कश्मीर में नेशनल कान्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनने के साथ ही नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने मंगलवार को घोषणा की कि उनके बेटे उमर अब्दुल्ला ही प्रदेश के मुख्यमंत्री होंगे। इन चुनावों में महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीडीपी को महज तीन सीटों से ही संतोष करना पड़ रहा है। गुपकार में मीडिया से बातचीत के दौरान फारूक अब्दुल्ला ने घोषणा की कि उनकी पार्टी का मुख्यमंत्री पूरे काय्रकाल के लिए होगा। यह घोषणा ऐसे समय में की गई जब 90 सदस्यीय विधानसभा में पांच मनोनीत विधायकों को छोड़कर नेशनल कॉन्फ्रेंस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती श्रीगुफवारा-बिजबेहरा सीट से हार गईं। इस हार के बाद उन्होंने कहा, मैं लोगों के फैसले को स्वीकार करती हूं। उधर भाजपा अध्यक्ष रविंद्र रैना नौशहरा सीट से हार गए। हार के बाद उनके द्वारा प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की चर्चाएं जारी हैं। जम्मू कश्मीर में 18 सितंबर से 1 अक्टूबर तक 3 फेज में 63.88 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। 10 साल पहले 2014 में हुए चुनाव में 65 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। इस बार 1.12 प्रतिशत कम वोटिंग हुई।

जनादेश के बाद नेकां अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि यह फैसला इस बात का सबूत है कि जम्मू कश्मीर के लोग अनुच्छेद 370 हटाए जाने के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि लोगों ने अपना फैसला सुनाया है और साबित कर दिया है कि 5 अगस्त 2019 को लिए गए फैसले उन्हें स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने कहा, मैं सभी का शुक्रगुजार हूं कि लोगों ने चुनाव में भाग लिया और खुलकर वोटिंग की। मैं नतीजों के लिए भगवान का शुक्रगुजार हूं। निर्वाचित सरकार लोगों के दर्द को खत्म करने के लिए बहुत काम करेगी। हमें बेरोजगारी खत्म करनी है और महंगाई तथा नशीली दवाओं की समस्या से निपटना है। अब कोई एलजी और उनके सलाहकार नहीं होंगे। अब 90 विधायक होंगे जो लोगों के लिए काम करेंगे।

प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) कश्मीर के पूर्व जिला अध्यक्ष और जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में अपने टखने पर जीपीएस ट्रैकर बांधकर चुनाव लड़ने वाले पहले उम्मीदवार हाफिज मोहम्मद सिकंदर मलिक, बांदीपुरा विधानसभा क्षेत्र से हार गए हैं। जबकि 2001 में संसद पर हमले के दोषी अफजल गुरु के भाई एजाज अहमद गुरु को जम्मू कश्मीर के सोपोर विधानसभा क्षेत्र में सिर्फ 129 वोट मिले हैं, जो कि उन्हें नोटा में पड़े 321 वोटों से भी कम हैं। एजाज ने शांति और विकास के संदेश के साथ निर्दलीय कैंडिडेट के रूप में चुनाव लड़ा था। उनके भाई अफजल गुरु को दिसंबर 2001 में संसद के निचले सदन पर हमले की साजिश रचने के आरोप में 9 फरवरी 2013 को दिल्ली की तिहाड़ जेल में फांसी दे दी गई थी।जम्मू जिले की 11 में से 10 विधानसभा सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की है। अखनूर से मोहन लाल, बाहू से विक्रम रंधावा, बिश्नाह से राजीव कुमार, जम्मू पूर्व से युद्धवीर सेठी, जम्मू दक्षिण से शाम लाल शर्मा, जम्मू पश्चिम से अरविंद गुप्ता, मढ़ से सुरेंद्र कुमार, नगरोटा से देवेंद्र सिंह राणा, आरएसपुरा-जम्मू दक्षिण से नरेंद्र सिंह और सुचेतगढ़ से गारू राम ने जीत हासिल की है।श्रीनगर की आठ सीटों में लाल चौक से नेकां प्रत्याशी अहसान परदेशी, हजरतबा से नेकां प्रत्याशी सलमान अली सागर, खानयार से नेकां प्रत्याशी अली मुहम्मद सागर, हब्बा कदल से नेकां प्रत्याशी शमीमा फिरदौस, चनापोरा से नेकां प्रत्याशी मुश्ताक गुरु, जदीबल से नेकां प्रत्याशी तनवीर सादिक, ईदगाह से नेकां प्रत्याशी मुबारक गुल और सेंट्रल शाल्टेंग से कांग्रेस प्रत्याशी तारिक हमीद कर्रा ने जीत हासिल की है। बडगाम की पांच विधानसभा सीटों में बडगाम से नेकां प्रत्याशी उमर अब्दुल्ला, बीरवाह से नेकां प्रत्याशी डॉ. शफी वानी, खानसाहिब से नेकां प्रत्याशी सैफुद्दीन भट, चरार-ए-शरीफ से नेकां प्रत्याशी अब्दुल रहीम राथर और चदूरा से नेकां प्रत्याशी अली मुहम्मद डार ने जीत दर्ज की है। गंदरबल की दो विधानसभा सीटों से जीतने वालों में गंदरबल से नेकां प्रत्याशी उमर अब्दुल्ला और कंगन से नेकां प्रत्याशी मियां मेहर अली शामिल हैं। बारामुला की सात सीटों पर जीतने वालों में बारामुला से नेकां प्रत्याशी जावेद हसन बेग, सोपोर से नेकां प्रत्याशी इरशाद रसूल कार, राफियाबाद से नेकां प्रत्याशी जावेद डार, उड़ी से नेकां प्रत्याशी डॉ सज्जाद शफी, गुलमर्ग से नेकां प्रत्याशी फारूक शाह, वगूरा-क्रीरी से कांग्रेस प्रत्याशी इरफान हाफिज लोन और पट्टन से नेकां प्रत्याशी जावेद रेयाज बेदार शामिल हैं। बांडीपोरा की तीन विधानसभा सीटों पर जीतने वालों में बांडीपोरा से कांग्रेस प्रत्याशी निजामुद्दीन भट, सोनावारी से नेकां प्रत्याशी हिलाल अकबर लोन और गुरेज से नेकां प्रत्याशी नजीर गुरेजी शामिल हैं। कुपवाड़ा की छह विधासभा सीटों में से कुपवाड़ा से पीडीपी प्रत्याशी फैयाज मीर, श्रेगाम से नेकां प्रत्याशी सैफुल्लाह मीर, करनाह से नेकां जावेद मिर्चल, लोलाब से नेकां प्रत्याशी कैसर जमशेद लोन, हंदवाड़ा से पीपुल्स कॉन्फ्रेंस प्रत्याशी सज्जाद लोन और लंगेट से एआईपी प्रत्याशी खुर्शीद अहमद शेख ने जीत हासिल की है। अनंतनाग की सात विधानसभा सीटों में अनंतनाग से कांग्रेस प्रत्याशी पीरजादा मुहम्मद सईद, अनंतनाग पश्चिम से नेकां प्रत्याशी अब्दुल मजीद लारमी, डूरू से कांग्रेस प्रत्याशी गुलाम अहमद मीर, कोकरनाग से नेकां प्रत्याशी जफर अली खटाना, श्री गुफवारा-बिजबिहाड़ा से नेकां प्रत्याशी बशीर वीरी, शंगुस अनंतनाग पूर्व से नेकां प्रत्याशी रेयाज खान और पहलगाम से नेकां प्रत्याशी अल्ताफ वानी कालू ने जीत दर्ज की है। कुलगाम की तीन विधानसभा सीटों पर कुलगाम से सीपीआईएम प्रत्याशी यूसुफ तारिगामी, डीएच पोरा से नेकां प्रत्याशी सकीना इटू और देवसर से नेकां प्रत्याशी पीरजादा फिरोज ने जीत हासिल की है।पुलवामा की चार विधानसभा सीटों में पुलवामा से पीडीपी प्रत्याशी वाहिद पारा, पंपोर से नेकां प्रत्याशी हसनैन मसूदी, त्राल से पीडीपी प्रत्याशी रफीक नाइक और राजपोरा से नेकां प्रत्याशी मोहिउद्दीन मीर ने जीत हासिल की है। शोपियां की दो विधानसभा सीटों में शोपियां से निर्दलीय प्रत्याशी पूर्व नेकां नेता शब्बीर कुल्ले और जैनापोरा से नेकां प्रत्याशी शौकत हुसैन गनई चुनाव जीते हैं।जम्मू की 11 विधानसभा सीटों में जम्मू उत्तर से भाजपा प्रत्याशी शाम लाल शर्मा, जम्मू पूर्व से भाजपा प्रत्याशी युद्धवीर सेठी, जम्मू पश्चिम से भाजपा प्रत्याशी अरविंद गुप्ता, जम्मू दक्षिण आरएस पुरा से भाजपा प्रत्याशी डॉ. नरिंदर सिंह रैना, बिशनाह से भाजपा प्रत्याशी राजीव कुमार, सुचेतगढ़ से भाजपा प्रत्याशी गारू राम भगत, बाहू से भाजपा प्रत्याशी विक्रम रंधावा, नगरोटा से भाजपा प्रत्याशी देविंदर राणा, मढ़ से भाजपा प्रत्याशी सुरिंदर कुमार भगत, अखनूर से भाजपा प्रत्याशी मोहन लाल भगत और छंब से भाजपा प्रत्याशी राजीव शर्मा ने जीत दर्ज की है।

सांबा की तीन विधानसभा सीटों में सांबा से भाजपा प्रत्याशी सुरजीत सिंह सलाथिया, विजयपुर से भाजपा प्रत्याशी चंद्र प्रकाश गंगा और रामगढ़ से भाजपा प्रत्याशी डॉ. दविंदर कुमार मन्याल ने चुनाव में जीत दर्ज की है। किश्तवाड़ की तीन विधानसभा सीटों में किश्तवाड़ से भाजपा प्रत्याशी शगुन परिहार, इंदरवाल से निर्दलीय प्रत्याशी प्यारे लाल और पाडर नागसेनी से भाजपा प्रत्याशी सुनील कुमार शर्मा ने जीत दर्ज की है। डोडा की तीन विधानसभा सीटों में डोडा से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी मेहराज मलिक, डोडा पश्चिम से भाजपा प्रत्याशी शक्ति राज परिहार और भद्रवाह से भाजपा प्रत्याशी दलीप सिंह परिहार ने चुनाव में जीत हासिल की है।

रामबन की दो विधानसभा सीटों में रामबन से नेकां प्रत्याशी अर्जुन सिंह राजू और बनिहाल से नेकां प्रत्याशी सज्जाद शाहीन चुनाव जीते हैं। रियासी की तीन विधानसभा सीटों में रियासी से भाजपा प्रत्याशी कुलदीप राज दुबे, गुलाबगढ़ से नेकां प्रत्याशी खुर्शीद अहमद और वैष्णो देवी से भाजपा प्रत्याशी बलदेव राज शर्मा ने जीत हासिल की है। उधमपुर की चार विधानसभा सीटों में उधमपुर पश्चिम से भाजपा प्रत्याशी पवन कुमार गुप्ता, उधमपुर पूर्व से भाजपा प्रत्याशी आरएस पठानिया, चिनैनी से भाजपा प्रत्याशी बलवंत सिंह मनकोटिया और रामनगर से भाजपा प्रत्याशी सुनील भारद्वाज चुनाव जीते हैं। कठुआ की छह विधानसभा सीटों में कठुआ से भाजपा प्रत्याशी डॉ. भारत भूषण, बनी से निर्दलीय प्रत्याशी डॉ. रामेश्वर सिंह, बिलावर से भाजपा प्रत्याशी सतीश कुमार शर्मा, बसोहली से भाजपा प्रत्याशी दर्शन कुमार, जसरोटा से भाजपा प्रत्याशी राजीव जसरोटा और हीरानगर से भाजपा प्रत्याशी विजय कुमार ने जीत दर्ज की है। राजौरी की पांच विधानसभा सीटों में राजौरी से कांग्रेस प्रत्याशी इफ्तिकार अहमद, कालाकोट-सुंदरबनी से भाजपा प्रत्याशी रणधीर सिंह, नौशहरा से नेकां प्रत्याशी सुरिंदर कुमार चौधरी, बुद्धल से नेकां प्रत्याशी जावेद इकबाल और थन्नामंडी से निर्दलीय प्रत्याशी मुजफ्फर इकबाल खान चुनाव जीते हैं। पुंछ की तीन विधानसभा सीटों में पुंछ हवेली से नेकां प्रत्याशी एजाज जान, सुरनकोट से निर्दलीय प्रत्याशी चौधरी मुहम्मद अकरम और मेंढर से नेकां प्रत्याशी जावेद राणा चुनाव जीते हैं।

बलिदानी परिवार की...

जिस दिन मेरा घर वीरान कर दिया गया। मेरे परिवार ने अपने खून का कतरा-कतरा किश्तवाड़ के लिए दे दिया, यह चुनाव उनके लिए है। शगुन परिहार के चाचा अनिल परिहार जम्मू कश्मीर में भाजपा के बड़े नेता था। उनके पास राज्य में भाजपा के सचिव पद की जिम्मेदारी थी। वो अपने राजनीतिक करियर में आगे बढ़ ही रहे थे कि इस्लामी कट्टरपंथियों की नजर में वो खटकने लगे और साल 2018 में अनिल परिहार के साथ उनके भाई व शगुन परिहार के पिता को मौत के घाट उतार दिया गया।नवंबर 2018 की बात है। भाजपा की राज्य इकाई के सचिव अनिल परिहार और उनके भाई अजीत परिहार किश्तवाड़ में अपनी दुकान से लौट रहे थे कि इसी दौरान उन पर करीब से गोलीबारी हुई। बाद में पता चला कि हमलावर हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकी थे जो उस रात रास्ते में खड़े होकर सिर्फ दोनों भाइयों के लौटने का इंतजार कर रहे थे। इस घटना के बाद किश्तवाड़ा में हालात ऐसे हो गए थे कि कर्फ्यू लगाना पड़ा था और इंटरनेट बंद करने पड़े थे। पड़ताल के बाद इस मामले में तीन आतंकी गिरफ्तार हुए थे। अनिल परिहार अनुच्छेद 370 हटाए जाने के प्रबल समर्थन थे और इस्लामी आतंकवाद का जम कर विरोध करते थे, इसीलिए आतंकियों ने उनकी हत्या कर दी थी।

विचित्र कश्मीर : एक ...

पर कश्मीरी मतदाताओं ने पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती की तेजतर्रार बेटी इल्तिजा मुफ्ती, जो श्रीगुफवारा-बिजबेहरा विधानसभा सीट से उम्मीदवार थीं, को नकार दिया है। चुनाव परिणाम घोषित होने से पहले ही उन्होंने जनादेश स्वीकार कर लिया था। वे 9770 मतों से चुनाव हारी हैं। वह नेकां के डॉ. बशीर वीरी के खिलाफ चुनाव लड़ रही थीं। श्रीगुफवारा-बिजबेहरा निर्वाचन क्षेत्र में, नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के उम्मीदवार बशीर अहमद शाह वीरी ने 33299 वोट हासिल किए और इल्तिजा को 9770 मतों से हरा दिया। इस हार की घोषणा से पहले ही इल्तिजा मुफ्ती ने कहा, मैं लोगों के फैसले को स्वीकार करती हूं। बिजबिहाड़ा में सभी से मुझे जो प्यार और स्नेह मिला है, वह हमेशा मेरे साथ रहेगा। मेरे पीडीपी कार्यकर्ताओं का आभार जिन्होंने इस अभियान के दौरान इतनी मेहनत की।

सोने की ...

मुख्यमंत्री के इस बयान ने पहले ही विपक्ष को हमलावर बना दिया था। अब जलील के बयान ने इस आग में और घी डाल दिया है।जलील ने अपने बयान में कहा कि कोझिकोड एयरपोर्ट पर पकड़े जाने वाले अधिकतर लोग मुस्लिम होते हैं। जलील ने यहां तक कहा कि मुस्लिम मजहबी नेताओं को लोगों को सोना तस्करी और हवाला लेन-देन से दूर रहने की सलाह देनी चाहिए। उन्होंने मुस्लिम लीग के नेताओं से अपील की कि वे सोना तस्करी के खिलाफ फतवा जारी करें, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि यह काम मजहब के खिलाफ है।जलील के इस बयान ने खासकर इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और कांग्रेस को नाराज कर दिया। मुस्लिम लीग के महासचिव पीएमए सलाम ने कहा कि जलील पूरे समुदाय को अपराधी बता रहे हैं, जो निंदनीय और खतरनाक है। उन्होंने मांग की कि जलील तुरंत अपने बयान के लिए माफी मांगें। मुस्लिम लीग के अन्य नेताओं ने भी जलील पर हमला बोला, और कहा कि जलील ने केवल अपने राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए इस तरह के बयान दिए हैं।

मुस्लिम लीग के नेता सलाम ने कहा, यह बयान समुदाय को बदनाम करने की साजिश है। यहां तक कि भाजपा नेताओं ने भी ऐसा आरोप नहीं लगाया है। वहीं कांग्रेस नेता वी. टी. बलराम ने जलील के बयान को बेतुका बताया और कहा कि अपराधों का मुकाबला फतवे के जरिए नहीं, बल्कि कानूनन किया जाना चाहिए। बयान को लेकर हुए विवाद के बाद जलील ने सफाई पेश की। केटी जलील ने कहा कि उन्होंने ऐसा कुछ भी नहीं कहा जो इस्लाम के खिलाफ हो। उनका मकसद केवल यह था कि मजहबी नेता लोगों को जागरूक करें कि सोना तस्करी और हवाला लेन-देन मजहब के खिलाफ हैं। मैंने सिर्फ इतना कहा है कि अधिकतर लोग जो पकड़े जा रहे हैं, वे मुस्लिम हैं।जलील ने कहा कि उन्होंने पूरे समुदाय पर आरोप नहीं लगाया है, बल्कि उन्होंने सिर्फ यह बताया कि सोना तस्करी में शामिल अधिकतर लोग मुस्लिम समुदाय से हैं। उनका कहना था कि समुदाय को यह समझना होगा कि यह गतिविधियाँ मजहब के खिलाफ हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने सिर्फ जागरूकता फैलाने के लिए मजहबी नेताओं से फतवे की मांग की है, और यह मांग इस्लामोफोबिया नहीं है। इस पूरे विवाद में भाजपा नेता वी. मुरलीधरन ने भी जलील पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जलील का बयान संविधान का अपमान है। मुरलीधरन ने कहा कि देश में अपराधों के खिलाफ कानून बने हुए हैं, और इन कानूनों का आधार संविधान है, न कि कोई मजहबी कानून। उन्होंने यह भी कहा कि जलील का बयान संविधान की मूल भावना के खिलाफ है और उन्हें इस मामले में सोच-समझकर बोलना चाहिए।भाजपा के अलावा कांग्रेस नेताओं ने भी इस विवाद पर टिप्पणी की। कांग्रेस नेता शफी परम्बिल ने कहा, भारत एक लोकतांत्रिक देश है, और यहां किसी भी गैरकानूनी गतिविधि को फतवे के जरिए नहीं बल्कि कानूनी तरीके से सुलझाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जलील का बयान समाज में एक गलत संदेश दे रहा है और यह देश के लोकतांत्रिक ढांचे के खिलाफ है। यह पहली बार नहीं है कि जलील विवादों में घिरे हैं। 2020 में जब वह उच्च शिक्षा मंत्री थे, तब भी उन पर कस्टम विभाग ने एक मामले में पूछताछ की थी, जिसमें यूएई के वाणिज्य दूतावास के माध्यम से तस्करी का आरोप लगा था। उन पर कस्टम द्वारा सोने की तस्करी का मामला भी दर्ज किया गया था। उस समय भी जलील को व्यक्ति विशेष के रूप में संदिग्ध माना गया था, और उन्हें राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा भी पूछताछ के लिए बुलाया गया था।

मालदीव में...

लेकिन इन दिनों नई दिल्ली के दौरे पर आए हुए मुइज्जू ने भारत की ताकत को पहचानते हुए मोदी के साथ चर्चा में ऐसे समझौते किए हैं जो चीन को संभवत: पसंद नहीं आएंगे। हिंद महासागर के अलावा भारत माले में रडार तंत्र जमाने जा रहा है और विशेष बात यह कि मुइज्जू ने खुद इस परियोजना में दिलचस्पी दिखाई है।

कल जो मोदी के साथ मुइज्जू की चर्चा हुई और दोनों ने रक्षा सहयोग में विस्तार की सहमति दी उससे कई संकेत निकलते हैं। इस भेंट के दौरान भारत और मालदीव के बीच अन्य कई क्षेत्रों में सहयोग पर मुहर लगी है। रक्षा क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण सहयोग यह हुआ है कि मालदीव की सेना को और सुघड़ और चुस्त और आधुनिक करने में कोई मदद करेगा तो वह भारत ही है। यह कदम चीन को जरूर चुभ रहा होगा, लेकिन इसके लिए वही मुइज्जू तैयार हैं जो चुनाव में भारत के सैनिकों को वापस करने की कसमें खाए हुए थे।एक और समझौता हुआ है कि भारत मालदीव में डिफेंस प्लेटफॉर्म और सम्पत्ति स्थापित करेगा। मुइज्जू सरकार ने अब इस बात को भी हरी झंडी दिखा दी है कि माले में भारत का रडार तंत्र स्थापित होगा और सुरक्षा में सेंध लगाने वालों को दूर से देख लेगा। इस समझौते से अब मालदीव की नेशनल डिफेंस फोर्स की निगाहें चौकन्नी करने में भी भारत की बड़ी भूमिका रहने वाली है। मालदीव को रडार तंत्र तथा दूसरे उपकरण भारत देने वाला है।

वैसे आज से नहीं, भारत ऐतिहासिक रूप से मालदीव की विकास और रक्षा योजनाओं में मदद के लिए हर वक्त मौजूद रहा है। काफी पैसा भी लगाया है और कर्ज भी दिया है। कुछ समय पहले भारत के विदेश मंत्री जयशंकर माले गए थे और उन्होंने उस देश के विकास में प्रधानमंत्री मोदी की विशेष दिलचस्पी का हवाला देते हुए कर्ज वापसी की सीमा बढ़ाने की घोषणा की थी। हिंद महासागर को लेकर भी मुइज्जू का रुख सकारात्मक रहा है। उन्होंने कहा भी है कि वे भारत की सुरक्षा चिंताओं को अनदेखा नहीं करेंगे और किसी भी देश को अपनी धरती भारत विरोध गतिविधियों के लिए प्रयोग नहीं करने देंगे। मोदी प्रसन्न हैं कि राष्ट्रपति मुइज्जू के साथ रक्षा-सुरक्षा सहयोग के विस्तार पर अच्छी चर्चा हुई।इस प्रकार भारत ने मालदीव में अपना विस्तार करके कम्युनिस्ट चीन को साफ संकेत दे दिया है। भारत-मालदीव संयुक्त बयान बताता है कि मालदीव सरकार की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को देखते हुए अपनी समुद्री तथा सुरक्षा जरूरतों को आगे बढ़ाया जाएगा और भारत इसमें मददगार रहेगा।

कॉमेडी-शो...

जब चुनाव के परिणाम आए, तो कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन ने जोरदार जीत हासिल की, जबकि भाजपा को उम्मीद से कम सीटें मिलीं। यहां भी एग्जिट पोल्स का अनुमान गलत साबित हुआ और चुनाव परिणाम एकतरफा रहे।

एग्जिट पोल्स में कई बार राष्ट्रीय मुद्दों या बड़े दलों के आधार पर अनुमान लगाया जाता है, जबकि स्थानीय स्तर पर मुद्दे और समीकरण पूरी तरह अलग हो सकते हैं। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के मामलों में भी यह देखने को मिला, जहां स्थानीय जातिगत समीकरण, उम्मीदवार की छवि और अन्य कारक पोल्स में सही तरीके से शामिल नहीं किए गए थे। एग्जिट पोल्स को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं कि इन पर भरोसा क्यों किया जाए? पिछले कुछ वर्षों मे नतीजों से एग्जिट पोल्स की साख पर बट्टा लगने लगा है और लोगों ने जमकर मजाक बनाया है। कुछ लोग तो यह कह रहे हैं कि एग्जिट पोल्स एक कॉमेडी शो बन गए हैं। इसे लेकर सोशल मीडिया पर कमेंट्स, ट्वीट्स और मीम्स की बाढ़ आई हुई है। साफ है कि लोग एग्जिट पोल्स को अब गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

एग्जिट पोल्स को लेकर ट्विटर और फेसबुक पर लोगों की व्यंग्यपूर्ण टिप्पणियों ने यह साबित किया है कि अब लोग इन भविष्यवाणियों को हल्के में लेने लगे हैं। एग्जिट पोल्स को सिर्फ एक मनोरंजन के रूप में देखा जा रहा है, और असली खेल चुनावी नतीजों के साथ ही शुरू होता है। सोशल मीडिया पर एक व्यक्ति ने लिखा, अब तो एग्जिट पोल्स का भी एग्जिट हो जाना चाहिए। देश के आम नागरिकों का कहना है कि हरियाणा और जम्मू-कश्मीर चुनावों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि एग्जिट पोल्स पर भरोसा नहीं किया जा सकता। यह केवल एक मनोरंजन करने का जरिया रह गया है। अंतिम नतीजे मतदाताओं के वास्तविक वोटों पर ही निर्भर करते हैं। इस बार हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में एग्जिट पोल्स की गलतियों ने यह साफ कर दिया है कि जमीन पर असली माहौल क्या है, इसे समझने के लिए गहन विश्लेषण और जमीनी हकीकत से जुड़े रहना जरूरी है।

मां कालरात्रि की पूजा करने से साहस और पराक्रम की होती है प्राप्ति

नवरात्रि के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा- अर्चना करें

नवरात्रि के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा- अर्चना करने का विधान है। मां कालरात्रि को शुभंकरी भी कहा जाता है। कहा जाता है कि मां कालरात्रि की पूजा करने से काल का नाश होता है। मां के इस स्वरूप को वीरता और साहस का प्रतीक माना जाता है। माता का रंग काला होने के कारण इन्हें कालरात्रि कहा गया है। वहीं अगर माता के स्वरूप की बात करें, तो मां कालरात्रि के तीन नेत्र हैं। इनके हाथों में खड्ग और कांटा है। साथ ही इनका वाहन गधा है। जानिए नवरात्रि के सातवें दिन की पूजा विधि, आरती, मंत्र और मुहूर्त

जानिए मां कालरात्रि की पूजा- विधि

नवरात्रि के सातवें दिन सुबह जल्दी उठ जाएं और स्नान करके साफ सुथरे वस्त्र धारण कर लें। साथ ही इसके बाद गणेश वंदना करें। इसके बाद धूप और दीपक प्रज्वलित करें। साथ ही मां कालरात्रि का चित्र या तस्वीर स्थापित करें। वहीं अगर कालरात्रि की तस्वीर नही है तो मां दुर्गा का जो चित्र स्थापित है। उसकी ही पूजा करें। वहीं माता कालरात्रि की पूजा में अक्षत, धूप, रातरानी के पुष्प, गंध, रोली, चंदन का इस्तेमाल करते हुए उनका पूजन करें। वहीं मां कालरात्रि को गुड़ और गुड़ से बनी चीजें पसंद है। तो उनको भोग लगाएं। साथ ही अंत में आरती और दुर्गा सप्तशती का पाठ करें।

ध्यान

करालवंदना धोरां मुक्तकेशी चतुर्भुजाम्।
कालरात्रिं करालिंका दिव्यां विद्युतमाला विभूषिताम।।
दिव्यं लौहवज्र खड्ग वामोघोर्ध्व कराम्बुजाम्।
अभयं वरदां चैव दक्षिणोध्वाघः पार्णिकाम् मम।।
महामेघ प्रभां श्यामां तक्षा चैव गर्दभारूढ़ा।
घोरदंश कारालास्यां पीनोन्नत पयोधराम्।।
सुख पप्रसन्न वदना स्मेरान्न सरोरूहाम्।
एवं सचियन्तयेत् कालरात्रिं सर्वकाम् समृध्दिदाम्।।

स्तोत्र पाठ

हीं कालरात्रि श्री कराली च क्लीं कल्याणी कलावती।
कालमाता कलिदर्पध्नी कमदीश कुपान्विता।।
कामबीजजपान्दा कमबीजस्वरूपिणी।
कुमतिघ्नी कुलीनर्तिनाशिनी कुल कामिनी।।
क्लीं हीं श्रीं मन्त्रवर्णेन कालकण्टकघातिनी।
कृपामयी कृपाधारा कृपापारा कृपागमा।।

मां कालरात्रि की आरती

कालरात्रि जय-जय-महाकाली।
काल के मुह से बचाने वाली।।
दुष्ट संघारक नाम तुम्हारा।
महाचंडी तेरा अवतार।।
पृथ्वी और आकाश पे सारा।
महाकाली है तेरा पसारा।।
खडग खप्पर रखने वाली।
दुष्टों का लहू चखने वाली।।
कलकत्ता स्थान तुम्हारा।
सब जगह देखूं तेरा नजारा।।
सभी देवता सब नर-नारी।
गावें स्तुति सभी तुम्हारी।।
रक्तदंता और अन्नपूर्णा।
कृपा करे तो कोई भी दुःख ना।।
ना कोई चिंता रहे बीमारी।
ना कोई गम ना संकट भारी।।
उस पर कभी कष्ट ना आवें।
महाकाली मां जिसे बचावे।।
तू भी भक्त प्रेम से कह।
कालरात्रि मां तेरी जय।।

जानिए पूजा विधि, मंत्र और आरती

मां कालरात्रि को राशि अनुसार अर्पित करें ये चीजें

मेष राशि: मेष राशि के लोगों को माता कालरात्रि को गुड़हल के फूल अर्पित करने चाहिए।

वृषभ राशि: वृषभ राशि के जातक को इस शुभ दिन पर देवी काली को गुड़ का भोग लगाना चाहिए।

मिथुन राशि: मिथुन राशि के लोगों को इस शुभ दिन पर माता काली को सिंदूर अर्पित करना चाहिए।

कर्क राशि: कर्क राशि के जातकों को माता कालरात्रि को शहद अर्पित करना चाहिए।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों को इस शुभ तिथि पर देवी काली को मखाने की माला चढ़ानी चाहिए।

कन्या राशि: कन्या राशि के लोगों को इस मौके पर महाकाली को कुमकुम अर्पित करना चाहिए।

तुला राशि: तुला राशि के लोगों को माता कालरात्रि को लाल वस्त्र अर्पित करने चाहिए।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि के जातकों को इस शुभ अवसर पर मां काली को पान और सुपारी अर्पित करना चाहिए।

धनु राशि: धनु राशि के लोगों को इस शुभ दिन पर मां काली को गुड़ मिश्रित खीर का भोग लगाना चाहिए।

मकर राशि: मकर राशि के लोगों को देवी कालरात्रि को नीले फूल और शमी पत्र अर्पित करने चाहिए।

कुंभ राशि: कुंभ राशि के जातकों को इस तिथि पर महाकाली को तिल और गुड़ के लड्डू का भोग लगाना चाहिए।

मीन राशि: मीन राशि वालों को इस शुभ अवसर पर माता काली को नारियल और चुनरी अर्पित करना चाहिए।

मां कालरात्रि के मंत्र

दंष्ट्राकरालवदने शिरोमालाविभूषणे। चामुण्डे मुण्डमथने नारायणि नमोऽस्तु ते।।

या देवी सर्वभूतेषु दयारूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

- ॐ कालरात्र्यै नमः
- ॐ फट् शत्रून साघय घातय ॐ
- ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं दुर्गति नाशिन्यै महामायायै स्वाहा
- या देवी सर्वभूतेषु कालरात्रि रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
- ऊं ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे।

9 अक्टूबर को गुरु होंगे वक्री

वृष राशि में चलेंगे उल्टी चाल देश-दुनिया पर मंडराएगा संकट

धर्म, समाज, शिक्षा, आदि के कारक ग्रह गुरु 9 अक्टूबर, बुधवार रात्रि 8:50 बजे से वक्री होंगे। गुरु की उल्टी चाल से मौसम में बदलाव होगा। बारिश के योग फिर बनेंगे। धर्म समाज के क्षेत्र में भी उन्माद देखने को मिलेगा।

शत्रु राशि में वक्री गुरु का प्रभाव धार्मिक क्षेत्र में, धर्म स्थानों में संघर्षपूर्ण स्थितियां निर्मित कर सकता है। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित ज्योतिष मठ संस्थान के संचालक पंडित विनोद गौतम ने बताया कि गुरु आगामी 28 जनवरी 2025 तक उल्टी चाल चलेंगे।

गुरु का वक्री होना संकटकारी

पंडित विनोद गौतम के अनुसार, वर्तमान समय पर चल रहे धर्म, कर्म के कार्य एवं प्रयागराज महाकुंभ मेला की स्थिति को देखते हुए गुरु का वक्री होना संकटकारी है। ऐसे में प्रयागराज कुंभ में विशेष सतर्कता की आवश्यकता है।

देश में धार्मिक उन्माद बढ़ाने के साथ टकराव की स्थितियां निर्मित होने की आशंका है। गुरु के वक्री होने के समय मौसम में अचानक परिवर्तन होगा। आठ अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक कई जगह वर्षा होगी। 11 अक्टूबर तक वर्षा का अंतिम नक्षत्र हस्त चलेगा। गुरु के राशि परिवर्तन का विभिन्न राशियों पर भी सकारात्मक व नकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा। सलाह है कि लोग धर्म में मन लगाएं।

गुरु के राशि परिवर्तन का असर

मेष: शुभ समाचार मिलेगा। धन लाभ के योग बन रहे हैं।

वृष: बीमारी के कारण शरीर का कष्ट रहे। ट्रांसफर हो सकता है।

मिथुन: व्यर्थ की चिंता करेंगे। परिजन-दोस्तों का सहयोग मिलेगा।

कर्क: स्वास्थ्य की चिंता सताएगी। व्यापार में धोखा मिल सकता है।

सिंह: धन लाभ के योग बन रहे हैं। हर कार्य में सफलता मिलेगी।

कन्या: रोग के कारण परेशानी रहेगी। प्रॉपर्टी में निवेश से लाभ होगा।

तुला: किसी पुरानी चिंता का निवारण होगा। धन में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: भूमि का सौदा करेंगे। लाभ होगा। समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

धनु: यात्रा के योग हैं जिससे कष्ट का अनुभव होगा। पुत्र सुख का योग।

मकर: परिवार में कोई शुभ प्रसंग आएगा। यात्रा के दौरान परेशानी रहेगी।

कुंभ: श्रम अधिक रहेगा। लाभ के योग भी बन रहे हैं। योजना सफल होगी।

मीन: घर में मेहमानों का आगमन रहेगा। किसी विषय पर मतभेद रहेगा।

नवरात्रि से दिवाली के बीच खरीदारी के 10 शुभ मुहूर्त

नवरात्रि की शुरुआत तीन अक्टूबर से हो गई है। नवरात्र से लेकर दीपावली तक खरीदारी के 10 शुभ मुहूर्त हैं। इससे त्योहारी मौसम में बाजार में रौनक रहने के आसार हैं। सोने-चांदी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, बर्तन और कपड़ा बाजार में जबरदस्त तैयारियां शुरू हो गई हैं।

पंडित विपिन कृष्ण भारद्वाज के अनुसार, नवरात्र से दीपावली के बीच धनतेरस खरीदारी करने का सबसे महत्वपूर्ण दिन होता है। धनतेरस के पहले 5 अक्टूबर से लेकर 16 अक्टूबर के बीच खरीदारी करने के 8 शुभ मुहूर्त हैं। साथ ही 24 अक्टूबर को गुरु पुष्य योग है। इसमें खरीदारी करना अत्यंत शुभ माना जाता है।

24 अक्टूबर गुरु पुष्य योग, 30 को धनतेरस

पंडित भारद्वाज ने बताया कि 24 अक्टूबर को पुष्य नक्षत्र है, जिसे अमरेज्य भी कहा जाता है। इस नक्षत्र की गुरुवार को युति खरीददारी के लिए बहुत ही शुभ होती है।

पुष्य नक्षत्र शनि प्रधान है, लेकिन इसकी प्रकृति गुरु जैसी होती है। इस दिन स्वर्ण आभूषण, हीरा, देव प्रतिमा, भूमि-भवन, वाहन, फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन खरीदना चाहिए।

धनतेरस के दिन ही धनवंतरी कलश लेकर प्रकट हुए थे। इसलिए धनतेरस के दिन पात्र का क्रय किया जाए तो पात्र की क्षमता से तेरह गुना धन और ऐश्वर्य प्राप्त होने के योग बनते हैं।

जानिए धनतेरस पर राशि अनुसार क्या खरीदें

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस दिन चांदी और पीतल के बर्तन खरीदने से मानसिक शांति मिलती है। शरीर भी पुष्ट होता है। इस दिन खरीदी गई वस्तु लंबे समय तक रहती है।

खरीदारी के अन्य शुभ मुहूर्त

05 अक्टूबर: सर्वार्थ सिद्धि और सूर्य योग में आभूषण, हीरे, देव प्रतिमाएं, भूमि खरीदें।

06 अक्टूबर: रवि योग में स्वर्ण आभूषण, स्टील के सामान, सजावटी सामान घर लाएं।

07 अक्टूबर: प्रीति, सर्वार्थ सिद्धि व रवि योग में लॉकर, वाहन, फ्रिज, टीवी की खरीदी।

08 अक्टूबर: सौभाग्य आयुष्मान और रवि योग में भूमि, घड़ा, फर्निचर, सोना खरीदें।

11 अक्टूबर: सर्वार्थ सिद्धि व रवि योग में किचन के सामान, सजावटी सामान खरीदें।

12 अक्टूबर: विजया दशमी के दिन घड़ा, फर्निचर, हीरा, स्वर्णाभूषण खरीदना शुभ।

15 अक्टूबर: सर्वार्थ सिद्धि एवं सूर्य योग में आभूषण, हीरे, देव प्रतिमा, भूमि क्रय करें।

16 अक्टूबर: रवि योग में हीरा, स्वर्णाभूषण, ऑफिस के सामान खरीदना शुभ रहेगा।

धनतेरस पर राशि के अनुसार खरीदारी

मेष: पति-पत्नी के लिए सोने या चांदी का उपहार।

वृषभ: सजावटी वस्तुएं, वाहन, रसोई सामान।

मिथुन: देव प्रतिमा, हरे रत्नजड़ित बेसलेट।

कर्क: मोती, वस्त्र, आभूषण, मकान या भूखंड।

सिंह: लाकर, अलमारी, वाहन, कम्प्यूटर, चांदी के आभूषण।

कन्या: गैस चूल्हा, किचन का सामान, पन्ना, रत्न, घर या प्लॉट।

तुला: लाइट, सजावटी सामान, पढ़ें, सोने की अंगूठी।

वृश्चिक: मंदिर, सजावटी सामान, मूंगा, सोने का हार।

धनु: मां के लिए आभूषण, पुखराज, लक्ष्मी यंत्र।

मकर: उपयोगी यंत्र, वाहन, सोने या चांदी के आभूषण।

कुम्भ: घड़ा, चौड़े मुंह के पात्र, सोने का सिक्का।

मीन: मोती, समाधि, वाहन, वस्त्र, घर या भूखंड।

महाष्टमी पर बन रहा है दुर्लभ संयोग, इन राशियों के जातकों को करियर में मिल सकती है तरक्की

इस वर्ष शारदीय नवरात्रि की महाष्टमी 11 अक्तूबर को मनाई जाएगी। अष्टमी तिथि पर महागौरी की पूजा करने का विधान है। इस साल की महाष्टमी बेहद विशेष मानी जा रही है। इसी दिन महानवमी का भी संयोग बन रहा है। महाष्टमी तिथि 10 अक्तूबर को सुबह 7:29 पर लगेगी जो 11 अक्तूबर को सुबह 6:52 बजे तक रहेगी। इसके बाद 6:52 बजे से नवमी तिथि लग जाएगी और 12 अक्तूबर की भोर में 5:47 बजे तक रहेगी। महाष्टमी के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, रवि योग और बुधादित्य राजयोग का भी संयोग बन रहा है। ज्योतिषविदों के अनुसार यह योग लगभग 50 वर्ष बाद बन रहा है। महाष्टमी पर बनने वाले शुभ योग कुछ राशियों को विशेष फल प्रदान करेंगे।

मेष राशि

मेष राशि के जातकों के लिए महाष्टमी बहुत लाभकारी हो सकती है। यदि आपका कोई कारोबार है तो उसमें आपको धनलाभ होने की संभावना है। आपके व्यापार में विस्तार के साथ धन की भी बचत होगी। यदि आप नौकरी पेशा हैं तो कार्यक्षेत्र में अधिकारी आपके कार्य की सराहना करेंगे। आप जिस भी योजना में हाथ डालेंगे उसमें आपको सफलता मिलने की संभावना है।

कर्क राशि

कर्क राशि के जातकों के लिए शारदीय नवरात्रि की अष्टमी तिथि शुभ फल देने वाली हो सकती है। यदि आप नौकरी की तलाश में हैं तो आपको सफलता मिलेगी। आपके जो भी कार्य अधूरे पड़े थे वो पूरे हो सकते हैं। यदि आप नौकरीपेशा हैं तो आपको अपनी कनिष्ठ और वरिष्ठ साथियों का सहयोग मिल सकता है। इन शुभ संयोगों के चलते आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी और साथ ही परिवार का भी समर्थन प्राप्त होगा।

कन्या राशि

कन्या राशि के जातकों के लिए महाष्टमी की तिथि शुभ साबित हो सकती है। महाष्टमी पर बन रहे शुभ योगों के प्रभाव से आप देश-विदेश की यात्रा का लाभ उठा सकते हैं। नौकरी-पेशा जातकों के लिए समय काफी शुभ रहेगा और करियर में भी तरक्की मिलने की संभावना है। इस समय आपकी आय के नए स्त्रोत भी बन सकते हैं। यदि आपने पहले कहीं निवेश किया था उसका भी आपको लाभ मिलेगा। संतान की ओर से भी आपको शुभ समाचार मिल सकता है।

कार्तिक आर्यन-विद्या बालन की भूल भुलैया 3 का ट्रेलर रिलीज पोस्टपोन !

कार्तिक आर्यन और विद्या बालन के साथ मिलकर अपनी आगामी फिल्म भूल भुलैया 3 का प्रमोशन शुरू कर दिया है। प्रमोशन के बीच फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। खबर है कि भूल भुलैया 3 का ट्रेलर रिलीज पोस्टपोन कर दिया गया है। भूल भुलैया 3 ट्रेलर 6 अक्टूबर को रिलीज होने वाला था। बताया जा रहा है कि कुछ आखिरी मिनट के बदलाव किए गए है, जिसके कारण ट्रेलर को रिलीज करने में समय लग रहा है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भूल भुलैया 3 के मेकर्स ने अपना ट्रेलर रिलीज करने का फैसला किया था। हालांकि, उन्होंने इसे पोस्टपोन कर दिया है। मेकर्स सिंघम अगेन के ट्रेलर रिलीज के बाद भूल भुलैया 3 का ट्रेलर रिलीज करने का प्लान कर हैं। हालांकि भूल भुलैया 3 के ट्रेलर पर मेकर्स की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।उधर सोशल मीडिया पर फैंस भूल भुलैया 3 के ट्रेलर को लेकर सवाल करना शुरू कर दिए हैं। एक एक्स (पूर्व में ट्विटर) यूजर ने सवाल करते हुए पूछा है, ट्रेलर कहां है भूल भुलैया 3 का? वहीं, एक यूजर ने सवाल ने किया है, भूल भुलैया 3 ट्रेलर का क्या हुआ भाई? आज रिलीज होने वाला था ना? क्या सिंघम फिर से ट्रेलर के रिस्पॉन्स का इंतजार कर रहे हैं भूल भुलैया 3 के मेकर्स?। एक ने लिखा है, भूल भुलैया 3 का ट्रेलर नहीं आने वाला है क्या आज?मेकर्स ने 9 दिन पहले यानी 27 सितंबर को भूल भुलैया 3 का टीजर लॉन्च किया था। टीजर से फैंस को पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है। रूह बाबा वर्सेज मंजूलिका की स्टोरी देखने के लिए फैंस और दर्शक फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।अनीस बज्मी भूल की निर्देशित भूल भुलैया सीरीज की तीसरी किस्त के साथ सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है। फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ विद्या बालन ने वापसी किया है। फिल्म तृप्ति डिमरी भी हैं।

मानुषी छिल्लर ने ऑफ शोल्डर गाउन पहन दिए किलर पोज

पूर्व मिस वर्ल्ड और एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक हैं। उनकी अदाओं का जलवा फैंस के बीच गजब देखने को मिलता है।बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा मानुषी छिल्लर ने हाल ही में एक शानदार ऑफ शोल्डर ब्लैक गाउन पहनकर सबको अपना दीवाना बना दिया. उन्होंने अपने किलर पोज़ से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा दी हैं. इस लुक में मानुषी का अंदाज बेहद खास नजर आ रहा था. मानुषी ने लाइट मेकअप के साथ अपने बालों को खास अंदाज में बांधा हुआ था, जो उनकी खूबसूरती को और निखार रहा था. उनकी हॉटनेस और कॉन्फिडेंस ने हर किसी का ध्यान खींच लिया, जिससे फैंस के होश उड़ गए.उनकी ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, और फैंस उनकी इस नई लुक की तारीफें करते नहीं थक रहे हैं. मानुषी छिल्लर का यह लुक साबित करता है कि वह हमेशा अपने फैशन से सबको प्रभावित करती हैं.बता दें कि मानुषी छिल्लर हमेशा अपने बोल्ड और हॉट अंदाज से फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। हालांकि फैंस भी उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। साथ ही फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स कर के जमकर प्यार लूटाते हैं।

व्हाइट बॉडीकॉन आउटफिट पहन शिल्पा शेट्टी दिखीं बेहद ग्लैमरस

बॉलीवुड इंडस्ट्री की फिटनेस क्वीन शिल्पा शेट्टी हमेशा अपने लेटेस्ट लुक्स को लेकर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस को पैपराजी ने मनीष मल्होत्रा के न्यू स्टोर इवेंट लॉन्च के दौरान स्पॉट किया। इस दौरान उनका लुक देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं।बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी फिटनेस फ्रीक हैं।

वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक को देखकर तारीफ करते नहीं थकते हैं।अब हाल ही में एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी को पैपराजी ने बीती शाम इवेंट के दौरान स्पॉट किया, जहां उनका कातिलाना लुक देखकर फैंस हैरान हो गए हैं।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने व्हाइट कलर का स्टाइलिश बॉडीफिटेड गाउन पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही स्टनिंग नजर आ रही हैं।खुले बाल और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

इंडियन हो या फिर वेस्टर्न एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी अपने हर एक आउटफिट में कहर ढाती हैं। फैंस भी उनके स्टाइल को काफी फॉलो करते हैं।एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी ज्यादा तगड़ी है।

बघीरा की रिलीज डेट का ऐलान

31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में धमाल मचाएगी कन्नड़ स्टार श्रीमुरली की थ्रिलर फिल्म

होम्बले फिल्म्स अपने आगामी फिल्म बघीरा के साथ सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है। मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया है। एक्शन से भरपूर फिल्म इसी साल अक्टूबर में रिलीज हो रही है। इस फिल्म में कन्नड़ स्टार श्रीमुरली अहम भूमिका में नजर आएंगे।बुधवार को होम्बले फिल्म्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर बघीरा के नए पोस्टर के साथ रिलीज डेट का एलान किया। पोस्टर में भारी बारिश में एक मास्क की झलक दिखाई है, साथ फिल्म की रिलीज डेट भी मेंशन किया गया है। इस पोस्टर को साझा करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है, न्याय की तलाश शुरू। बघीरा 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में धूम मचाएगी।

होम्बले फिल्म्स की निर्मित यह फिल्म, जिस पर श्रीइमुरली ने मई 2022 में काम करना शुरू किया था, 31 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आ रही है। कुछ दिन पहले, फिल्म की तारीख को लेकर काफी चर्चा हुई थी कि किच्चा सुदीप की मैक्स की संभावित रिलीज डेट क्या हो सकती है। ध्रुव सरजा की मार्टिन 11 अक्टूबर और शिवराजकुमार की भैरथी रानागल 15 नवंबर को रिलीज होने वाली है, ऐसे में उपेंद्र दिवाली पर फिल्म रिलीज करने की सोच रहे थे, जबकि मैक्स की रिलीज डेट पर काफी समय से अनिश्चितता बनी हुई है।बघीरा, प्रशांत नील की कहानी है जिसका निर्देशन डॉ. सूरी कर रहे हैं, जिन्होंने कई साल पहले यश के साथ लकी बनाई थी। श्रीमुराली एक टफ पुलिस वाले अवतार में दिखाई देंगे। एक्टर की जोड़ी सप्त सागरदाचे एलो फेम एक्ट्रेस रुक्मिणी वसंत के साथ बनाई गई है। रुक्मिणी की दो बैक-टू-बैक फिल्में बघीरा और भैरथी रानागल रिलीज होंगी। बघीरा को केजीएफ और सलार पार्ट वन: सीजफायर के निर्देशक प्रशांत नील ने लिखा है।

बिग बॉस 18 में स्वैग से नायरा बनर्जी ने ली एंट्री

बिग बॉस 18 में अभिनेत्री नायरा बनर्जी की एंट्री हो गई है। कलर्स टीवी पर प्रसारित शो बिग बॉस 18 में रविवार को उन्होंने एक शानदार डांस की प्रस्तुति देते हुए घर में प्रवेश किया। अभिनेत्री तेलुगु, तमिल और कन्नड़ फिल्मों के अलावा दिव्य दृष्टि और जबान संभाल के जैसे टेलीविजन शो में दिखाई दी हैं।शो के होस्ट सलमान खान ने गर्मजोशी के साथ नायरा बनर्जी का स्वागत किया। सलमान ने मंच पर मौजूद शो के अन्य सदस्यों से नायरा को मिलाते हुए उनसे पूछा कि वह किस इरादे से शो में आई हैं।सलमान खान के सवाल पर नायरा ने कहा, शो जीतने के इरादे से आई हूं। घर ट्रॉफी लेकर जाना है। सलमान ने उनसे दूसरा सवाल पूछा क्या घर में आप दोस्त बनाना चाहेंगी। इस सवाल के

जवाब में अभिनेत्री नायरा ने कहा, हां बिल्कुल दोस्त क्यों नहीं बनाना चाहूंगी।बता दें कि अभिनेत्री ने कहा था कि लोगों को लगता है कि सिर्फ चिल्लाने और लडऩे से ही कंटेंट बनता है या व्यक्तित्व दिखता है। मैं उस अवधारणा में विश्वास नहीं करती। मुझे लगता है कि आपका असली व्यक्तित्व वह है जहां प्यार और करुणा के साथ आप कई स्थितियों को भी सुलझा सकते हैं और फिर भी अपनी बात पर अड़े रह सकते हैं और अपनी राय रख सकते हैं। और यही मेरी कोशिश होगी।अपनी रणनीति के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि रणनीतियां पूरी होंगी या काम करेंगी या नहीं। इसलिए बेहतर है कि आप बिना रणनीति बनाए ही आगे बढ़ें। वहीं, आपकी मन:स्थिति, आपकी सूझबूझ आपको सही रास्ता दिखाएगी और आपको सही काम करने के लिए प्रेरित करेगी। ऐसा मेरा विश्वास है।रियलिटी शो कंटेंट के स्क्रिप्टेड होने के आरोप लगे हैं। लेकिन, अभिनेत्री को लगता है कि इस तरह के आरोप बेबुनियाद हैं।उन्होंने बताया कि बिग बॉस के घर में व्यक्ति की भावनाओं को ज्यादा दिखाया जाता है।उन्होंने कहा, अगर आपकी भावनाओं में ज्यादा संवेदनाएं हैं, तो वह दिखाई देंगी। अगर आपकी भावनाओं में ज्यादा आक्रामकता है, तो वह दिखाई देगी। आपका असली व्यक्तित्व दिखाई देगा। मुझे नहीं पता कि शो स्क्रिप्टेड है या नहीं।

पहले ही हो गई थी सिद्धू मूसेवाला की मौत की भविष्यवाणी

ज्योतिषी ने किया था सतर्क, तजिंदर बग्गा ने खोला राज

रिटलिटी शो बिग बॉस 18 की शुरुआत हो गई है। घर के अंदर पहले दिन से ही कंटेस्टेंट्स के बीच टकरार देखने को मिली। शो में भाजपा नेता तजिंदर पाल सिंह बग्गा और रजत दलाल के बीच पुराने विवाद की को आग लगते देखी गई। इस बीच शो में तजिंदर ने दिवंगत गायक सिद्धू मूसेवाला की मौक पर बड़ा खुलासा किया है।

बग्गा को नहीं था पहले ज्योतिष पर यकीन

बिग बॉस 18 के हालिया एपिसोड में तजिंदर बग्गा ने कहा कि सिद्धू मूसेवाला को पहले ही सतर्क कर दिया गया कि उसकी जान को खतरा है। बग्गा ने कहा, 'पहले उन्हें ज्योतिष पर यकीन नहीं था, लेकिन तब मूसेवाला की मौत से जुड़ी भविष्यवाणी सच

हुई तो यकीन हुआ।' शो में एडवोकेट गुणरत्न सदावर्ते से बातचीत में तजिंदर बग्गा ने कहा कि पहले मैं एस्ट्रोलॉजी में विश्वास नहीं करता था, लेकिन मेरा एक दोस्त एस्ट्रोलॉजर है। एक दिन मैंने उसकी तस्वीर सिद्धू मूसेवाला के साथ देखी थी। मैंने उससे पूछा था कि वो पंजाबी सिंगर से क्यों मिले थे।

सिद्धू को देश छोड़कर जाने को कहा था

बग्गा ने कहा, 'मेरे दोस्त ने बताया कि सिद्धू उसे अपनी कुंडली दिखाने आए थे। ये जानकर मैं हैरान रह गया, क्योंकि मुझे नहीं पता था कि सिंगर इन चीजों पर विश्वास करते थे।' तजिंदर ने कहा कि सिद्धू मूसेवाला मेरे ज्योतिष दोस्त के साथ 4 घंटे रहा था। उसने मूसेवाला को सतर्क कर दिया था। उनपर खतरा मंडरा रहा है और देश छोड़कर चले जाना चाहिए।

ठीक 8 दिन बाद हुई मौत

तजिंदर बग्गा ने कहा कि मैंने अपने दोस्त से पूछा था उन्होंने सिद्धू को सीधे बताया था कि उनकी जान को खतरा है, तब उसने कहा कि ज्योतिष में हम सीधा नहीं बता सकते कि किसी का अंतिम समय नजदीक है। बग्गा ने आगे कहा, 'मेरे दोस्त ने पंजाबी सिंगर को पहले ही सतर्क कर दिया था। सिद्धू मूसेवाला ने देश छोड़कर जाने का प्लान बना लिया था।' 8 दिन बाद ही सिद्धू की हत्या हो गई। तब से मैं ज्योतिष में विश्वास करने लगा हूं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

ख़ुश हो जाएं क्योंकि अच्छा समय आने वाला है और आप स्वयं में अतिरिक्त ऊर्जा का अनुभव करेंगे। आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। आपके परिवार वाले किसी छोटी–सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं । कार्यालय में कोई आपको कुछ बढ़िया चीज़ या ख़बर दे सकता है। आज के दिन यात्रा, मनोरंजन और लोगों से मिलना–जुलना होगा। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ बेहतरीन पल गुज़ार सकेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे– लेकिन ख़र्च में इज़ाफ़ा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। दोस्तों के साथ कुछ दिलचस्प और रोमांचक समय बिताने के लिए अच्छा समय है। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल–जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। जो लोग अब तक किसी काम में व्यस्त थे आज उन्हें अपने लिए समय मिल सकता है लेकिन घर में किसी काम के आ जाने से आप फिर से व्यस्त हो सकते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

नियमित व्यायाम के माध्यम से वज़न को नियन्त्रित रखें। अगर आपको लगता है कि आपके पास पर्याप्त धन नहीं है तो आज घर के किसी बड़े से धन संचित करने की सलाह लें। घर पर आपके बच्चे आपके सामने किसी समस्या को तिल का ताड़ बनाकर पेश करेंगे– कोई भी क़दम उठाने से पहले तथ्यों की भली–भांति पड़ताल कर लें। इस राशि के बच्चे आज खेलकूद में दिन बिता सकते हैं, ऐसे में माता–पिता को उनपर ध्यान देना चाहिए क्योंकि चोट लगने की संभावना है। आपका जीवनसाथी आज आपके लिए कुछ बहुत ख़ास करने वाला है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग अपने करीबियों या रिश्तेदारों के साथ मिलकर बिजनेस कर रहे हैं उन्हें आज बहुत सोच समझकर कदम रखने की जरूरत है नहीं तो आर्थिक नुक्सान हो सकता है। आपको अपनी एक–सी दिनचर्या से थोड़ी छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ सैर–सपाटा करने की ज़रूरत है। आपकी मुलाक़ात एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, उन्हें दिमाग़ शांत रखने की ज़रूरत है। परीक्षा की घबराहट को हावी न होने दें। आपका प्रयास सकारात्मक परिणाम ज़रूर देगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आप ख़ुद को नए रोमांचक हालात में पाएंगे– जो आपको आर्थिक फ़ायदा पहुँचाएंगे। कामकाज के नज़रिए से आज का दिन वाक़ई सुचारू रूप से चलेगा। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं जीवनसाथी द्वारा परिवार और मित्रों के बीच नकारात्मक तरीक़े से आपके वैवाहिक जीवन की निजी बातें उजागर हो सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। बिना किसी अनुभवी शख़्स की सलाह के आज ऐसा कोई भी काम न करें जिससे आपको आर्थिक हानि हो। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है।लंबित परियोजनाएँ पूरी होने की दिशा में बढ़ेंगी। आज जीवनसाथी के साथ समय बिताने के लिए आपके पास पर्याप्त समय होगा। आपके प्रेम को देखकर आज आपका प्रेमी गदगद हो जाएगा। जीवनसाथी के साथ वाद–विवाद होने की काफ़ी संभावना है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

सेहत बढ़िया रहेगी। आर्थिक दृष्टि से आज का दिन मिलाजुला रहने वाला है। आज आपको धन लाभ तो हो सकता है लेकिन इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। ऐसा कोई जिसे आप जानते हैं, आर्थिक मामलों को ज़रूरत से ज़्यादा गंभीरता से लेगा और घर में थोड़ा–बहुत तनाव भी पैदा होगा। आज आपका प्रेमी अपने मनोभावों को आपके सामने खुलकर नहीं रख पाएगा जिसकी वजह से आपको खिन्नता होगी। सहकर्मी मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, लेकिन वे ज़्यादा सहायता नहीं कर पाएंगे। शापिंग को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अपना आत्मविश्वास फिर से हासिल करने के लिए अपनी बात खुल कर कहें । आपका धन कहां खर्च हो रहा है इसपर आपको नजर बनाए रखने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में आपको परेशानी हो सकती है। रिश्तेदारों और दोस्तों से अचानक उपहार मिलेगा। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। लेकिन आज जब आपके वैवाहिक जीवन से जुड़ी कई प्यारी चीज़ें आपके सामने आएंगी, तो आप भावुक हुए बिना नहीं रह सकेंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। पुराने परिचितों से मिलने–जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। अगर आप अपने प्रिय को पर्याप्त समय न दें, तो वह नाराज़ हो सकता/सकती है। अगर परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ न आए, तो निराश न हों। अपना समय और ऊर्जा दूसरों की मदद करने में लगाएँ, लेकिन ऐसे मामलों में पड़ने से बचें जिनसे आपका कोई लेना–देना नहीं है। अपने जीवनसाथी के साथ प्यार–मुहब्बत के लिए काफ़ी वक़्त मिलेगा, लेकिन सेहत गड़बड़ हो सकती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। प्रभावशाली और महत्त्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। कई लोगों के लिए आज की रोमांटिक शाम ख़ूबसूरत तोहफ़ों और फूलों से भरपूर रहेगी। आपको कार्यक्षेत्र में अच्छे फल पाने के लिए अपने काम करने के तरीके पर गौर करने की जरुरत है नहीं तो आप बॉस की नजरों में आपकी नकारात्मक छवि बन सकती है। व्यापार मे प्रदर्शनी आदि आपको नई जानकारियाँ और लाभ कराएंगे। यह दिन दाम्पत्यजीवन के लिए खुशनुमा रहेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास अपनी सेहत को सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। ख़र्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी। आज का दिन ख़ुशियों से भरा रहेगा, क्योंकि आपका जीवन–साथी आपको ख़ुशी देने का हर प्रयास करेगा। अपने प्रिय को आज निराश न करें– क्योंकि ऐसा करने की वजह से बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। आज आपने जो नई जानकारी हासिल की है, वह आपको अपने प्रतिस्पर्धियों पर बढ़त दिलाएगी। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई–बहनों के साथ घर पर पार्टि का लुत्फ उठा सकते है। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। प्यार के सकारात्मक संकेत आपको मिलेंगे। अगर आप कई दिनों से कामकाज में दिक़्क़त महसूस कर रहे हैं, तो आज के दिन आपको राहत महसूस हो सकती है। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। आज के दिन आप वैवाहिक जीवन का आनंद ले सकते हैं।

बुधवार का पंचांग

दिनांक : 09 अक्टूबर 2024 , बुधवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी दोपहर 12:16 तक
नक्षत्र : मूल उत्तर रात्रि 05:15 तक
योग : सौभाग्य प्रातः 06:35 तक
करण : तैतिल दोपहर 12:16 तक
चन्द्र राशि : धनु
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 05:58 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:04 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 05:56 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 05:50 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : सरस्वती आवाहन, गण्डमूल चालू है , विश्व डाक दिवस

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सबसे बड़े खिलाड़ी मामन खान, जो जीता वही सिकंदर साबित हुए देवेंद्र बबली

चंडीगढ़, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव में विशाल अंतर से जीतने वाले सबसे बड़े खिलाड़ी फिरोजपुर झिरका के कांग्रेस प्रत्याशी मामन खान साबित हुए, जबकि सबसे कम अंतर से जीतने वाले जो जीता वही सिकंदर साबित हुए भाजपा के टोहाना से प्रत्याशी देवेन्द्र बबली, जिनकी जीत का अंतर केवल 39 वोट रहा।

श्री खान ने 98441 मतों के अंतर से विशाल जीत हासिल की। उन्हें एक लाख 30 हजार 497 वोट मिले, जबकि उनके उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के नसीम अहमद को केवल 32056 वोट मिले। दूसरी तरफ, श्री बबली को 48788 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी बृजेन्द्र सिंह को 48749 वोट मिले। विशाल अंतर के मामले में दूसरे नंबर पर नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा रहे, जिन्हें गढ़ी सांपला किलोई सीट से एक लाख से अधिक (108539) वोट मिले और उनकी जीत का अंतर 71465 रहा। उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा प्रत्याशी मंजू को 37074 वोट ही मिले। तीसरे नंबर पर भाजपा के राव नरबीर सिंह रहे, जिनकी जीत का अंतर 60705 मिला। बादशापुर सीट पर भाजपा प्रत्याशी को 145503 वोट मिले और उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस प्रत्याशी वर्धन यादव को 84798 वोट मिले। पानीपत ग्रामीण के भाजपा प्रत्याशी महिपाल ढांडा को भी एक लाख से अधिक मत मिले और उनकी जीत का अंतर 50 हजार से ज्यादा रहा। श्री ढांडा को 10881 वोट मिले जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के सचिन कुंडु को 50673 वोट मिले।

फरीदाबाद से भाजपा प्रत्याशी विपुल गोयल की जीत का अंतर भी 48388 रहा। उन्हें 93651 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के लखन कुमार सिंगला को 45263 वोट मिले। कम अंतर से जीतने वालों में इंडियन नेशनल लोकदल के आदित्य देवी लाल भी रहे, जिन्होंने डबवाली में कड़े त्रिकोणीय केवल 610 मतों के अंतर से कांग्रेस के विधायक अमित सिहाग को हराया।

श्री आदित्य को 56074 वोट मिले, श्री सिहाग को 55464 और जननायक जनता पार्टी के दिग्विजय चौटाला को 35261 वोट मिले।

संघर्ष और सच्चाई की जीत–विनेश

जुलाना, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। पहलवानी से राजनीति में आई विनेश फोगाट ने कहा है कि उनकी जीत हर उस संघर्षशील लड़की की जीत है जिसने लड़ने तथा संघर्ष करने का रास्ता चुना है और सच्चाई पर चलने का संकल्प लिया है। पहलवान विनेश फोगाट हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच कांग्रेस में शामिल हुई थीं और पार्टी ने उन्हें विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार बनाया। उन्होंने इस चुनाव में जुलाना से अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के योगेश कुमार को 5761 वोटों से हराया है। कांग्रेस नेता विनेश फोगाट ने अपनी जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा यह हर उस लड़की, हर महिला की लड़ाई है जो लड़ने का रास्ता चुनती है। यह हर संघर्ष की, सच्चाई की जीत है। इस देश ने मुझे जो प्यार और विश्वास दिया है, उसे मैं बनाए रखूंगी। इस बीच कांग्रेस नेत्री और पार्टी की राष्ट्रीय सचिव सुभाषिनी शरद यादव ने भी हरियाणा में पार्टी की हार पर हैरानी जताई और कहा बहुजन को साथ लेकर चलना पड़ेगा। शुरुआत और अंत यहीं है। शिव सेना उद्धव गुट की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी हरियाणा में कांग्रेस की हार पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा को बधाई दी।

पहले ही कहा था, कांग्रेस को दो दिन की खुशी मिली है : बड़ौली

चंडीगढ़, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव की जारी मतगणना के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हरियाणा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने एग्जिट पोल के समय ही कह दिया था कि कांग्रेस को दो दिन की खुशी मिली है।

उन्होंने कहा कि जिस तरह के रुझान आ रहे हैं, भाजपा की स्पष्ट बहुमत से तीसरी बार सरकार बनने जा रही है। श्री बड़ौली ने कहा कि एग्जिट पोल के समय ही उन्होंने कह दिया था कि दो दिन की खुशी कांग्रेस को मिली है, 10 वर्ष का वनवास कांग्रेस का हुआ है और 2047 तक भाजपा का शासन रहना है।

जलेबी को लेकर भाजपा ने ली कांग्रेस की चुटकी

चंडीगढ़, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधानसभा चुनाव की मतगणना के दिन रुझान पलटते ही भाजपा ने जलेबी को लेकर कांग्रेस की चुटकी ली।

दरअसल, दो दिन पहले एग्जिट पोल ने कांग्रेस की वापसी की भविष्यवाणी की थी और सुबह–सुबह शुरुआती रुझानों में कांग्रेस आगे चल रही थी। हरियाणा कांग्रेस ने अपने एक्स हैन्डल पर लिखा राम–राम हरियाणा। जलेबी दिवस की शुभकामनाएं।

चंद घंटे बाद हालांकि जब तस्वीर बदली और भाजपा के लगभग 50 सीटों पर बढ़त के साथ तीसरी बार सरकार बनाने की संभावना जोर पकड़ने लगी तो हरियाणा भाजपा के एक्स हैन्डल पर कांग्रेस के उक्त ट्वीट के जवाब में चुटकी ली गई। भाजपा ने लिखा, राम–राम हरियाणा मातूराम जी (गोहाना वाले) आपकी जलेबी, कड़ाही, दुकान, घी और गल्ला सब सुरक्षित है, क्योंकि भाजपा तीसरी बार आ गई है। सीएलयू गैंग की लूट के भय से मुक्ति मिली।

युवाओं की योग्यता पर्ची–खर्ची के हिस्सेदारों के हाथों तार–तार होने से बच गयी। दलित भाइयों की अस्मिता कायम रहेगी, उत्पीड़न से वह भी बच गये। हरियाणा के सभी परिवारजनों को बधाई।

उल्लेखनीय है कि चुनाव प्रचार के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जलेबी का ज़िक्र किया था और कहा था कि ऐसी स्वादिष्ट जलेबी का बड़े पैमाने पर उत्पादन क्यों न हो सकता और इसे विदेश में निर्यात क्यों नहीं किया जा सकता।

हरियाणा ने कांग्रेस के दुष्प्रचार को नकारा भाजपा पर जताया भरोसा : चौधरी

जयपुर, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने मंगलवार को हरियाणा विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ऐतिहासिक हैट्रिक जीत पर हरियाणा की जनता और भाजपा कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जनता ने कांग्रेस की विध्वंसकारी नीतियों को नकार दिया है।श्री चौधरी ने कहा कि यह ऐतिहासिक विजय भाजपा की जनकल्याणकारी नीतियों और विकास पर हरियाणा के मतदाताओं की मुहर है। हरियाणा की जनता ने कांग्रेस के तमाम दुष्प्रचार और विध्वंसकारी नीतियों के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में चल रही विकासवादी राजनीति पर मोहर लगाकर बेहतरीन काम किया है। इसके लिए हरियाणा की देवतुल्य जनता का आभार और भाजपा कार्यकर्ताओं का अभिनंदन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व पर लगातार तीसरी बार हरियाणा की जनता ने भरोसा जताया है। राष्ट्रहित और जनहित में केंद्र एवं राज्य की भाजपा सरकारों द्वारा प्रत्येक वर्ग के लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के परिणामस्वरूप हरियाणा की जनता ने एक बार फिर भाजपा को चुना और कांग्रेस के तमाम दुष्प्रचारों के बावजूद उसकी विध्वंसकारी नीतियों को नकार दिया है।

सरिस्का के कोर क्षेत्र में बसे 164 परिवारों का किया गया विस्थापन

अलवर,08 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अलवर जिले के सरिस्का के कोर क्षेत्र में बसे गावों के विस्थापन की प्रक्रिया के तहत 164 परिवारों को तिजारा के मलियार जट गांव में बसाये जाने की जानकारी मिली है।

उम्मीद जताई जा रही है कि नवरात्र में उक्त परिवार पूरी तरह विस्थापित हो जाएंगे। गांव वाले खुद ही जाने के इच्छुक हो गए हैं और सहमति व्यक्त की है।डीएफओ अभिमन्यु सिंह ने बताया कि यह सभी 164 परिवार जमीन के मुआवजे पर जा रहे हैं जहां इनको बसाया जाएगा। वहां सरिस्का प्रशासन द्वारा बिजली पानी के कनेक्शन दिए गए हैं, सड़क बनाई गई है। जमीन को समतल किया गया है एवं अन्य जो सुविधा होगी वह दी जा रही है।उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में पांच गांव का विस्थापन किया जा चुका है । द्वितीय चरण में छह गांव हैं जिनका विस्थापन की प्रक्रिया की जा रही है। इक्कीस वर्ष से बड़े व्यक्ति को या युवक को एक परिवार माना है और एक परिवार को छह बीघा जमीन आवंटित की गई है। अब विस्थापित परिवारों को तिजारा के गिदावड़ रूंध में बसाए जाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी जहां 700 हेक्टेयर जमीन है। उन्होंने बताया कि अभी फाइनल स्वीकृति नहीं मिली है, इसकी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। सरिस्का में कुछ परिवारों के वापस आने के सवाल पर उन्होंने बताया कि कोई ऐसा मामला नहीं है कि कोई परिवार सरिस्का आया है। प्रथम किस्त दी गई थी तो उन्हें ऐसा लगा था कि प्लॉट सही जगह नहीं दिए गए। जहां उनकी कम्युनिटी के लोग हैं वहां उनको नहीं मिली वह उस जगह जाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने नाराजगी थी जिसे शीघ्र सही कर दिया जाएगा।

अलवर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी करके जीत की मनाई खुशी

अलवर, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में लगातार तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने की खुशी में मंगलवार को राजस्थान में भाजपा कार्यकर्ताओं ने अलवर के जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता के नेतृत्व में आतिशबाजी करके एवं मिठाइयां बांटकर खुशियां मनाई। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता ने कहा कि लगातार तीसरी बार हरियाणा में भाजपा की सरकार बनना सुशासन, विकास एवं विश्वास की जीत है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश चुनाव प्रभारी सतीश पूनिया के नेतृत्व मे हरियाणा की जनता ने जहां एक और कांग्रेस को सिरे से ख़ारिज कर दिया। वहीं दूसरी ओर भाजपा की रीति और नीति में विश्वास जताया। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भाजपा सरकार बनने से यह तय हो गया है कि हरियाणा का मतदाता परिवारवाद को छोड़कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास मॉडल को पसंद करता है। जिसके चलते 2014 से लेकर वर्तमान तक हरियाणा केंद्र के साथ कंधे से कंधा मिलाकर विकास की ओर आगे बढ़ रहा है। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री महेंद्र कुमावत, पूर्व जिला अध्यक्ष संजय सिंह नरूका, जिला उपाध्यक्ष हरिशंकर खंडेलवाल, के जी खंडेलवाल, दिनेश गुप्ता सहित कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

हरियाणा में तीसरी बार जीत पर भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी

बारां, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में बारां के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकर्ताओं ने हरियाणा में तीसरी बार जीतने और जम्मू–कश्मीर में भाजपा के बेहतर प्रदर्शन पर जिले में कई जगहों पर आतिशबाजी एवं मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया। जिलाध्यक्ष नंदलाल सुमन ने मंगलवार को कहा कि जनता ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों पर अपनी मोहर लगाई है। उन्होंने कहा कि भाजपा और श्री मोदी द्वारा सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास एवं जाति –भाषा के भेद को मिटाने वाली सोच का आम मतदाताओं ने समर्थन किया है। बारां–अटरू विधायक राधेश्याम बैरवा ने इस जीत को कार्यकर्ताओं की जीत बताया और कहा कि कार्यकर्ताओं और आम जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीतियों एवं पार्टी की प्रतिष्ठा को जीत में बदलकर एक बार फिर न केवल राष्ट्र को सुदृढ़ करने वाली सोच को विजयी बनाया।

डीग में शिव परिवार की मूर्तियां खंडित करने पर आक्रोशित लोगों ने किया प्रदर्शन

भरतपुर, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में डीग जिले के जुरहरा कस्बे में प्राचीन इन्द्रकुटी मंदिर में अज्ञात असामाजिक तत्वों द्वारा शिव परिवार की मूर्तियों को खंडित कर दिए जाने से आक्रोशित सैकड़ो लोगों ने मंगलवार को कस्बे में रैली निकाली और बस स्टैंड पर टायर जलाकर प्रदर्शन किया।प्राप्त जानकारी के अनुसार लोगों ने पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते जुरहरा–कामा एवं जुरहरा–पुन्हाना मार्ग अवरुद्ध कर दिया। लोगों के आक्रोश के बीच कस्बे में कुछ देर के लिये तनाव की स्थिति बन गयी, लेकिन बाद में पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों के समझाने से हालात सामान्य हो गए।

भाजपा तीसरी बार हरियाणा में बनाएगी सरकार : अरूण

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार जीत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुशासन का परिणाम बताया है। पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने यहां भाजपा के मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा कि हरियाणा में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बनने जा रही है। पार्टी का हर कार्यकर्ता खुश और उल्लासित है। जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुशासन के जो काम हुए हैं, उस पर मुहर लगाई है। श्री सिंह ने कहा कि मतगणना पूरी होने तक भाजपा की सीटें और बढ़ेंगी। भाजपा प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी।

हरियाणा में नतीजे निराशाजनक : सैलजा

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और लोकसभा सांसद सैलजा ने मंगलवार को कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे निराशाजनक रहे हैं और इसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी। हरियाणा विधानसभा चुनाव के रुझानों को देखते हुए राज्य में भारतीय जनता पार्टी तीसरी बार सरकार का गठन करने जा रही है। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए सुश्री सैलजा ने संवाददाताओं से यहां कहा कि चुनाव नतीजे बहुत निराशाजनक हैं। इसके लिए जिम्मेदारी तय की जाएगी।उन्होंने कहा, परिणाम बहुत निराशाजनक हैं। सुबह तक हमें उम्मीद थी। हमारे सभी कार्यकर्ता बहुत निराश हैं। वे कांग्रेस पार्टी के लिए पिछले दस वर्ष से कड़ा परिश्रम कर रहे थे और जब परिणाम सामने आया तो वे बहुत निराश हैं। हमें नयी शुरुआत करनी होगी और कमियों के बारे सोचना होगा। हमें यह देखना होगा कि ऐसे परिणामों के लिए कौन जिम्मेदार है। सुश्री सैलजा हरियाणा के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री पद की दावेदार थीं और पार्टी के अन्य नेताओं के साथ उनके मनमुटाव के समाचार भी सामने आये थे।

आपा ने की इंडिया समूह से गद्दारी : मालीवाल

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए पार्टी पर हरियाणा चुनाव में इंडिया समूह से ग़द्दारी करने का आरोप लगाया।

सुश्री मालीवाल ने हरियाणा विधान सभा के शुरुआती नतीजों को देखते हुए आज एक्स के माध्यम से आप पर हमला किया। उन्होंने कहा सिर्फ़ कांग्रेस से बदला लेने के लिए हरियाणा में उतरे। मुझ पर भाजपा का एजेंट होने के झूठे आरोप लगाए, खुद आज इंडिया समूह से ग़द्दारी करके कांग्रेस की वोट काट रहे हैं। उन्होंने कहा सब छोड़ो, विनेश फोगाट तक को हराने के लिए प्रत्याशी उतारा। क्यों ऐसा हाल आ गया है कि अपने गृह राज्य में ज़मानतें नहीं बचा पा रहे ? अभी भी वक्त है, अहंकार छोड़ो, धुंधली आँखों से पर्दा हटाओ, ड्रामा मत करो और जनता के लिए काम करो। गौरतलब है कि अब तक के रुझानों में भाजपा तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाने जा रही है।

हरिणाया में मतगणना पर जयराम के आरोपों को चुनाव आयोग ने किया खारिज

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रभारी एवं सांसद जयराम रमेश के इस आरोप को मंगलवार को खारिज कर दिया कि आयोग हरियाणा विधान सभा चुनाव की मतगणना के रुझानों को अपनी वेबसाइट पर धीमी गति से जारी कर रहा है। आयोग ने इस संबंध में कांग्रेस नेता की ओर से मिले ज्ञापन को मतगणना के बारे में निराधार, अपुष्ट और दुर्भावनापूर्ण बातों को विश्वसनीयता प्रदान करने की दबी–छुपी चाल बताया है।

श्री रमेश ने सोशल मीडिया पर कहा था कि गणना की सूचना धीमे करकर भारतीय जनता पार्टी राज्य की नौकरशाही पर दबाव डालना चाहती है।

चुनाव आयोग के प्रधान सचिव एसबी जोशी ने श्री रमेश की ओर से आज मतगणना के दौरान मिली लिखित शिकायत पर आयोग की ओर से दिए गए जवाब में कहा, हरियाणा में सभी निर्वाचन क्षेत्रों की मतगणना में हर पांच मिनट पर लगभग 25 राउंड की गणना की सूचनाएं अद्यतन की जा रही हैं जो इस बात का साक्ष्य है कि मतगणना प्रक्रिया की सूचनाएं तेजी से प्रसार की जा रही हैं।

श्री जोशी ने श्री रमेश को लिखे पत्र में कहा है, उपरोक्त के मद्देनजर, मुझे यह बताने का निर्देश दिया गया है कि एक गैर–जिम्मेदार, निराधार और अपुष्ट दुर्भावनापूर्ण बातों को विश्वसनीयता प्रदान करने की आपकी घात लगाकर की गयी कोशिश को आयोग दो टूक रूप से अस्वीकार करता है।

मोदी से मिले धामी, हरियाणा में जीत के लिए दी बधाई

नई दिल्ली, 08 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की और हरियाणा विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को मिली ऐतिहासिक जीत के लिए उन्हें बधाई दी।

श्री धामी ने कहा कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में जब सब भाजपा की बड़ी हार का अनुमान लगा रहे थे तो इन सब विपरीत स्थितियों में भी वहां भाजपा ने ऐतिहासिक जीत हासिल की है और यह जीत श्री मोदी के नेतृत्व में आमजन के विश्वास को प्रदर्शित करती है।

इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री को केदारनाथ मंदिर की प्रतिकृति और बाबा केदारनाथ जी का प्रसाद भी भेंट किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के विकास में श्री मोदी का उन्हें हमेशा मार्गदर्शन और सहयोग मिलता रहा है और इसके लिए वह उनका आभार व्यक्त करते हैं।

मुख्यमंत्री ने श्री मोदी से विशेषज्ञ समिति से संस्तुत 21 जल परियोजना के विकास एवं निर्माण की अनुमति प्रदान किए जाने का अनुरोध किया। इसके साथ ही उन्होंने तीन रोपवे परियोजनाओं सोनप्रयाग–गौरीकुंड केदारनाथ, गोविंद घाट–हेमकुंड साहिब और काठगोदाम–नैनीताल को राज्य सरकार द्वारा विकास और संचालन के लिए हस्तांतरित करने का भी अनुरोध किया।

उन्होंने केंद्र सरकार की क्षेत्रीय संपर्क योजना के अंतर्गत देहरादून–गौचर–देहरादून और देहरादून–चिन्यालीसौड़–देहरादून की हवाई सेवा पुनःसंचालित करने के लिए, नागरिक उड्डयन मंत्रालय को आवश्यक निर्देश देने का अनुरोध करने के साथ ही कुमाऊं और गढ़वाल को जोड़ने के लिये दो मार्गों, खैरना–रानीखेत–बगीधार–बैजरो मोटरमार्ग 256.9 किमी और काठगोदाम–भीमताल लोहाघाट–पंचेश्वर मोटर मार्ग 189 किमी को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने का भी अनुरोध किया।

विधानसभा चुनाव पर केंद्रीय मंत्री बोले–

संविधान खतरे में होता तो वह चुनाव जीतते क्या?

गया (एजेंसियां)।

देश के हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के जैसे-जैसे परिणाम सामने आने शुरू हुए हैं। वहीं नेताओं के प्रतिक्रिया भी आने शुरू हो गया है। इसी क्रम में केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा कि अगर संविधान खतरे में होता तो विपक्ष चुनाव जीत जाते क्या। उन्होंने कहा कि यह समझना चाहिए कि एनडीए की सरकार डेमोक्रेटिक सरकार है, जो डेमोक्रेसी और संविधान में विश्वास करती है। जब हमलोग जीतते हैं तो आरोप लगाते है कि ईवीएम खराब है। जब वह जीत रहे है तो ईवीएम ठीक हो गया है..? जब उनकी जीत है तो ईवीएम ठीक है? इधर की जीत हो तो ईवीएम खराब है। विरोधियों को सलाह देते हुए कहा कि डेमोक्रेसी में विश्वास कीजिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जो डेमोक्रेटिक विचार है। जैसा जनतंत्र को हिंदुस्तान में चला रहे हैं जनता पर विश्वास करें।

जनता अगर उनको बहुमत देती है तो उनका हम स्वागत करते हैं। अब यह कहना की संविधान खराब है। संविधान खतरे में है यह गलत है। संविधान खतरे में रहता तो वह चुनाव जीतते क्या.? चिट भी उनका और पट भी उनका। यह चल सकता है। यह नही चल सकता है। जनता का जो निर्णय होगा, वहीं परिणाम होगा, उसे हमसब मानेंगे। पीएम मोदी की सरकार ठीक से समय पर चुनाव करा रही है। देश का चुनाव आयोग निरपेक्ष ढंग से बिना किसी भेद भाव के ठीक से चुनाव करा रही है। इस चीज पर उनको विश्वास करना चाहिए और इस बात पर अडग रहना चाहिए कि रिजल्ट चाहे जो भी हो।

वहीं उन्होंने जम्मू-कश्मीर में पीछे कहीं वजह पर कहा कि वहां के लोग अगर समझते है कि कांग्रेस की सरकार अच्छी है, तो जनता का निर्णय सही है। इसका विश्लेषण चुनाव के बाद हीं एनडीए के लोग करेंगे। हम उस पर कोई व्यक्तिगत विचार नहीं दे सकते हैं। हरियाणा में जदयू का अच्छा परफोर्मेंस नहीं होने पर कहा कि हो सकता है वहां उनका कोई कार्यक्रम नहीं हुआ होगा। चुनाव लड़ना काम है। चुनाव लड़ें। अखाड़ा में पहलवान कभी हार जाता है इसका मतलब यह नहीं है कि वह पहलवान नहीं है।

जम्मू में धारा 370 पर कहा कि यह भारत के लोगों को देखना चाहिए कि कश्मीर को पाकिस्तान में मिलाएंगे और ऐसी सरकार को अगर वहां के लोग जीत देते हैं तो यह हमारे संघात्मक ढांचे पर एक खतरा है। इस खतरा को एनडीए के लोग बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर कश्मीर की बात आएगी तो हर तरह से वहां से निपटेंगे। जीत हो जाएगी तो यह अलग बात है। हम यह समझते है कि ऐसा उनलोग भी नहीं करेंगे। आज धारा 370 हटने के बाद वहां पर चुनाव हो रहा है। अगर हस्तक्षेप करते तो चुनाव जीत जाते क्या..? एनडीए जनतांत्रिक तरीके से काम कर रही है। इस पर भरोसा करना चाहिए। 370 धारा हटने से से कश्मीर को फायदा हीं हुआ कोई घाटा नही हुआ है। अब किन तबके के लोग उनको वोट दे रहे है। जिसमे वह अभी आगे हो गए है। निरीह और गरीब लोग है जिनका आरक्षण का लाभ नहीं मिल रहा था। वह लोग पीछे पड़ रहे है। बहुमत तो है किसी तरह वोट नहीं दे पाए हैं या उनकी बात नहीं चली इसका मतलब है कि उनपर जो बहुमत है बहुमत के आधार पर गरीब लोगों को मसलेंगे। भारत की सार्वभौमिकता से कोई खिलवाड़ करेंगे तो एनडीए सरकार बर्दाश्त नहीं करेगी।

बिहार सीएम नीतीश कुमार को भारत रत्न देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हमने भी समर्थन किया है। नीतीश कुमार ने सभी मोर्चे पर अच्छा काम किए है। लेकिन, भूमि सुधार का काम ठीक नही है। जिसको वास्तिगत जमीन का पर्चा,भूदान का पर्चा मिला है, सीलिंग का परवाना मिला है। बिहार सरकार के 70% जमीन पर कब्जा राजद के लोगो का हैं। यह विधानसभा में भी कहा था। इस काम को अगर ठीक ढंग से निपटाइये तो हम भी भारत रत्न की प्रशंसा करेंगे। डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के द्वारा सरकारी बंगला खाली करने के दौरान सोफा और नल की टोटी ले जाने पर उन्होंने कहा कि अब यही सोचा जा सकता है कि संपति और धन से कितना उन लोगों लोलुपता है। रेलवे में रहकर उनके पिता लालू यादव ने करोड़ो अरबों का जमीन खरीद लिया था। इसपर केस चल रहा है और यह तो हद हो गया कि सरकारी बंगला में उनके पिता की संपति नहीं थी। सरकार की संपति लगाई गई थी जो उखाड़कर ले गए हैं, यह घृणित कार्य है, इसकी आलोचना करते हैं।

सीतामढ़ी में लखनदेई नदी के कटाव से मकान नदी में समाया

इलाके में दहशत का माहौल

सीतामढ़ी (एजेंसियां)।

सीतामढ़ी में बागमती नदी के बाद अब लखनदेई नदी ने भी कहर बरपाना शुरू कर दिया है। नदी का जलस्तर पिछले कई दिनों से बढ़ा हुआ था, हालांकि बीते दो दिनों से जलस्तर में कमी आ रही है। पानी घटने के साथ ही अब नदी में तेज कटाव शुरू हो गया है, जिससे कई इलाकों में खतरा बढ़ता जा रहा है। सोमवार को लखनदेई नदी के किनारे स्थित पीली कुटी रोड के सुलिस गेट के पास हनुमान मंदिर के बगल में बना एक मकान देखते ही देखते नदी में समा गया।

मकान के ढहने की घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग इस कटाव को लेकर डरे हुए हैं, क्योंकि नदी के किनारे सैकड़ों घर बसे हुए हैं जो अब खतरे में नजर आ रहे हैं। हालांकि, मकान के धराशाई होने से कोई हताहत नहीं हुआ, क्योंकि गृहस्वामी ने मकान की स्थिति बिगड़ने पर रात में ही उसे खाली कर दिया था। घटना सोमवार करीब 11 बजे दिन की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने इस घटना का वीडियो भी बनाया, जिसमें देखा जा सकता है कि मात्र 37 सेकेंड में मकान नदी में समा गया।

नदी में हो रहे इस कटाव के कारण राजोपट्टी, कैलाशपुरी और तलखापुर जैसे क्षेत्रों में खतरा बढ़ने लगा है। खासकर, नदी किनारे बसे लोग अब अपने घरों को लेकर चिंतित हैं। इससे पहले 2019 में सामान्य से अधिक बारिश के कारण लखनदेई नदी में बाढ़ आई थी, जिसके चलते कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए थे। उस दौरान रामपदार्थ नगर में एक तीन मंजिला इमारत भी गिर गई थी। इसके बाद से इस इलाके में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई थी, लेकिन अब फिर से नदी का बढ़ता कटाव लोगों के लिए चिंता का विषय बन गया है।

इससे पूर्व में भी जब लखनदेई नदी में पानी का स्तर बढ़ता है, तो जिला प्रशासन द्वारा नदी किनारे बसे लोगों को घर खाली करने के निर्देश दिए जाते हैं। मौजूदा हालात को देखते हुए भी स्थानीय प्रशासन से जल्द ही कार्रवाई की उम्मीद है, ताकि लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके।

तालाब से मिली युवक की लाश

पटना (एजेंसियां)।

नालंदा के बिहारशरीफ में मंगलवार की सुबह मस्जिद के पास एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मामला बिहार थाना क्षेत्र अंतर्गत नेहाल मस्जिद के समीप की है। मृतक की पहचान बिहार थाना क्षेत्र के कटरा पर निवासी कार्तिक राम के पुत्र बिट्टू कुमार (26) के रूप में की गई है। परिजन हत्या का आरोप लगा रहे हैं। मृतक के भाई नीतीश कुमार ने बताया कि अहले सुबह शौच के लिए बिट्टू घर से बाहर गया था। आसपास के लोगों से पता चला कि भाई की हत्या कर दी गई है। जब मौके पर पहुंचे तब पाया कि नेहाल मस्जिद के पास तालाब में उसका भाई गिरा हुआ है। सिर पर गंभीर चोट हैं और गले में बैंडेज बंधा हुआ है।

परिजन आशंका व्यक्त कर रहे हैं कि किसी ने पीछे से उस पर हमला कर दिया और हत्या कर उसे तालाब में लुढ़का दिया। फिलहाल हत्या के कारणों पर सस्पेंस बना हुआ है। परिजन किसी से किसी प्रकार की दुश्मनी से इनकार कर रहें हैं। युवक अपने भाई के साथ फास्टफूड की दुकान चलाता था। वहीं इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। सदर अस्पताल आए परिवार वालों के चीख पुकार से पूरा परिसर गमगीन हो गया है।

सदर डीएसपी वन ने बताया कि फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला जा रहा है। परिजन हत्या का आरोप लगा रहे हैं। सभी बिंदुओं पर बारिकी से जांच पड़ताल की जा रही है। स्तिथि सामान्य है। जल्द ही मामले का उद्वेदन कर लिया जाएगा।

मुंगेर में सियार के हमले से कई ग्रामीण घायल

गुस्साए लोगों ने एक सियार को उतारा मौत के घाट

मुंगेर (एजेंसियां)।

मुंगेर जिले के असरगंज प्रखंड के कई गांवों में सियार के आतंक ने ग्रामीणों को परेशान कर रखा है। पिछले 24 घंटों के दौरान सियार ने छह से अधिक ग्रामीणों पर हमला किया, जिनमें बच्चे, महिलाएं और पुरुष शामिल हैं। बेराय, पंसाय और सजुआ गांवों के लोग सियार के इस हमले का शिकार हुए हैं। हालात इतने खराब हो गए कि ग्रामीणों को एक सियार को मार गिराना पड़ा।

जानकारी के मुताबिक, सियार के हमले की सबसे बड़ी घटना सजुआ गांव में घटी। जहां घास काटने गईं दो सगी बहनों को

सियार ने निशाना बनाया। हालांकि गांववालों की सूझबूझ से दोनों बहनें सियार के हमले से बचाई जा सकीं, लेकिन वे घायल हो गईं। इसी प्रकार पंसाय गांव में भी सियार ने एक बच्चे और उसकी मां तथा बहन पर हमला कर दिया। सभी घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र असरगंज में भर्ती कराया गया, जहां उन्हें इलाज के बाद घर भेज दिया गया।

ग्रामीणों का कहना है कि सियार का एक झुंड इलाके में सक्रिय है और मौका मिलते ही अकेले लोगों पर हमला कर रहा है, चाहे वे घरों में हों या खेतों में काम कर रहे हों। इस हमले से परेशान ग्रामीणों ने आत्मरक्षा के लिए एक सियार को मार डाला। इसके बावजूद सियार का आतंक कम नहीं हुआ है और लोग अब भी दहशत में हैं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र असरगंज के चिकित्सक मानस श्री ने बताया कि सियार ने जिन ग्रामीणों पर हमला किया, उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। हालांकि प्राथमिक उपचार के बाद सभी घायलों को घर भेज दिया गया है। चिकित्सकों ने सियार के काटने के मामले में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है, ताकि संक्रमण से बचा जा सके।

इस घटना से ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। सियार के लगातार हमलों से गांववाले डरे हुए हैं और उन्हें अपनी सुरक्षा के लिए अतिरिक्त उपाय अपनाने पड़ रहे हैं। प्रशासन से इस समस्या के समाधान के लिए मदद की अपील भी की जा रही है।

नीति आयोग के सीईओ बोले–

शिक्षा-स्वास्थ्य में अच्छा प्रदर्शन कर रहा बिहार

गया (एजेंसियां)।

बिहार शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन कर रहा। कुछ वर्षों में इसके देश के बाकी हिस्सों की बराबरी कर लेने की संभावना है। गया में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम ने कहा कि बेहतर शासन और सेवा वितरण के कारण बिहार के कई महत्वाकांक्षी ब्लॉक और जिले जल्द ही ''प्रेरणादायक'' बन जाएंगे। बिहार कुछ वर्षों में देश के बाकी हिस्सों की बराबरी कर लेगा। राज्य शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी संकेतकों के मामले में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। कई महत्वाकांक्षी ब्लॉक और जिले प्रेरणादायक ब्लॉक और जिले बन जाएंगे। सुब्रमण्यम ने कहा कि बेहतर प्रशासन और सेवा वितरण के कारण भविष्य बहुत निकट है।

उन्होंने कहा कि बिहार एआई-संचालित निर्णय समर्थन प्रणाली के अभूतपूर्व स्तर का प्रदर्शन करने वाला देश का पहला राज्य है, जो नीति निर्माताओं, मध्य-कैरियर अधिकारियों और उन लोगों को मदद करेगा जिन्हें प्रारंभिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वह बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड रूरल डेवलपमेंट (इखझअठ) के बारे में बोल रहे थे, जो अपने अत्याधुनिक जेननेक्स्ट लैब के उद्घाटन के साथ डेटा-संचालित शासन के एक नए युग की शुरुआत करने के लिए तैयार है।

जेननेक्स्ट लैब का उद्घाटन मंगलवार को सुब्रमण्यम करेंगे। उन्होंने कहा कि एक ऐसी दुनिया में जो अभूतपूर्व गति से आगे बढ़ रही है, बिपार्ड मानता है कि प्रभावी शासन और नीति-निर्माण को तेजी से बदलती वास्तविकताओं के साथ गहराई से जोड़ा जाना चाहिए।

नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रमण्यम ने कहा कि नागरिक आज तीव्र निर्णयों, त्वरित सुधारों और आधुनिक चुनौतियों के साथ तालमेल रखने वाले समाधानों की मांग करते हैं। नए युग की प्रौद्योगिकियों को अपनाना सिर्फ एक विकल्प नहीं है, बल्कि अधिक स्मार्ट, अधिक संवेदनशील और दूरदर्शी शासन चलाने के लिए यह एक अनिवार्यता है।

राज्य सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, इखझअठ तीन अग्रणी प्रयोगशालाओं की शुरुआत के साथ शासन प्रशिक्षण को बदलने के लिए तैयार है, जिसका उद्देश्य नीति और शासन के दृष्टिकोण को आधुनिक बनाना और बढ़ाना है।

बीवीआर सुब्रमण्यम ने कहा कि ये नई सुविधाएं, इखझअठ परिसर के भीतर 'गहरे ज्ञान और खुफिया गलियारे' का हिस्सा हैं, जिन्हें राज्य में शासन को पढ़ाने और लागू करने के तरीके को नया आकार देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। ''बिहार नेक्स्ट-जेन लैब प्रशासकों को प्रशिक्षित करने के लिए घरेलू सुरक्षित कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाएगी। एआई का एकीकरण न केवल सुरक्षित डेटा हैंडलिंग का समर्थन करेगा, बल्कि बेहतर निर्णय लेने के लिए विश्-लेषणात्मक उपकरण और अंतर्दृष्टि भी प्रदान करेगा। लैब से उम्मीद की जाती है कि प्रशिक्षुओं और अधिकारियों को पूर्वानुमानित विश्लेषण, नीति निर्माण और शासन अनुकूलन के लिए एआई की शक्ति का उपयोग करने में सक्षम बनाना।

बीवीआर सुब्रमण्यम ने कहा कि यह अत्याधुनिक संचार और डेटा-साझाकरण सुविधाओं से लैस होगा, जो शासन सुधारों की रणनीति बनाने और लागू करने के लिए एक सहयोगी वातावरण को बढ़ावा देगा। इस प्रयोगशाला का उद्देश्य राज्य को प्रभावित करने वाले नीतिगत मामलों पर महत्व-पूर्ण चर्चा और आम सहमति बनाना है।

पटना में रिटायर्ड अफसर की हत्या, विवाद को लेकर अपराधियों ने मारी पांच गोली

पटना (एजेंसियां)।

पटना सिटी के आलमगंज थाना क्षेत्र के बजरंग पुरी मोहल्ले में अपराधियों ने मॉर्निंग वॉक के लिए निकले सचिवालय के सेवानिवृत सेक्शन अफसर को गोलियों से भून डाला। इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरा खंगालना शुरू कर दिया है। घटना के बाद पुलिस मौके पर एफएसएल टीम के माध्यम से छानबीन शुरू कर दी है। मृतक सेवा निर्मित कर्मचारियों की पहचान राजीव रतन गुप्ता 65 वर्ष के रूप में हुई है।

पटना सिटी के पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी अतुल्लेश कुमार झा ने घटना का कारण पूछे जाने पर बताया कि लूटपाट का मामला प्रतीत नहीं हो रहा है। बताया जा रहा है कि राजीव गुप्ता कुछ वर्ष पूर्व सचिवालय से सेक्शन अफसर के पद से सेवानिवृत हुए थे। परिवार वाले ने बताया कि वह अपना एक फ्लैट बना रहे थे। परिवार वाले ने आशंका जताई है की जमीन विवाद को लेकर ही घटना को अंजाम दिया गया है। राजीव रतन गुप्ता मंगलवार को मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। इसी क्रम में मोटरसाइकिल से आए अपराधियों ने ताबड़तोड़ उन पर फायरिंग करनी शुरू कर दी।

आसपास के लोग बताते हैं कि राजीव रतन गुप्ता को अपराधियों के द्वारा पांच गोली मारी गई है। बताया जा रहा है कि गोली लगने के बाद भी राजीव रत्न भाग कर बजरंग पुरी मोहल्ले के एक मंदिर के पास पहुंचे हैं और वहीं गिर पड़े। सूचना पाकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। इलाज के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्प-ताल भर्ती कराया, जहां उनकी मौत हो गई। पटना सिटी पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि घटना के बाद मौके पर एफएसएल टीम के माध्यम से छानबीन शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि पुलिस घटनास्थल से गोली के दो खोखे बरामद किए हैं। राजीव गुप्ता के भातिजा ने बताया कि हत्या जमीन विवाद को लेकर ही हुई है। उन्होंने परोस के एक आदमी को इस मामले में हाथ होने की बात बताई है।

सुपौल में स्कॉर्पियो-ट्रक में आमने-सामने की टक्कर, दो लोगों की हालत गंभीर

सुपौल (एजेंसियां)।

सुपौल जिले के एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो और ट्रक में आमने सामने की टक्कर हो गई। घटना में स्कॉर्पियो सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। वही स्कॉर्पियो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। घटना रात करीब 11 बजे की बताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि दोनों वाहनों के टकराने की आवाज सुन कर लोग दौड़े। जिसके बाद घटनास्थल पर काफी भीड़ जुट गई।

स्थानीय लोगों के सहयोग से ही दोनों घायलों को किसी तरह स्कॉर्पियो से बाहर निकाल कर राघोपुर रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया है। घायलों की पहचान पिपरा थाना क्षेत्र के आनंदीपट्टी निवासी रंजीत सिंह व धर्मेंद्र कुमार यादव के रूप में हुई है।

रेफरल अस्पताल में घायलों का इलाज कर रहे डॉक्टर ने बताया कि दोनों के सिर में काफी गंभीर चोट है, जिसकी वजह से दोनों की हालत काफी नाजुक है। इधर, घटना की सूचना मिलते ही राघ-ोपुर थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com